हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 12, अंक: 24, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 16 सितंबर से 30 सितंबर 2021 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

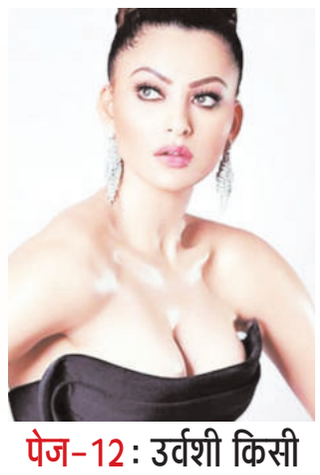

पेज-11: विराट के वनडे कप्तानी पर भी खतरा

पेज-12: उर्वशी किसी से भिड़ने को तैयार

न्यूज फ्लैश

न्यूजीलैंड ने रद्द किया पाकिस्तान का दौरा

रावलपिंडी: न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया है। कीवी क्रिकेट बोर्ड ने रावलपिंडी में पहला वनडे शुरू होने से 30 मिनट पहले यह फैसला लिया। इस दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेले जाने थे। न्यूजीलैंड को टीम की सुरक्षा से जुड़ा इंटेलिजेंस अलर्ट मिला था। अब टीम को जल्द से जल्द पाकिस्तान से निकालने की तैयारी हो रही है।

इमरान खान ने की थी न्यूजीलैंड की पीएम से बात: पाकिस्तान ने इस दौरे को बचाने की पूरी कोशिश की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न को फोन कर सुरक्षा का पूरा आश्वासन देने का वादा भी किया। इमरान ने कहा कि पाकिस्तान के पास दुनिया का सबसे अच्छा इंटेलिजेंस सिस्टम है और कीवी टीम के ऊपर किसी भी तरह का खतरा नहीं है। हालांकि उनका आश्वासन भी काम नहीं आया और न्यूजीलैंड ने दौरा रद्द करने का फैसला ले लिया।

हरियाणा: पांच जिलों में आज से पहरे में होगी महिला सिपाही परीक्षा

चंडीगढ़: हरियाणा महिला पुलिस परीक्षा कड़े सुरक्षा पहरे में शनिवार और रविवार को पांच जिलों में होगी। इसके लिए हरियाणा सरकार ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। पहली बार सब डिवीजन स्तर पर भी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कुल 1100 पदों के लिए 2.57 लाख से अधिक महिलाओं ने आवेदन कर रखा है। इस बार केवल यमुनानगर, पंचकुला, अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सात अगस्त को सिपाही पुरुष परीक्षा में पेपर लीक के बाद से स्टाफ सेलेक्शन कमीशन और सरकार की काफी फजीहत हुई थी। इसको देखते हुए अब सरकार परीक्षा को लेकर काफी सख्त और अलर्ट है। सरकार की ओर से सभी परीक्षा केंद्र वाले जिलों के डीसी और एसपी को सख्त निर्देश दिया है कि वे परीक्षा के दौरान खुद निरीक्षण करें। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी ने बताया कि 18 सितंबर की शाम और 19 सितंबर की सुबह परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा के लिए सभी तैयारियां और पुख्ता इंतजाम हैं।

हिमाचल में 22 सितंबर से स्कूल खोलने की तैयारी

शिमला: हिमाचल प्रदेश में 22 सितंबर से पांचवीं सहित आठवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को खोलने की तैयारी है। 20 या 21 सितंबर को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में इस बाबत फैसला लिया जाएगा। अभी 21 सितंबर तक सरकार ने विद्यार्थियों के लिए प्रदेश में स्कूल बंद रखे हैं। शिक्षा निदेशालय ने सभी स्कूल प्रिंसिपलों को अगले सप्ताह से विद्यार्थियों के लिए स्कूल खुलने की संभावना को देखते हुए तैयारियां पूरी रखने के लिए कहा है। स्कूल प्रिंसिपलों को विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से माइक्रो प्लान बनाने के लिए भी कहा गया है। कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आने पर 2 अगस्त से दसवीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों को खोला गया था। पांचवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को शिक्षकों से परामर्श लेने के लिए स्कूलों में आने की मंजूरी दी थी, लेकिन इसी बीच दोबारा संक्रमण के मामलों में तेजी आई।

नजफगढ़-ढांसा बस स्टैंड के बीच आज से दौड़ेगी मेट्रो, पुरी और केजरीवाल करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो की ग्रे लाइन पर नजफगढ़ और ढांसा बस स्टैंड स्टेशन के बीच शनिवार शाम पांच बजे से यात्रियों के लिए सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। इससे आसपास के गांवों और कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिल जाएगी। वह बहुत कम समय में दिल्ली के किसी भी कोने में पहुंच सकते हैं। नजफगढ़ से आगे के इस कॉरिडोर पर मेट्रो सेवाओं का उद्घाटन केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल करेंगे।

पीएम मोदी के बर्थडे पर वैक्सीनेशन का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन्मतिथि के अवसर पर एक दिन में 2.5 करोड़ से अधिक डोज लगाकर भारत ने कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण का अपना ही विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। इसके पहले 31 अगस्त को 1.41 करोड़ डोज लगाने का रिकार्ड बना था। शुक्रवार के कोरोना रोधी टीकाकरण के बाद भारत सभी यूरोपीय देशों को मिलाकर लगाए गए डोज से अधिक टीके लगाने वाला देश बन गया है। भारत की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री मोदी और स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'आज की रिकार्ड टीकाकरण संख्या पर हर भारतीय को गर्व होगा। मैं डाक्टरों, इनोवेटर्स, प्रशासकों, नर्सों, स्वास्थ्यकर्मी और सभी फ्रंटलाइन वर्करों की सराहना करता हूं, जिन्होंने टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। आइए हम कोरोना को हराने के लिए टीकाकरण को बढ़ावा देते रहें।'

दो करोड़ डोज का आंकड़ा पार करने के बाद मांडविया ने ट्वीट में कहा, 'हमने अब कर दिखाया है, धन्यवाद हेल्थ वर्कर्स।' वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्यू इंडिया का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री की तिथि के दिन बड़े पैमाने पर टीकाकरण के लिए केंद्र और राजग सरकार के साथ साथ भाजपा ने पूरी तैयारी की थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों की इन तैयारियों के हिसाब से वैक्सीन की सप्लाई सुनिश्चित की थी। शुक्रवार की सुबह तक राज्यों के पास 6.17 करोड़ डोज स्टाक में थे। इसी का परिणाम था कि शाम तक कर्नाटक और बिहार 25 लाख से अधिक तो उत्तर प्रदेश 23 लाख से अधिक और मध्य प्रदेश 22 लाख से अधिक डोज लगाने में सफल रहे। इस रिकार्ड उपलब्धि के साथ ही भारत में अब तक कुल 79.64 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं, जो विभिन्न महाद्वीपों में लगाए गए टीके से भी अधिक हैं। यूरोप के सभी देशों में कुल 77.7 करोड़ डोज लगाई गई हैं। वहीं अमेरिका समेत पूरे उत्तरी अमेरिकी देशों में 59.3 करोड़ डोज, दक्षिण अमेरिकी देशों में 40.3 करोड़ और अफ्रीकी देशों में 12.9 करोड़ डोज ही अब तक लगाई जा सकी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि आने वाले समय में टीकाकरण की रफ्तार प्रतिदिन औसतन एक करोड़ से अधिक हो जाएगी।

नड्डा ने रिकार्ड टीकाकरण की बनाई थी रणनीति

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुछ दिन पहले ही पार्टी की ओर से प्रशिक्षित किए गए सात लाख से ज्यादा स्वास्थ्य स्वयंसेवियों को टीकाकरण को लेकर संबोधित किया था। उससे पहले उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों व संगठन महामंत्रियों के साथ चर्चा कर प्रधानमंत्री के जन्मतिथि के दिन टीकाकरण का रिकार्ड बनाने की रणनीति बनाई थी

सितंबर में अब तक औसतन 75 लाख टीके रोज लगे: स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार एक दिन में दो करोड़ से अधिक डोज लगाने का आंकड़ा पार करना वैक्सीन की बढ़ती हुई सप्लाई को भी दिखाता है। इसके पहले सितंबर में प्रतिदिन औसतन लगभग 75 लाख टीके लगते रहे हैं। अगस्त महीने में यह 59 लाख और जुलाई में 43 लाख टीके प्रतिदिन था।

हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व की स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शुक्रवार को राज्य विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे: नितिन गडकरी ने की काम की समीक्षा

नई दिल्ली: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने एक्सप्रेसवे पर 170 किमी प्रति घंटा की गति से एक कार में सवारी कर गति परीक्षण भी किया। उसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे भाजपा सांसद लोकेंद्र पाराशर ने केंद्रीय मंत्री के स्पीड-टेस्ट ड्राइव को साझा करने के लिए ट्विटर पर डाला था।

'एससीओ को कट्टरपंथ से लड़ने का साझा प्रयास करने चाहिए'

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कट्टरता के बढ़ते प्रभाव को मध्य एशिया की शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि आपसी विश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता को सम्मान दें और संपर्क सुविधाओं को समावेशी बनायें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के 21वें शिखर सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित इस सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री भाग लेने पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एसीओ की 20वीं वर्षगांठ इस संस्था के भविष्य के बारे में सोचने का उपयुक्त अवसर है। उनका मानना है कि इस क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और आपसी विश्वास की कमी से संबंधित है। इन समस्याओं का मूल कारण बढ़ता हुआ कट्टरपंथ है। अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम ने इस चुनौती को और स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि कट्टरता से लड़ाई क्षेत्रीय सुरक्षा और आपसी विश्वास के लिए आवश्यक है।

साथ ही यह हमारी युवा पीढ़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए भी जरूरी है। विकसित विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए हमारे क्षेत्र को उभरती टेक्नोलॉजी में भागीदार बनना होगा। मोदी ने कहा कि मध्य एशिया की इस ऐतिहासिक धरोहर के आधार पर एससीओ को कट्टरपंथ और चरमपंथ से लड़ने का एक साझा प्रयास करने चाहिए। भारत और एससीओ के लगभग सभी देशों में इस्लाम से जुड़ी आधुनिक, उदार और समावेशी संस्थाएं और परंपराएं हैं। हमें अपने प्रतिभाशाली युवाओं को विज्ञान और तार्किक सोच की ओर प्रोत्साहित करना होगा। हम अपने युवा उद्यमियों और स्टार्ट-अप को एक दूसरे से जोड़कर इस तरह की सोच, इस तरह की नवाचारी भाव को बढ़ावा दे सकते हैं।

आधार से पैन लिंक करने की समय सीमा बढ़ी

नई दिल्ली/एजेंसी

आयकर के स्थाई खाता नंबर (पैन) को आधार से जोड़ने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी गई है। पहले यह 30 सितंबर 2021 थी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि आयकर विभाग को आधार संख्या की सूचना देने की समय सीमा छह माह बढ़ा दी गई है। पिछले महीने, केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए पैन को आधार से जोड़ने की समय सीमा 30 सितंबर तक बढ़ा दी थी। पेनल्टी की प्रक्रिया पूर्ण करने की अंतिम तिथि भी 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी है। बेनामी संपत्ति लेनदेन निरोधक कानून 1988 के तहत सक्षम प्राधिकरण द्वारा नोटिस जारी करने और आदेश देने की समय सीमा भी बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी गई है।

उत्तराखंड में आज से शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून/एजेंसी

उत्तराखंड में शनिवार से चारधाम यात्रा शुरू होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। वहीं भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने हाईकोर्ट और राज्य सरकार को 18 सितंबर से चारधाम शुरू होने पर शुक्रिया कहा। इस सिलसिले में शुक्रवार को एसओपी जारी हो सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा पर हाई कोर्ट के गुरुवार को निर्णय के बाद सरकार का पहला लक्ष्य यात्रा का शीघ्र संचालन है।

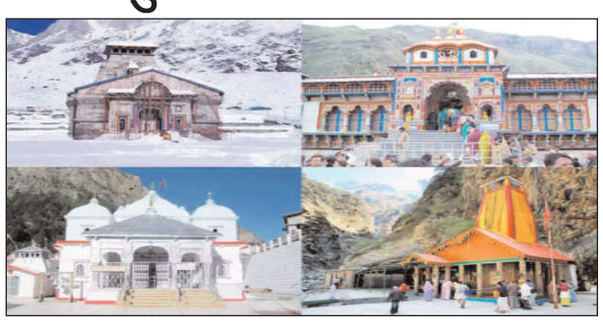

शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारे प्रस्ताव पर न्यायालय ने सहमति दी है। हम बहुत दिनों से यात्रा को लेकर प्रयास कर रहे थे। बीते कल ये दिन आया जो राज्य के लिए बहुत ही सुखद है। अब सरकार का पहला लक्ष्य यात्रा का संचालन करना है। साफ-सफाई की व्यवस्था के बाद शीघ्र ही यात्रा प्रारंभ करना सरकार की मंशा है। यात्रा के लिए बहुत ही कम समय बचा है। इस ओर सरकार का पूरा ध्यान है।

अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मॉड्यूल का भंडाफोड़, 3 अरेस्ट

पंजाब/एजेंसी

पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को खन्ना जिले के एक गांव में छापा मारकर अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। मामले में तीन खालिस्तान समर्थक गिरफ्तार किए गए हैं। डीजीपी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने गिरफ्तार लोगों से कुछ पर्ची भी बरामद की है। इन पर 'रेफरेंडम 2020' लिखा हुआ है। पुलिस ने इसे अलगाववादी साहित्य बताया। गिरफ्तार लोगों की पहचान खन्ना के गुरविंदर सिंह, जगविंदर सिंह और सुखदेव सिंह के रूप में हुई है, दोनों रोपड़ के मोरिंडा के निवासी हैं। पुलिस ने अमेरिका में रहने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू, हरप्रीत सिंह, बिक्रमजीत सिंह और गुरसहाय माखू और खन्ना के जगजीत सिंह मंगत के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

भाजपा मजलिस से नहीं डरती: अमित शाह

तेलंगाना/एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर निर्मल जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मजलिस से नहीं डरते। जो डरते हैं वो डरें, भाजपा मजलिस वालों से नहीं डरती है..हम नहीं डरते हैं। भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करती है। कार्यकर्ताओं से अभी से चुनाव में जुट जाने की आह्वान किया।

पंजाब: नौ फास्ट ट्रैक को कैबिनेट की मंजूरी

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब कैबिनेट ने शुक्रवार को खरीफ खरीद सीजन 2021-22 के लिए पंजाब कस्टम मिलिंग नीति को मंजूरी दे दी। इससे राज्य की खरीद एजेंसियों (पनग्रेन, मार्कफेड, पनसप और पीएसडब्ल्यूसी) द्वारा खरीदे गए धान को कस्टम मिल्ड चावलों में तबदील कर-के इसे केंद्रीय पूल में भेजा जा सकेगा। साथ ही कैबिनेट ने नौ फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ खरीद सीजन 2021-22 की शुरूआत 1 अक्तूबर, 2021 से हो रही है और यह प्रक्रिया 15 दिसंबर, 2021 तक चलेगी। खरीद सीजन 2021-22 के दौरान खरीदे गए धान का राज्य की चावल मिलों में भंडारण किया जाएगा। चावल मिलों को खरीद केंद्रों के साथ जोड़ा जाएगा जो खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले के विभाग द्वारा जारी खरीद केंद्र अलॉटमेंट सूची के अनुसार होगा। राइस मिलर द्वारा नीति और करारनामे के मुताबिक 31 मार्च, 2022 तक भंडारण किए धान में से चावल मुहैया करवाए जाएंगे।

सिद्धू पॉलिटिक्स के राखी सावंत: आप

चंडीगढ़/एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के सह प्रभारी और दिल्ली से विधायक राघव चड्ढा ने नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब की राजनीति का राखी सावंत बताया है। चड्ढा ने अपने बयान में कहा कि सिद्धू बेतुके बयान देने की बीमारी से पीड़ित हैं, इसलिए आदत से मजबूर होकर इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धू की कही कोई भी बात गंभीर नहीं होती और हर जगह वह हंसी के पात्र ही बनते हैं। चड्ढा ने कहा कि पहले सिद्धू अपनी ही सरकार और सरकार के मुखिया कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ रोजाना बयानबाजी कर रहे थे लेकिन आलाकमान की फटकार के बाद वह चुप हैं। अब उन्हें कुछ और नहीं सूझ रहा इसलिए नवजोत सिद्धू आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ फिजूल की बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धू कुछ दिनों बाद फिर से कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ बयानबाजी शुरू करेंगे।

जीएसटी: कोविड-कैंसर की दवाएं हुईं सस्ती, ऐप से खाना मंगाना पड़ा महंगा

नई दिल्ली/एजेंसी

कोविड के बाद पहली बार हुई जीएसटी काउंसिल की फिजिकल मीटिंग में कई अहम फैसले लिए गए। कई सामान पर जीएसटी का रेट घटा दिया गया, तो कई में इजाफा किया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चर्चा के बाद यह फैसला किया गया कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का सही समय नहीं है। जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में कैंसर और कोरोना की दवाएं सस्ती करने का फैसला हुआ। वहीं, जोमैटो और स्विगी जैसे ऐप से खाना ऑर्डर करना महंगा हो गया है। आइसक्रीम का स्वाद लेना भी महंगा होगा।

कोरोना की दवाएं-कोरोना की दवाओं पर दी जा रही जीएसटी से छूट 31 दिसंबर 2021 तक जारी रहेगी। इनके अलावा कैंसर के इलाज में काम आने वाली दवाओं पर भी जीएसटी टैक्स का रेट 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

बाहर का खाना-स्विगी और जोमैटो जैसे ऐप पर 5% का टैक्स लगेगा। टैक्स वहां कटेगा, जहां डिलीवरी की जाएगी। कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है, लेकिन कई आइटम के टैक्स रेट में बढ़ोतरी की गई है।

काबोर्नेटेड फ्रूट ड्रिंक-खाने-पीने के सामान में काबोर्नेटेड फ्रूट ड्रिंक महंगा हुआ है। इस पर 28% का जीएसटी और उसके ऊपर 12% का कंपनसेशन सेस लगेगा। पहले इस पर सिर्फ 28% का जीएसटी लग रहा था। फ्रूट जूस या फ्रूट पल्प जूस पर 12% का जीएसटी लगता है।

आइसक्रीम-आइसक्रीम पार्लर का मजा महंगा हो जाएगा। इस पर 18% टैक्स लगेगा, 5% नहीं जैसा कि 2017 में ऋृळ सिस्टम लागू किए जाने के बाद से लगता रहा है। सरकार ने इसको लेकर क्लैरिफिकेशन जारी किया है।

सुपारी-मीठी सुपारी और कोटेड इलायची अब महंगी पड़ेगी। सरकार ने इसको लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। इस पर 5% जीएसटी लगता रहा था जो अब 18% हो गया है।

बायोडीजल- डीजल में ब्लेंडिंग के लिए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को दिए जाने वाले बायो डीजल पर लागू जीएसटी का रेट 12% से घटाकर 5% किया गया है। ऐसे में डीजल की गाड़ियां चलाने वाले थोड़े सस्ते फ्यूल की उम्मीद कर सकते हैं।

बारिश ने तोड़ा 19 साल का रिकार्ड, सितंबर के पहले ही दिन झमाझम बरसे बदरा

दिल्ली फिर हुई पानी-पानी, जलभराव से सड़के बनी तालाब, लोगों की परेशानी पर सरकार मौन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
दिल्ली एनसीआर में बारिश ने सितंबर महीने के पहले ही दिन 19 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। हालांकि बारिश की शुरूआत 31 अगस्त को हो गई थी लेकिन एक सितंबर की सुबह से ही बादल बरसना शुरू हुए और पूरा दिन कभी तेज तो कभी धीमी बारिश लगातार होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में कम से कम 19 वर्षों में सितंबर में एक दिन में सबसे अधिक बारिश आज हुई। शहर में मौसम केंद्रों ने बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटों में 112.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की। बता दें कि दिल्ली में 13 सितंबर 2002 को 12 मिलीमीटर बारिश हुई थी। शहर में सबसे अधिक 16 सितंबर को 1963 में सबसे अधिक 172.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। शहर में बुधवार को सुबह भारी बारिश होने से निचले इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया और कई हिस्सों में यातायात बाधित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में हर साल सितंबर में औसतन 125.1 मिमी बारिश होती है। इसका मतलब है कि दिल्ली में इस महीने के पहले दिन ही, पूरे महीने की 90 फीसदी बारिश हो गई। निजी मौसम पूवार्नुमान एजेंसी ह्यस्काईमेट वेदरह्न के उपाध्यक्ष महेश पालावत ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून की प्रवृत्ति बदल रही है। उन्होंने कहा, ह्यह्यपिछले चार से पांच साल में बारिश के दिनों की संख्या कम हो गयी है और खराब मौसम की घटनाओं में वृद्धि हुई है। हम बारिश के छोटे और तीव्र दौर की रिकॉर्डिंग करते रहे हैं, कई बार सिर्फ 24 घंटों में करीब 100 मिमी बारिश होती है। पहले इतनी बारिश 10 से 15 दिनों में होती थी। दिल्ली में मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे से दोपहर ढाई बजे तक महज छह घंटों में

84 मिमी बारिश हुई जिससे सड़कों पर जलभराव हो गया और आईटीओ, आईपी एस्टेट पुल के पास रिंग रोड, धौला कुआं और रोहतक रोड पर भारी यातायात जाम लग गया। नजफगढ़ देहात में व नजफगढ़ फिरनी पर एक बार फिर सड़के जलमग्न हो गई। लोग पुरा दिन जाम व जलभराव में फंसे रहे और उनकी परेशानी पर प्रशासन व मंत्री सभी मौन दिखाई दिये।

आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, ह्यह्यसात सितंबर से बारिश का एक और दौर शुरू होने की संभावना है। दिल्ली यातायात पुलिस ने भारी जलभराव के कारण प्रताप नगर की ओर जाने वाले आजाद मार्केट सबवे पर यातायात बाधित होने के चलते परामर्श जारी किया है। उसने कहा कि जलभराव के कारण जखीरा अंडरपास भी बंद है। बार-बार जलभराव के बावजूद सरकार लोगों को राहत देने के लिए कोई कदम नही उठा रही है।

मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि तेज बारिश से भूजल स्तर बढ़ने में मदद नहीं मिलती और इससे निचले इलाकों में जलभराव हो जाता है। पालावत ने कहा कि अगर चार से पांच दिनों तक धीमी-धीमी बारिश होती है तो पानी रिसकर जमीन तक पहुंचता है। भारी बारिश होने पर, पानी तेजी से बह जाता है. उन्होंने कहा, ह्यह्यबारिश से प्रदूषण दूर हो जाता है लेकिन बारिश के दिनों की संख्या कम होने से औसत वार्षिक वायु गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि अगस्त माह के दौरान सामान्य से 24 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी लेकिन देश में सितम्बर में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बुधवार को बताया कि सितम्बर में मध्य भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मानसून की कमी अब नौ प्रतिशत रह गई है और सितम्बर के दौरान अच्छी वर्षा होने से इसमें और कमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि अगस्त से पहले, जून में भी सात प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी।

आईएमडी ने महीने के लिए अपने पूवार्नुमान में कहा कि देश में अगस्त में सामान्य से 24 प्रतिशत कम बारिश हुई, लेकिन सितम्बर में बारिश सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। महापात्र ने यह भी कहा कि उत्तर एवं पूर्वोत्तर भारत तथा दक्षिण भारत के दक्षिणी हिस्सों में सामान्य या उससे कम बारिश होने का अनुमान है।

आईपी यूनिवर्सिटी में हुई स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- आईपी विश्वविद्यालय ने अपने द्वारका परिसर में 1 सितंबर से 15 सितंबर 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है।
विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ ने आज यहां कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा के नेतृत्व में सभी को 'स्वच्छता' बनाने का संकल्प लिया। स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा कि गंदगी और रोग एक साथ चलते हैं। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने आस-पास को स्वच्छ बनाएं। कुलपति ने कहा कि अगर हर कोई अपनी जिम्मेदारी निभाएगा, तो हमारे देश में स्वच्छता में एक बड़ा बदलाव आएगा। पंद्रह दिन के इस स्वच्छता अभियान के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता आदि जैसे कार्यक्रमों की मेजबानी की योजना बनाई गई है।
विश्वविद्यालय में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुलपति ने इस स्वच्छता अभियान के सभी पंद्रह दिनों के दौरान सभी स्कूलों और विभागों का दौरा करने की इच्छा भी व्यक्त की है। इस स्वच्छता पखवाड़ा को स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में मनाया जा रहा है, जो सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है।

निगम के जनसंवाद कार्यक्रम के सार्थक परिणाम आने लगे सामने

नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में जन-समस्याओं का मौके पर हो रहा समाधान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के जनसंवाद कार्यक्रम की पहल के सार्थक परिणाम अब सामने आने लगे है। लोगों को निगम का यह कार्यक्रम इतना अच्छा लगा है कि अब लोग जनसंवाद की बात करने लगे हैं।
बुधवार को नजफगढ़ निगम जोन कार्यालय में चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में जनसंवाद की दूसरी मीटिंग का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम में निगम के सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का प्रयत्न किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले पिछली शिकायतों का निपटारा किया गया। हालांकि अभी भी कुछ लोगों की शिकायतें बची हुई है जिनका जल्द समाधान करने का चेयरमैन ने आश्वासन दिया है। जनसंवाद की दूसरी मीटिंग में करीब 18 शिकायते आई जिन पर अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान करने का प्रयत्न किया। जनसंवाद को लेकर चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने बताया कि इस बार बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव व नाले जाम की शिकायते ज्यादा आई है जिनके समाधान के लिए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये है।

हालांकि कुछ कालोनियों में अवैध साप्ताहित बाजार की भी शिकायते आई है जिन पर निगम अधिकारियों का कहना है कि हम कार्यवाही तो कर रहे है लेकिन लोग अधिकारियों के जाते ही फिर पटरी लगा लेते है। पीड़ित लोगों का कहना है कि कई बार वो इसकी शिकायत पुलिस व निगम को कर चुके है लेकिन फिर भी कोई समाधान नही निकला है। यहां तक रेहड़ी-पटड़ी वालों को जब वहां से हटने के लिए कहते है तो वो झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। कई बार मारपीट की नौबत भी आ चुकी है। पुलिस भी इस मामले में सिर्फ खानापूर्ति ही कर रही है। चेयरमैन श्री मलिक ने बताया कि हमने जनसंवाद को आम आदमी के लिए शुरू किया है। लोग कार्यक्रम के बारे में धीरे-धीरे जान रहे है और अपनी समस्याऐं लेकर आ रहे हैं। हमारा मकसद लोगों को कार्यालय के चक्करों से बचाकर उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान देना है। अब मुहीम चल पड़ी है तो दसके परिणाम भी सार्थक ही होंगे। आज की मीटिंग में सभी विभागों के अधिकारियें ने भाग लिया। हालांकि अभी भी इस मीटिंग से वार्डों के पार्षद दूरी ही बनाये हुए है। जनसंवाद की दूसरी मीटिंग में भी कोई पार्षद दिखाई नही दिया जिससे यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जनसमस्याओं को लेकर नेताओं की मानसिकता क्या है।

बहादुरगढ़ में हाईवे पर पलटी हरियाणा रोडवेज की बस

चालक समेत 9 लोगों को आई मामूली चोट, गुरुग्राम डिपो की बस, सुबह साढ़े 7 बजे हुआ हादसा, बारिश की फिसलन और आगे आवारा पशु आ जाने के चलते हुआ हादसा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- बहादुरगढ़ में बुधवार सुबह 7 बजे बारिश की फिसलन व आवार पशु आगे आने के चलते हरियाणा रोडवेज की बस पलट गई। इस हादसे में चालक समेत 9 लोग घायल हो गए। हरियाणा रोडवेज की गुरुग्राम डिपो की बस थी जो महम से गुरुग्राम जा रही थी। चालक ने सवारियों को बचाने

की कोशिश की, मगर बावजूद इसके बस बेकाबू होकर पलट गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। 9 सवारियों को मामूली चोट आई, जिनमें से 2 को यहां से रोहतक पीजीआई भेज दिया गया। बाकी को तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की शिकार हुई बस के चालक मनिंदर का कहना है कि वह सुबह करीब 6 बजे महम से चलकर गुरुग्राम के लिए निकला था। बस में करीब 20 यात्री सवार थे। करीब साढ़े सात बजे बस बहादुरगढ़ में रोहतक-रोड पर ओमेक्स के नजदीक पहुंची तो साथ से एक वाहन निकला और उसी समय बस के सामने एक आवारा पशु आ गया। उसे बचाने की कोशिश में वह नियंत्रण खो बैठा। हालांकि बस की स्पीड काफी कम हो चुकी थी। इस हादसे में चालक मनिंदर के अलावा सुरेंद्र, दिलबाग, समय सिंह, बलजीत, अमित, सतीश, महेंद्र और मनीष को हल्की चोट आई। इन्हें सिविल अस्पताल में पहुंचाया गया। जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद 7 को उसी समय उन्हें घर भेज दिया। इसके अलावा दो को रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। हालांकि वहां से भी इनकी ठीक हो जाने की सूचना है।

सोनाली फोगाट ने मेघालय के गवर्नर से मांगा इस्तीफा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/हरियाणा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कृषि कानूनों पर देश में मची रार के बीच अब किसान आंदोलन को लेकर भाजपा नेताओं के मतभेद भी खुलकर सामने आने शुरू हो गए हैं। करनाल में किसानों पर किए गए लाठीचार्ज पर मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक ने किसानों का पक्ष लिया और सरकार द्वारा की गई कार्रवाई को गलत बताया था। लेकिन गर्वनर के इस बयान से भाजपाई चिढ़ गए हैं। ऐसा लग रहा

है कि गवर्नर सत्यपाल मलिक द्वारा बोली गई बात सत्ता पक्ष को भी चुभ गई है। अपने बयानों और कारनामों के कारण अक्सर विवादों और सुर्खियों में रहने वाली भाजपा नेत्री सोनाली फोगाट ने गर्वनर के इस बयान पर नाराजगी जताते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है और कहा कि अगर इतनी ही हमदर्दी है तो इस्तीफा देकर किसानों के साथ क्यों नही बैठ जाते हैं। सोनाली फोगाट ने यहां तक कह दिया कि सत्यपाल मलिक को सत्ता सुख पसंद है, वह पद पर बने हुए हैं। अगर उनको किसानों का पक्ष इतना ही पसंद है और कानून उनको पसंद नहीं हैं तो सत्यपाल मलिक अपने पद से इस्तीफा देकर किसानों के साथ क्यों नहीं बैठ जाते।

नहीं रहे नवोदित कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला, हार्ट अटैक से हुई मृत्यु

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
मात्र 40 साल की उम्र में दुनिया छोड़कर चले गये नवादित कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए नजफगढ़ की बेटी रितू दहिया कुंडू ने कहा कि आजकल के नौजवानों में जिम व नशे का भूत सवार है। जिसकारण छोटी अवस्था में ही वो दुनिया को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि नवोदित कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला ने थोड़े समय में ही अपनी प्रतिभा से प्रतिष्ठा की नई उंचाईयां छू ली थी लेकिन उनके अचानक जाने से उनके प्रशंसकों को काफी गहरा आधात लगा है। हालांकि सिद्धार्थ षुक्ला का विवादों से भी गहरा नाता रहा है लेकिन फिर भी वह एक-एक कदम बढ़ते रहे और नई उचांईयां छूते रहे।
सिद्धार्थ शुक्ला की मात्र 40 साल की उम्र में मृत्यु को लेकर उन्होने कहा कि आजकल के नौजवानों में जिम व नशे का जो भूत सवार है यह उसी का नतीजा है कि हमारे नौजवान छोटी उम्र में ही बिमारियों से घिरकर जान जोखिम में डाल रहे है और अपने पारिवारिक दायित्व पूरे किये बिना ही मृत्यु के आगोश में समा रहे हैं।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे, वैज्ञानिको ने रबी की फसल के लिए बताया फायदेमंद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
भादों रिकार्ड तोड़ बरसे बादलों ने किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी है। कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य अधिकारी पी के गुप्ता ने कहा कि यह बारिश आने वाली फसल के लिए काफी फायदेमंद होगी। वहीं दूसरी तरफ तेज धूप के कारण कुमलाह रहे धान की फसल में भी फिर से जान आ गई है। हालांकि धाया व तोरी की फसल में कुछ नुकसान की आशंका है लेकिन फिर भी किसान इस

बारिश को लेकर काफी खुश नजर आ रहे है। नजफगढ़ देहात में सिंचाई का कोई प्रबंध न होने और जमीन का पानी खारी होने की वजह से अधिकतर किसान रबी की फसल नही बो पाते थे लेकिन सितंबर के महीने में हुई बरसात ने किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी हे। किसानों का मानना है कि इस बारिश से वो आगामी मुख्य फसलों की आसानी से बुआई कर पायेंगे। नजफगढ़ देहात में करीब 50 गांव आते है। जिनमें अधिकतर खारी पानी ही है और सिचाई का भी कोई साधन नही है। लोग अकसर बरसात पर ही निर्भश्र रहते हैं। किसानों की माने तो इस बार इंद्र देव ने अपने द्वार खोल दिये हैं। इस बार हम सरसों, जौ, धान व गेंहू की बुआई कर पायेंगे। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य अधिकारी पी के गुप्ता ने बताया कि गांवों में पानी की कमी के चलते भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है और अधिकतर क्षेत्र में खारी पानी है। जिस कारण किसानों को खेती करने में काफी परेशानी होती है। लेकिन इस बारिश से अबकि बार किसान कई तरह के खेती कर पायेंगे।
केंद्र भी किसानों की बीज व खाद से लेकर कृषि सलाह तक की मदद करता है।

मशरूम उत्पादन को रोजगार के रूप में अपनाये युवा- अग्रवाल

एनएचआरडीएफ ने मशरूम उत्पादन पर किया प्रशिक्षण कैंप का आयोजन, कैंप में 25 युवाओं ने लिया भाग, एनएचआरडीएफ के निदेशक पी के गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों को दी स्वरोजगार अपनाने की सलाह

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/जनकपुरी/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा
राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान जनकपुरी नई दिल्ली द्वारा मशरूम उत्पादक विषय पर 200 घंटे अवधि का कौशल विकास प्रशिक्षण एकीकृत बागवानी विकास अभियान कृषि मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया गया।
भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेर्शानुसार इस प्रशिक्षण कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष बीज शीतल प्राइवेट लिमिटेड जालना महाराष्ट्र ने किया। उन्होने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा मशरूम को रोजगार के रूप में अपनाकर अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम में अलग-अलग राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, उड़ीसा एवं दिल्ली से आये करीब 25 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।
मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत सरकार किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्टार्टअप के माध्यम से युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रही है। केंद्र सरकार की ऐसी अनेकों योजनाऐं है जिनसे युवा अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकते है। उन्होने प्रशिक्षण कैंप में आये युवाओं से कहा कि कौशल विकास के अंतर्गत मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लेकर एक नया रोजगार बना सकते हैं जिस हिसाब से बाजार में मशरूम की मांग बढ़ रही है, उसे देखते हुए मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में कंपोस्ट बनाना, बीज बनाना एवं मशरुम के विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं अचार बनाकर इसका व्यवसाय किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत निदेशक राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान ने किया।

हरियाणा में हथियारों का जखीरा मिलने से मचा हड़कंप

अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, पानीपत से उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के 4 तस्कर गिरफ्तार, विदेशों से भी जुड़े है तस्करों के तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पानीपत/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
सीआईए-3 ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से हरियाणा के पानीपत पहुंचे अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह के चार बदमाशों को पकड़ा है। पुलिस को उनके पास से अवैध हथियारों का जखीरा मिला है। 35 देसी पिस्तौल और 45 मैगजीन बरामद किये है। जांच में इनके पास से कई लोगों के नाम सामने आए। इन हथियारों को 18 लाख रुपये में बेचा जाना था। गिरफ्तार आरोपित उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर के गांव बुढ़ाखेड़ा गांव के महफूज उर्फ फौजी हाल पता बलजीत नगर, मध्यप्रदेश के जिला मंदसौर के निगावलपुरा गांव के संतोष व

राय सिंह और जिला धार के खड़की गांव का हीरालाल है। पुलिस ने बताया कि महफूज उर्फ फौजी टैक्सी चलता था। वह टैक्सी की बुकिंग लेकर मध्यप्रदेश के गंधवानी गया था, वहीं पर अवैध हथियार तस्कर गिरोह के सरगना मध्य प्रदेश के जिला धार के गंधवानी गांव के बच्चन सिंह उर्फ बच्ची यादव के संपर्क में आया। बच्ची ने उसे अवैध हथियार बेचकर जल्द लखपति बनने का सपना दिखाया। महफूज ने बच्ची से कई पिस्तौल 12 से 15 हजार रुपये में खरीदी और पंजाब, दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में 45 से 50 हजार रुपये में बेच दी थी। 30 और पिस्तौल का बच्ची को आर्डर दे दिया। इन पिस्तौल की महफूज को सप्लाई देने आए बच्ची के गुर्गे संतोष, राय और हीरालाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हरियाणा के कई जिलों, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात और राजस्थान में करीब 500 अवैध पिस्तौल बेच चुके हैं। पुलिस बच्ची और उसके कई गुर्गों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापे मार रही है। एसपी शशांक कुमार सावन ने मंगलवार लघु सचिवालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि 18 अगस्त को सीआइए-थ्री इंस्पेक्टर अनिल छिल्लर की टीम ने सिवाह के पास चौटाला रोड के डाडौला चौक से बैग सहित बलजीत नगर के महफूज को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से पांच पिस्तौल व दस मैगजीन बरामद की गई। आरोपित को अदालत में पेश कर आठ दिन की रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में महफूज ने कबूल किया कि बच्ची यादव अवैध हथियार तस्कर गिरोह का सरगना है। बच्ची की फैक्ट्री में अवैध हथियार बनाए जाते हैं। बच्ची ने कई प्रदेशों में अवैध हथियार बेचने के लिए गुर्गे लगा रखे थे। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपियों के विदेशों से भी संबंध हो सकते है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

फिट इंडिया-हिट इंडिया में दौड़े नॉर्थ-वेस्ट जिला दिल्ली के बच्चे

-आजादी के अमृत महोत्सव के तहत किया गया फिट इंडिया रन का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के तहत नेहरू युवा केंद्र जिला नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली ने फिट इंडिया-हिट इंडिया रन-2.0 का आयोजन किया। जिसमें जिलाधीश कार्यालय व शहीद स्मृति चेतना समिति ने अपना पूरा सहयोग दिया। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र संगठन के निदेशक श्याम सुंदर जोशी, भारत सरकार के पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष भगवानदास साहनी, एसडीएम हेड क्वार्टर कंझावला, जिला युवा अधिकारी अजीम अंसारी, बवाना क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी एवं पूर्व प्रत्याशी बवाना क्षेत्र रविंद्र इंद्राज सिंह, रोहिणी क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी इंजीनियर भूपेंद्र शर्मा, शहीद स्मृति चेतना समिति के महासचिव देवी दत्त सजल, भारत टीवी के संस्थापक संदीप राणा, मां सरस्वती जन सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजीत चौधरी व संदीप त्रिपाठी, नेहरू युवा केंद्र की कार्यालय अध्यक्ष अनिता कौशिक, रोहिणी विकास समिति के संस्थापक सदस्य अभिषेक साहू, राष्ट्रीय कवि दीपक वार्ष्णेय तथा सर्वोदय बाल विद्यालय केशवपुरम के एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर प्रेम कुमार भी उपस्थित रहे।

मुसलाधार बारिश के बीच जब सभी यह संभावना व्यक्त कर रहे थे कि अब यह कार्यक्रम पूरा नही हो पायेगा तब कार्यक्रम में आये अतिथियों ने बच्चों के उत्साह व अदम्य साहस को देखते हुए कार्यक्रम आगे जारी रखने का ऐलान किया और बच्चों ने न केचल फिट इंडिया रन में दौड़ लगाई बल्कि क्षेत्र के लोगों को आजादी के अमृत महोत्सव का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवानदास साहनी, एनवाईके के संगठन निदेशक श्याम सुंदर जोशी व एसडीएम बवाना ने फिट इंडिया रन को हरी झंडी दिखाई। फिट इंडिया रन के तहत लड़के -लड़कियों ने पूरे जोश के साथ 3 किलोमीटर की दौड़ को पूरा किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि श्री साहनी ने खराब मौसम में भी बच्चों के उत्साह को देखकर कहा कि बच्चों में आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर काफी उत्साह जिसे देखकर उनका उत्साह भी दोगुना हो गया है। उन्होने बच्चों को देश की मिट्टी से जुड़ने का संकल्प कराया और वंदे मातरम व भारत माता की जय के नारे लगवाये। इस अवसर पर एसडीएम कंझावला ने बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए सेहत का डोज आधा घंटा रोज की शपथ दिलवाई। वहीं कार्यक्रम में प्रेम कुमार शुक्ला और देवीधर सजल ने अपनी कविताओं के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति की अलख जगाई। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय कवि प्रेम कुमार शुक्ला और जिला युवा अधिकारी अजीम अंसारी ने किया। इस अवसर पर 123 फुट ऊंचा तिरंगा झंडा फहराया गया। झंडा लगाने का खर्च इंजीनियर भूपेंद्र शर्मा ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष में दिया और इस तरह के देशभक्ति पूर्ण कार्य करने कि आगे भी अपनी इच्छा जताई। नेहरू युवा केंद्र संगठन ने उन्हे इस पुनीत कार्य के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एसडीएम हैड क्वार्टर ने सभी बच्चों व सहयोगियों की बहुत प्रशंसा की और पूरा साल चलने वाले अन्य कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में सर्वोदय विद्यालय केशवपुरम के छात्र नवीन मिश्रा, हार्दिक राठौर, मुकुल, हर्षित, सुधांशु व एनएसएस के हरी डिफेंस एके-डमी के इंस्ट्रक्टर और बच्चों ने अन्य संगठनों व संस्थानों के बच्चों के साथ तिरंगा यात्रा रैली निकाली। इस अवसर पर सभी बच्चों का तिरंगे के पटके पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। एनवाईके के युवा अधिकारी अजीत अंसारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी बच्चों व अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बलात्कार के घोषित अपराधी को नॉर्थ जिला स्पेशल स्टाफ ने किया गिरफ्तार

पुलिस को चकमा देने के लिए अपना धर छोड़ किराये के मकान में रह रहा था आरोपी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नार्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नॉर्थ जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने बलात्कार के घोषित अपराधी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी काफी समय से फरार था और पुलिस से बचने के लिए अपना घर छोड़कर किराये के मकान में रह रहा था। लेकिन पुलिस की पैनी नजर से बच नही पाया। इस संबंध में नॉर्थ जिला डीसीपी एंटो अलफोंस ने बताया कि जिला की विशेष टीम अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष नजर बनाये हुए है और अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाये हुए हैं। इसी कड़ी में स्पेशल स्टाफ टीम को एक सूचना मिली थी कि एक भगोड़ा अपराधी राहुल नाई अपने निजी काम के लिए खजूरी चौक, भजनपुरा, दिल्ली आएगा। जिसपर एसीपी ऑपरेशन जयपाल सिंह ने निरिक्षक स्पेशल इंचार्ज राजकुमार के नेतृत्व में एएसआई यशपाल, एचसी जगोम, सीटी विनीत और सीटी रविंदर की एक टीम को आरोपी को पकड़ने के निर्देश दिये। गुप्त सूचना के आधार पर तकनीकी जांच के बाद टीम ने जाल बिछाकर अपराधी राहुल पुत्र दिनेश निवासी अंबिका विहार, शिव विहार, करावल नगर, दिल्ली को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि अपराधी राहुल नाई को कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिसंबर 2019 में आरोपी को बलात्कार के मामले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। आरोपी ने अंबिका विहार का अपना घर छोड़ दिया और रामा गार्डन करावल नगर में किराये पर रहने लगा। पुलिस ने अपराधी को पकड़कर संबंधित अदालत में पेश कर दिया है।

जनसंवाद से बढ़ी लोगों की उम्मीद, सामने आने लगे सार्थक परिणाम

नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में प्राथमिकता से हो रहा जनसमस्याओं का समाधान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ वार्ड निगम जोन में तीसरे जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हालांकि पहले दो जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की संख्या कुछ कम दिखी लेकिन अब जनसंवाद से लोगों की उम्मीद बढ़नी शुरू हो गई है। जिस तरह से नजफगढ़ जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक जनसंवाद के माध्यम से आम जन की समस्याओं को दूर करने का काम कर रहे है उसके अब सार्थक परिणाम भी सामने आने लगे है और जनसंवाद के तहत ऐसे कई मुद्दे हल हुए है जिनकों लेकर लोग सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा कर थक चुके थे।

नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में चलाये जा रहे जनसंवाद कार्यक्रम में जनसमस्याओं का समाधान अधिकारी व चेयरमैन मिलकर प्राथमिकता से कर रहे है। जिसके परिणाम भी अब सामने आने लगे हैं। जनसंवाद की तीसरी बैठक में सफाई का मुद्दा जोर शोर से उठाया गया। जिसमें बीडीओ ऑफिस के साथ गुरूग्राम रोड़ पर बने ढ़लाव को हटाने की मांग पर चेयरमैन सत्पाल मलिक ने इसे स्थानांतरित करने के आदेश दिये। वहीं भवन निर्माण को लेकर भी कई मामलों को सुलझाया गया। तीसरे जनसंवाद कार्यक्रम में करीब 28 लोगों ने अपनी समस्याऐ अधिकारियों के सामने रखी। इसमें नजफगढ़ में जलभराव की समस्या, डिस्पैंसरी की मांग, साफ-सफाई की व्यवस्था व धर्मपुरा में लगने वाले अवैध साप्ताहिक बाजार को लेकर अधिकारी व शिकायतकर्ता आमने-सामने आये। लेकिन चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने अपनी सूझबूझ से सभी को शांत किया और मामले को सुलझाने के कदम उठाये। इससे पहले दो जनसंवाद कार्यक्रमों में आई 80 प्रतिशत जनसमस्याओं का समाधान करने के जोन चेयरमैन ने दावा किया। उन्होने कहा कि सिर्फ वही समस्याऐ बची है जिनमें निगम के अलावा दिल्ली सरकार के दूसरे विभाग जुड़े है। सत्यपाल मलिक ने कहा कि हम प्रयास कर रहे है कि सभी विभागों में जनसमस्याओं को लेकर सामज्स्य बनाया जा सके और बिना असुविधा के अपनी समस्याओं का समाधान पा सके। लोग अब जनसंवाद की सार्थकता की प्रशंसा कर रहे हैं।

हिन्दी दिवस पर डॉ. रीना को मुक्ताई राष्ट्रीय हिन्दी गौरव सम्मान

-हिन्दी भाषा के उत्थान में उनके योगदान को देखते हुए किया गया सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पूणे/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- हिन्दी भाषा ही देश की उन्नति का अद्वितीय सोपान है। सभी भाषाओं के साथ कदमताल मिलाकर उत्कृष्ट अभिव्यक्ति की क्षमता हिन्दी में निहित है। इसी हिन्दी भाषा के क्षेत्र में अग्रणी कवयित्री एवं लेखिका डॉ. रीना रवि मालपानी ने 170 से अधिक कविताएं एवं 60 से अधिक लेख लगभग सभी राष्ट्रीय, सामाजिक, धार्मिक, प्रेरणादायी, जागरूकता संबंधी विषयों पर सृजित किए है। समाज के उन्नयन, धर्म और संस्कृति, हिन्दी भाषा, साहित्य के क्षेत्र में डॉ. रीना रवि मालपानी के द्वारा किए गए उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी लेखन के लिए उन्हे 14 सितंबर 2021 को हिन्दी दिवस के अवसर पर किरण बहुउद्देशीय सेवा संस्था, वर्धा (महाराष्ट्र) की ओर से ह्लमुक्ताई राष्ट्रीय हिन्दी गौरव सम्मानह्व से सम्मानित किया गया।

मूलतः डॉ. रीना रवि मालपानी रसायन शास्त्र की व्याख्याता रही है और उन्होने अनेक संस्थाओं में अध्यापन कार्य किया है, परंतु मातृभाषा के प्रति प्रेम ने उन्हें लेखन की ओर प्रेरित किया। उनकी कविताओं का संग्रह ह्लमेरी केमिस्ट्री से साहित्य की साधनाह्व पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो चुका है। ज्ञात हो कि इसके पूर्व भी उन्हें ह्लविश्व हिन्दी लेखिका मंचह्व द्वारा वर्ष 2020 के ह्लअमृता प्रीतम कवयित्री सम्मानह्व एवं ह्लराष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघह्व द्वारा वर्ष 2021 के ह्लनारी रत्न सम्मानह्व से सम्मानित किया जा चुका है। 15 अगस्त 2021 की पूर्व संध्या पर ह्लभारत डायरी,पुणेह्व द्वारा अपने 25वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर इनके श्रेष्ठ लेखन के लिए सम्मानित किया जा चुका है। भारतीय भाषा मंच द्वारा आयोजित अखिल विश्व शोधपरक निबंध प्रतियोगिता में डॉ. रीना को प्रथम स्थान से पुरस्कृत किया गया था, इसके अतिरिक्त ह्लअभिव्यक्ति विचार मंचह्व द्वारा श्रेष्ठ काव्य लेखन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. रीना रवि मालपानी ने लेखन यात्रा अपने 03 माह के पुत्र के साथ प्रारम्भ की थी जोकि अभी भी अनवरत जारी है। वे आगे भी हिन्दी भाषा के उन्नयन हेतु प्रयासरत रहेंगी।

कोतवाली थाना पुलिस ने दो जेबकतरे किये गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नॉर्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कोतवाली थाना की पीपी लालकिला पुलिस टीम ने दो जेब कतरों को उस समय पीछा कर गिरफ्तार किया जब वो एक युवक का मोबाईल फोन झपट कर भाग रहे थे। पुलिस ने आरोपियों से मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि दोनो आरोपी ड्रग एडिक्ट है और उनके खिलाफ एडीपीएस एक्ट के तहत पहले से एक मामला भी दर्ज है।

इस संबंध में डीसीपी नॉर्थ जिला एंटो अलफोंस ने बताया कि शिकायतकर्ता चिंटू कुमार निवासी बुहाना, जिला झुंझुन राजस्थान का रहने वाला है। 11 सितंबर को वह अंगूरी से एक बस में सवार हो रहा था तभी पीछे से दो युवक आये और उसका फोन झपटकर फरार हो गये। उसने तुरंत शोर मचाया और उनका पीछा करने लगा। गनीमत यह रही कि उसी समय पीपी लालकिला की टीम एसआई नीरज कुमार के नेतृत्व में एएसआई सीताराम, सिपाही अमित और थान सिंह गश्त कर रहे थे तभी उन्होने शोर सुना और जब वहां पंहुचे तो पता चला कि दो लोग एक मोबाइल फोन झपट कर भाग रहे है। टीम ने उनका पीछा किया और कुछ दूरी पर ही दोनो को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों की पहचान अंबो पुत्र बाबू निवासी वागाबोंड, पेट्री ओल्ड लाजपत राय मार्केट, दिल्ली (पहले पीएस कोतवाली में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम के एक मामले में शामिल पाया गया) तथा राजेश उर्फ राजू पुत्र मोहन चावला निवासी वागाबोंड, पत्री, ओल्ड लाजपत राय मार्केट, दिल्ली (उनके पिछले पूर्ववृत्त सत्यापित किए जा रहे हैं) के रूप में की है। पुलिस ने आरोपियों से झपटा गया मोबाइल फोन ओप्पो ए-54 बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दोनो अनपढ़, आवारा और ड्रग एडिक्ट हैं इसलिए ड्रग्स की अपनी लत को पूरा करने के लिए आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पादरी के बयान पर भाजपा ने बोला केरल सरकार पर हमला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/केरल/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- बिशप जोसेफ कल्लारंगट के युवा कैथोलिक लड़कियां राज्य में ह्ललव एंड ड्रग जिहादह्व की शिकार होने वाली टिप्पणी पर केरल की राजनीति गर्म हो गई है। भाजपा ने राज्य सरकार और कांग्रेस नेताओं पर हमला बोला है। भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री के श्रीधरन ने कहा कि उन्हें आश्चर्य हो रहा है कि उनके बयान पर कांग्रेस और सीपीएम के नेता विरोध क्यों कर रहे हैं।

बीआरजी ग्रुप के नन्हे-मुन्नों धावको ने दी हिंदी दिवस की शुभकामनाएं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- खेल जगत में अपनी पहचान बना चुका बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावको ने हिन्दी दिवस बड़े ही उल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर बीआरजी ग्रुप के नन्हे-मुन्ने धावकों ने कविताओं के माध्यम से सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर लविश ,प्रभात, कार्तिक, लविश अजय, सतीश, , वेरोनीका क्रित, नैन्सी ,क्रिस ,लिजा,शुभम नरेंद्र, दीपक,विकास, विजय, दिव्यम,नवीन, दिनेश, आदित्य और आयुष ने अपना संदेश देते हुए कहा कि मातृभाषा को आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। हिन्दी हमारी मातृ भाषा है और इसे हम सब मिलकर आगे बढ़ायेंगे। हिंदी को विश्व में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आधुनिक युग में अंग्रेजी भाषा जरुरी है लेकिन अपनी राष्ट्रभाषा को भी नहीं भूला चाहिए। इसके लिए इसे काम काज में शामिल करना होगा। देश के सच्चे और अच्छे नागरिक के रूप में हमे अपनी भूमिका निभानी चाहिए। हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुंचने का प्रयास करने की जरूरत है। वहीं ग्रुप के कोच दीपक छिल्लर ने कहा कि नन्हे-मुन्नों धावक खेल में तो अपना जलवा दिखा ही रहे है अब वो अपनी मातृभाषा को लेकर भी काफी जागृत है। आज हिन्दी दिवस पर बच्चों ने कविताओं के माध्यम से अपना संदेश दिया और सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाऐं दी।

नजफगढ़ पुलिस ने एक सक्रिय स्नैचर-कम-ऑटो-लिफ्टर को पकड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ थाना पुलिस ने एक सक्रिय स्नैचर-कम-ऑटो-लिफ्टर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी से एक चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की है। आरोपी नजफगढ़ थाने का बीसी है और चोरी, स्नेचिंग, डकैती व शस्त्र अधिनियम के 5 मामलों में पहले शामिल रहा है।

इस संबंध में द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि नजफगढ़ थाने के हवलदार दीपक गोयल व सिपाही राजेन्द्र जब गश्त कर रहे थे तो उन्हे मोटरसाईकिल पर संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति दिखाई दिया जिसपर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो वह पुलिस के जवाब नही दे पाया। पुलिस ने जब मोटरसाईकिल की जांच की तो पता चला की वह चोरी की है और निहाल विहार क्षेत्र से चुराई गई है। पुलिस ने आरोपी योगेश उर्फ जॉली पुत्र राजिंदर निवासी धर्मपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी नजफगढ़ थाने का बीसी है और उस पर नजफगढ़ व मोहनगार्डन थानों में पहले से 5 आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

दिल्ली स्पेशल सेल की बड़ी कार्यवाही

2 आतंकी समेत 6 गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बाहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्यवाही में भारत में त्यौहारी सीजन के दौरान कोहराम मचाने आये 2 पाक प्रशिक्षित आतंकियों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पाकिस्तान के संगठित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किये हैं।

स्पेशल सेल डीसीपी प्रमोद कुशवाहा ने कहा कि दो आतंकियों ने पाकिस्तान में ट्रेनिंग ली थी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि पूरे देश को धमाके से दहलाने की साजिश रची गई थी। गिरफ्तार सभी आरोपी देशभर में धमाकों को अंजाम देने की फिराक में थे।

इन सभी छह लोगों को दिल्ली, यूपी और महाराष्ट्र से पकड़ा गया है। गिरफ्तार दो पाक आतंकियों की शिनाख्त ओसामा और जीशान के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इन दोनों आतंकियों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में हुई थी। इन आतंकियों के अंडरवर्ल्ड से भी संबंध बताए जा रहे हैं। फिलहाल गिरफ्तार सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इस गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल क स्पेशल सीपी नीरज ठाकुर ने बताया कि आशंका है कि इस ग्रुप में 14-15 लोग शामिल हैं और यह भी हो सकता है कि उन्हें भी यहीं ट्रेनिंग मिली हो। ऐसा लगता है कि इस ऑपरेशन को बॉर्डर के आसपास से ही ऑपरेट किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस की तरफ से जानकारी दी गई है कि ह्यपाकिस्तान से ये लोग मस्कट लौटे। मस्कट से 15 बांग्ला बोलने वाले लोगों को पाकिस्तान ले जाया गया था। लगता है उन्हें भी ट्रेनिंग पर ले जाया गया था। इनकी दो टीमें बनाई गई थीं। एक को अनीस इब्राहिम कोऑर्डिनेट कर रहा था। इनका काम था बॉर्डर पार से आए हथियारों को देश के राज्यों में भेजना और दूसरी टीम का काम था हवाला के जरिए रकम जुटाना।ह्व

त्योहारों के दौरान भीड़ भरे इलाकों में ब्लास्ट करना चाहते थे

पकड़े गए आतंकियों में से एक का काम आने वाले फेस्टिवल सीजन में आईईडी प्लांट करना था। नवरात्रि और रामलीला के दौरान भीड़ भरे इलाके इनके निशाने पर थे। आतंकियों से भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और हाई क्वालिटी पिस्टल बरामद किए गए हैं।

मस्कट से पाकिस्तान ले जाकर दी गई आतंक की ट्रेनिंग

श्री ठाकुर ने बताया, ह्हमारे पास 10 टेक्निकल इनपुट थे। सबसे पहले महाराष्ट्र के सलेम को पकड़ा गया। दो आदमी दिल्ली में अरेस्ट हुए। इसके बाद उत्तर प्रदेश से 3 लोग अरेस्ट किए गए। इनमें से 2 आदमी अप्रैल में मस्कट गए थे। उन्हें मस्कट से बाई शिप पाकिस्तान ले जाया गया। वहां फार्म हाउस में रखकर विस्फोटक बनाने और एके-47 चलाने की

छावला पुलिस ने कार लूटने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

एक नाबालिग समेत 3 को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका पुलिस जिला अंतर्गत छावला थाना पुलिस ने कार लूटने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक नाबालिग समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से एक लूटी गई वैगन आर कार व शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड, पहचान पत्र और कार के दस्तावेज बरामद कर लिये हैं। इस संबंध में द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि 9 सितंबर को खैरा गांव से एक टैक्सी लूटने की शिकायत मिली थी।

जिसको देखते हुए छावला एसएचओ ज्ञानेन्द्र राणा ने हवलदार ओमबीर, सिपाही संदीप, हिमांक व जितेन्द्र की टीम का गठन कर मामला सुलझाने के निर्देश दिये। तभी से छावला थाना पुलिस की टीम एसएचओं के मार्ग निर्देशन में इस मामले में कार्यवाही कर रही थी।

टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर काम करते हुए सुखदेव ढाबा, जीटी रोड़, मुरथल हरियाणा से कार्यवाही आरंभ की और सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की। शिकायतकर्ता राजेश पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी इटावा, उ0प्र0, ने बताया कि वह वैगन आर कार उबर कंपनी में टैक्सी के रूप में चलाता है। उसे 29 अगस्त को एक फोन आया था कि सुखदेव ढाबा से सवारी उठाकर नजफगढ़ खैरा गांव में छोड़ना है। लेकिन जैसे ही वह खैरा गांव में सवारी उतार रहा था तो तीनों लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर कार के साथ-साथ मोबाइल व दूसरा सामान छीनकर कार से फेंक कर फरार हो गये। पुलिस ने जांच में पाया कि उसी रात एक युवक द्वारा खैरा से एक ओला की कार सोनीपत के लिए बुक की थी और उसे लूट लिया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीन आरोपियों को पकड़ लिया जिसमें एक नाबालिग भी था। पुलिस ने आरोपियों की पहचान विक्की पुत्र जिले सिंह निवासी दीनपुर, नजफगढ़, व अरिश पुत्र कालू निवासी वीपीओ-देवड़ू, जिला-सोनीपत, हरियाणा के रूप में की है।

नजफगढ़ पुलिस ने दिल्ली से तड़ी पार किये गये एक और अपराधी को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिसंबर 2020 में कोर्ट ने एक अपराधी को दिल्ली से 2 साल के लिए तड़ी पार करने के आदेश दिये थे लेकिन वह चोरी छुपे नजफगढ़ में रह रहा था जिसे नजफगढ़ पुलिस की सतर्क टीम ने गिरफ्तार कर सलाखों के पिछे भेज दिया है। आरोपी पर पहले से स्नेचिंग, डकैती व अवैध हथियारों से संबंधित नजफगढ़ व छावला थानों में 5 मामले दर्ज है।

द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि नजफगढ़ पुलिस ने लगातार दूसरे दिन एक और तड़ी पार अपराधी को पकड़ा है। जिसके खिलाफ नजफगढ़ व छावला थानों में करीब 5 मामले दर्ज है। अपराध की रोकथाम में लगी नजफगढ़ पुलिस की टीम के एएसआई शैलेंद्र एवं सिपाही धरमबीर डागर ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए सोमदत शर्मा उर्फ सोनू पुत्र अमृतलाल निवासी धर्मपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली को उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को कोर्ट ने दिसंबर 2020 में 2 साल के लिए दिल्ली से तड़ीपार किया था। आरोपी पर पहले से 5 मामले दर्ज है। पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है।

बुरारी पुलिस ने दो लुटेरे किये गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नार्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- यूपी के अमरोहा से आये एक युवक से शक्ति एंक्लेव में झगड़ाकर पैसे लूटनें के आरोप में बुरारी पुलिस ने दो आरापियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से लूटी गई 3 हजार की रकम में से 800 रुपए बरामद कर लिये हैं।

इस संबंध में डीसीपी नॉर्थ जिला एंटो अलफोंस ने बताया कि 10 सितंबर को यूपी के अमरोहा के रहने वाले अरमान ने शिकायत लिखाई थी कि जब वह शक्ति एंक्लेव बुराड़र दिल्ली की ओर जा रहा था तो झील के पास दो युवकों ने आकर उसके साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया जिन्हे वह जानता तक नही था। उन्होने मारपीट कर उससे 3 हजार रुपए व आधार कार्ड छीन लिया हालांकि मोबाईल फोन पुराना होने का कारण वह उन्होने फेंक दिया और वहां से फरार हो गये। अरमान की शिकायत पर एसीपी स्वागत पाटिल व एसएचओ सुरेश कुमार ने एएसआई अरविंद, सिपाही प्रदीप,

अमित व रहीश की एक टीम बनाकर मामला सुलझाने की जिम्मेदारी सौंपी। टीम ने जांच करते हुए तकनीकी जांच व सीसीटीवी के माध्यम से आरोपियों की पहचान की और फिर छापेमारी कर उन्हे झील क्षेत्र से ही पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान अकरम पुत्र मो. इरफान निवासी गली नं. 4, बुरारी गढ़ी, बुराड़ी, दिल्ली (वह सब्जी विक्रेता के रूप में काम करता है। बुरी संगत के कारण वह आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। उसके पिछले पूर्ववृत्त का सत्यापन किया जा रहा है) तथा सुहैल पुत्र मो. इरशाद निवासी गली नंबर 4 बुरारी गढ़ी, बुरारी, दिल्ली (वह पत्राचार के माध्यम से 12वीं कक्षा कर रहा है। बुरी संगत के कारण वह आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल था। उसके पिछले पूर्ववृत्त का सत्यापन किया जा रहा है)। पुलिस ने आरोपियों से लूटी गई रकम में से 800 रुपए बरामद कर लिये है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

हथियार दिखाकर मर्सिडीज गाड़ी छीनने की वारदात के दो आरोपी काबू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- हथियारों के बल पर मर्सिडीज गाड़ी छीनने के एक मामले में गहनता से कार्रवाई करते हुए झज्जर पुलिस की एक टीम ने गुप्त सुचना के आधार पर दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता से कार्यवाही करते हुये थाना सेक्टर 06 बहादुरगढ़ की एक टीम ने वांछित दोनों आरोपियों को बहादुरगढ़ शहर के एरिया से गिरफ्तार किया गया।

द्वारका दक्षिण पुलिस ने पकड़ी 38 कार्टन अवैध शराब

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका दक्षिण थाना पुलिस टीम ने एक टैक्सी से 38 कार्टन अवैध शराब पकड़ी है। पुलिस टैक्सी चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 1500 रुपए प्रति चक्कर के हिसाब से क्षेत्र में अवैध शराब की सप्लाई करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी हिन्दू नाम रखकर इस काम को अंजाम दे रहा था। द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि द्वारका दक्षिण थाना को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दिल्ली नंबर वाला एक टैक्सी वाहन सेक्टर-6 द्वारका की ओर से पालम क्षेत्र की ओर भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ आएगा। इस पर तुरंत एसएचओ द्वारका दक्षिण ने एसआई बिक्रमजीत, एचसी महिपाल व सिपाही विनोद की टीम को मामले की जिम्मेदारी सौंपी। पुलिस स्टाफ ने मुखबिर के साथ डीडीए पार्क सेक्टर-6 द्वारका के सामने सड़क पर बेरिकेड्स लगाकर जाल बिछाया और वाहनों की चेकिंग शुरू की। रात 9 बजे के करीब एक टैक्सी आई जिसे पुलिस ने रूकने का इशारा किया तो टैक्सी का चालक कार से उतरकर भागने लगा लेकिन सतर्क टीम ने उसे दबौच लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 38 कार्टन अवैध शराब के बरामद हुए। आरोपी की पहचान सुनील उर्फ इरफान पुत्र नसीबुद्दीन निवासी गांव रणहौला दिल्ली के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी सतीश सिंह नामक व्यक्ति के लिए 1500 रुपए प्रति चक्कर के हिसाब से अवैध शराब की विभिन्न क्षेत्रों में बूटलैगरों को सप्लाई करता था।

सावधानः शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की अब खैर नहीं, यातायात पुलिस हुई सख्त

गाड़ी जब्त के साथ-साथ 10 हजार रुपए का हो सकता है जुमार्ना, 6 महीने की जेल भी हो सकती है या फिर दोनो

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कोरोना महामारी के तहत देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ड्रंक एंड ड्राइव पर मिल रही राहत अब जल्द खत्म हो रही है। दिल्ली में शराब पीकर वाहन चलाने से हो रहे सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए अब दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने फिर से ड्रंक एंड ड्राइव मुहीम की शुरूआत कर है. लेकिन अब पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव पर कोरोना वायरस महामारी को ध्यान में रखकर चालान काटने की तैयारी कर रही है। जिसमें एल्कोमीटर में लगने वाले पाइप का इस्तेमाल अब एक बार ही होगा और हर पाइप पैकिंग में होगा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अब नजफगढ़ देहात में बड़े स्तर पर ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चला रही है। इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर नरपाल यादव ने बताया कि नजफगढ़ देहात में उनका स्टाफ ड्रंक एंड ड्राइव को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद है। यहां शाम होते ही लोग घरों को जाने के साथ-साथ शराब का सेवन कर अपने वाहन चलाते है और अकसर दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते है या फिर दुर्घटना का कारण बनते है। जिन्हे देखते हुए और लोगों को इस तरह की दुर्घटनाओं से बचाने के लिए ड्रंक एंड ड्राइव मुहीम पुलिस हर चौराहे व सार्वजनिक स्थानों पर चला रही है। उन्होने कहा कि सुनसान जगहो व खाली सड़कों पर भी पुलिस नजर रखे हुए है। अक्सर छुट्टी के दिन लोग बार और होटल में पार्टी करने के लिए पहुंचते हैं और शराब पीने के बाद वाहन चलाकर सड़क हादसों को अंजाम देते हैं। ऐसे कई हादसों में लोगों की जान तक चली जाती है।

कोविड के केस दिल्ली में बढ़ने पर ड्रंक एंड ड्राइव को बंद कर दिया गया था और लोग भी कोरोना का बहाना बनाकर एल्कोमीटर का इस्तेमाल करने से मना करते थे, जिसके बाद ड्रंक एंड ड्राइव टेस्ट को बंद कर दिया गया था। लेकिन ट्रैफिक डीसीपी अजय तोमर ने कहा कि स्टाफ ग्लव्स और मास्क के साथ होता है, एक बार यूज करने पर एल्कोमीटर को सेनिटाइज भी करते हैं और नए एल्कोमीटर पाइप का इस्तेमाल करते हैं जो पैकिंग में होता है। हालांकि पहले एल्कोमीटर पाइप पैकिंग में नहीं होता था और दूरी बनाकर चालान काटा जा रहा है। ड्रंक एंड ड्राइव मुहीम के शुरू होने के बाद से अब भी बहुत से लोग शराब पीकर वाहन चलाते हुए मिल रहे हैं और जब उनसे पूछा जा रहा है तो वो धमकी दे रहे हैं. हालांकि कुछ लोगों को इसका पछतावा भी है। पुलिस ने बताया कि एल्कोमीटर पाइप लगाकर उसमें फूंक मरवाने के बाद यदि उसका एमजी 30 से अधिक आता है तो ट्रैफिक पुलिस उस शख्स का चालान करती है।

नॉर्थ जिला एसटीएफ ने अपहरण व रेप के मामले में वांछित आरोपी को पकड़ा

अपहरण व बलात्कार के मामले में मिली है 10 साल की सजा, पैरोल मिलने पर हो गया था फरार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नार्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नॉर्थ जिला की एसटीएफ टीम ने अपहरण व बलात्कार के मामले में सजायाफता पैरोल जंपर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोंपी सुधीर कुमार पासवान पुत्र शिव नारायण पासवान 10 साल की सजा काट रहा था लेकिन पैरोल मिलने के बाद फरार हो गया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नॉर्थ जिला डीसीपी एंटो अलफोंस ने बताया कि आरोपी सुधीर कुमार पासवान अपहरण व रेप के केस में वांछित था। वह पैरोल जंप कर फरार हो गया था। एसटीएफ के इंचार्ज संजीव कुमार व इंस्पैक्टर. राजपाल के साथ हवलदार बालकिशन, एचसी संदीप, एचसी राकेश व एचसी प्रदीप की एक टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। उन्होने आरोपी के भाई से यह कहकर संपर्क किया कि सुधीर कुमार का मंडोली जेल में मजदूरी का डेढ लाख रूपया जमा है और वो उसे मिल सकता है। आरोपी के भाई ने यह सूचना फरार अपने भाई को भेजी जिसपर वह लालच में आ गया और बिहार से दिल्ली वापस आ गया। जहां टीम ने उसे दबौच लिया। पूछताछ व जांच के बाद टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सुधीर पासवान पुत्र शिव नारायण निवासी सत्य विहार, बुराड़ी, दिल्ली को गिरफ्तार कर वापस जेल भेज दिया।

इस्कॉन द्वारका में इस बार कुछ खास अंदाज में मनाया जायेगा राधाष्टमी उत्सव

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- इस्कॉन मंदिर द्वारका में भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी का उत्सव गत दिनों धूमधाम से संपन्न हुआ। अब 14 सितंबर यानी मंगलवार को राधाष्टमी है जिसकी तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। श्रीमती राधारानी के जन्मदिवस के अवसर पर इस्कॉन द्वारका श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश मंदिर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। भाँति-भाँति के सुगंधित पुष्पों, मनभावन मंजरियों से सुसज्जित मंदिर में राधारानी का अमृतमय 108 दिव्य द्रव्यों से अभिषेक कर उनका महाश्रृंगार किया जाएगा। 56 भोग की तर्ज पर 1008 विशेष भोग लगाए जाएँगे। ज्ञात हो कि कोरोना के दुष्प्रभाव से अभी भी वातावरण पूर्णतया सुरक्षित नहीं हुआ है। भक्तगण राधाष्टमी उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग ले सकें, इसके लिए श्रीमती राधारानी के जन्मदिवस अथवा आविर्भाव काल की कथाएँ, ब्रज की सखियों, गोपियों की रासलीला, मनोहारी मानभंग आदि की कथाओं का प्रसारण द्वारका के यूट्यूब चैनल पर ऑनलाइन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जो भी भक्तजन मंदिर में राधारानी के दर्शन हेतु आएँगे, उन्हें प्रसाद स्वरूप राधाकुंड का जल दिया जाएगा, जिसे भक्तजन अपने घर लेकर जा सकते हैं। माना जाता है कि इस जल से

भक्तों को अपने कष्टों से राहत मिलती है और उन्हें श्रीमती राधारानी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस भव्य दिन को यादगार बनाने के लिए बच्चे ही नहीं, बड़ों के लिए भी मंदिर में सेल्फी प्वाइंट लगेगा, ताकि वे इन यादों को सँजोकर हमेशा अपने पास रख सकें। इस्कॉन गर्ल्स फोरम की ओर से ह्यगोपी डॉट्सह्व का स्टॉल भी माताओं व बहिनों के लिए आकर्षण

का केंद्र रहेगा। श्रीमती राधारानी का प्रिय श्रृंगार माथे पर चमकती रंग-बिरंगी छोटी-छोटी चंदन की सुवासित बिंदिया आप भी लगा सकते हैं और उनकी सन्निकटता को अनुभव करने का अंशमात्र लाभ ले सकते हैं। मंदिर में आयोजित ये भव्य कार्यक्रम शाम 4 बजे से आरंभ किए जाएँगे।

राधाष्टमी के अवसर पर इस बार भी हर बार की तरह अनेक केंद्रों से जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया जाएगा। इस्कॉन फूड फॉर लाइफ द्वारका की ओर से यह खास कदम खास अवसर के लिए उठाया गया है। ज्ञात हो कि पिछले साल कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान इस्कॉन फूड फॉर लाइफ द्वारका ने 375 केंद्रों में प्रतिदिन 5 लाख से भी ज्यादा जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाया था। तब से लेकर आज तक यह सिलसिला अनवरत जारी है। फूड फॉर लाइफ के प्रबंधक श्री अर्चित प्रभु जी कहते हैं राधाष्टमी का उत्सव मनाना हमारे लिए गर्व और हर्षोल्लास की बात है। राधारानी की सेवा से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं, जो भक्त असहाय अवस्था में हैं, उनकी ओर से हमारी यही खाद्य सेवा राधारानी के श्री चरणों में अर्पित है।

श्रीमती राधारानी की महिमा

आचार्यों का कहना है कि भगवान कृष्ण जिस तरह संपूर्ण शक्तिमान हैं, उसी तरह श्रीमती राधारानी भगवान की संपूर्ण आनंद शक्ति है। जैसे श्री कृष्ण की अनेक लीलाएँ प्रचलित हैं, ऐसे ही श्रीमती राधारानी की दिव्य लीलाएँ भी अनंत हैं। परम भगवान कृष्ण के प्रति जिस तरह भक्तों का प्रेम उमड़-उमड़ कर आता है, उसी तरह श्रीमती राधारानी के प्रति उनका आकर्षण देखते ही बनता है, क्योंकि श्रीमती राधारानी श्री गोविंद की सेवा करने वाली ऐसी सेविका मानी जाती हैं, जो भक्तों के लिए भगवान के प्रति प्रेम व्यक्त करने की प्रेरणा हैं।

नजफगढ़ में फिर गैंगवार की आहट, बीच राह भाजपा के मंडल महामंत्री को मारी 13 गोली, मौत

-दिचाऊं गांव का रहने वाला था मृतक अमित शौकीन, जनवरी में भी अमित पर हुआ था जानलेवा हमला -परिजनों ने अमित के हत्यारों को पकड़ने के लिए नजफगढ़ थाने के सामने किया प्रदर्शन, पुलिस ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद परिजनों को किया शांत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ की अजयपार्क कालोने में बुधवार को रात 9 बजे के करीब तीन बदमाशों ने दिचाऊं कलां गांव के रहने वाले अमित शौकीन की सरेराह गोलिया बरसाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी कार से फरार हो गये। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों की माने तो नजफगढ़ क्षेत्र अपराधियों का गढ़ बन चुका है और इस हत्या को नजफगढ़वासी गैंगवार की आहट के रूप में देख रहे हैं। हालांकि पुलिस इस धटना को गैंगवार बता रही है तो वही मृतक के परिजन इसे हत्या बता रहे है और गैंगवार से इंकार कर रहे है।

पुलिस के अनुसार मृतक बुधवार की शाम को नजफगढ़ की अजय पार्क कालोनी से घर जा रहा था। लेकिन बीच गली में हमलावरों ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक कर उसे रोक लिया और तीन बदमाशों ने गोलियां बरसा कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के समय मृतक के साथ उसके दो साथी और थे लेकिन वो हमले के समय जान बचाकर भाग गये। हमलावरों ने मृतक अमित शौकीन को 13 गोलियां मारी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद हमलावर कार में भाग गये। जिसके बाद मृतक के दोनो दोस्त वापिस आये और उसे नजदीक के स्वास्तिक अस्पताल में लेकर गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के प्रबंधक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पंहुचकर जांच आरंभ की और लोगों से पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अमित शौकीन की हत्या गैंगवार में की गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

यहां बता दें कि जनवरी में भी अमित पर उसके घर के सामने ही कातिलाना हमला हुआ था। जिसमें वह व उसकी एक साल की बच्ची घायल हो गये थे। हालांकि ईलाज के बाद अमित ठीक हो गया था। सूत्रों की माने तो अमित का उसके गांव वालों के साथ ही झगड़ा था। इस झगड़े की शुरूआत नजफगढ़ फर्नीचर मार्किट में उस समय शुरू हुई थी जब अमित ने फर्निचर मार्किट में इलैक्ट्रोनिक्स की दूकान खोली थी। हालांकि बाद में अमित ने यह दूकान छोड़कर दूसरी दूकान में अपना काम शुरू कर दिया था। लेकिन जनवरी में हुए हमले में यह तय हो गया था कि मामला अभी शांत नही हुआ है जिसके बाद अमित ने पुलिस से रिवाल्वर का लाईसेंस देने व सुरक्षा की मांग की थी। लेकिन आज तक न तो अमित को सुरक्षा दी गई और न ही उसे हथियार का लाईसेंस दिया गया। अमित के परिजनों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही के चलते अमित की हत्या हुई है। पुलिस अगर सही समय पर कार्यवाही करती तो आज अमित जिंदा होता और हमलावर जेल में होते। हालांकि जनवरी हमले में पुलिस ने 6 आरोपियों में से 4 को गिरफ्तार कर लिया बताया जा रहा है। वहीं परिजनों का आरोप है कि पुलिस इस मामले में कोई कार्यवाही नही कर रही है और न ही उनकी कोई बात सुन रही है जिसकारण आरोपियों के हौंसले इतने बुलन्द है कि उन्होने दौबारा हमला कर अमित को खत्म कर दिया।

मृतक के परिजनों ने नजफगढ़ थाने पर प्रदर्शन कर मांगा इंसाफ

बुधवार को अमित के परिजनों ने नजफगढ़ थानें के सामने फिरनी रोड़ पर धरना-प्रदर्शन कर दिल्ली पुलिस के खिलाफ नारे लगाये और अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने तथा उन्हे पकड़ने की मांग रखी। हालांकि धरना-प्रदर्शन करीब 3 घंटे तक चलता रहा। इस धरने की वजह से नजफगढ़ फिरनी पूरी तरह से जाम हो गई और फिरनी के साथ-साथ सभी मुख्यमार्गों पर वाहनों की 3 किलोमीटर लंबी लाईने लग गई। जब प्रदर्शनकारियों को मनाने के पुलिस के सारे प्रयास विफल हो गये तो पुलिस अधिकारी लोगों की परेशानी को देखते हुए हरकत में आये और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हलका बल प्रयोग कर उन्हे सड़क से हटाया। जिसके बाद नजफगढ़ फिरनी पर जाम खुला और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि स्थानीय पुलिस व यातायात पुलिस के अधिकारियों की इस प्रदर्शन को खत्म कराने में अहम भूमिका रही। जिसपर स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की कार्यवाही का स्वागत किया। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस अपना काम कर रही है और प्रदर्शन के दौरान हो रही अव्यवस्था से पुलिस का समय ही नष्ट हो रहा था लेकिन अब पुलिस जल्द ही आरोपियों को पकड़ कर सलाखों के पीछे भेज देगी। स्थानीय लोगों व सामाजिक संगठनों ने एसीपी जितेन्द्र पटेल, निरिक्षक अजय कुमार व यातायात निरिक्षक नरपाल सिंह द्वारा इस मामले को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने की प्रशंसा की है।

बाढ़ में डूबा दिचाऊं यूजीआर, जलापूर्ति बाधित

चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने किया दौरा

-नजफगढ़ के पांच गांवों व कई कालोंनियों में जलापूर्ति हुई बाधित, पेयजल आपूर्ति को लेकर लोग झेल रहे परेशानी, जलबोर्ड के अधिकारी व प्रशासन नही दे रहा ध्यान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ देहात में हुई भारी बारिश अब लोगों के लिए आफत बन गई है। किसानों के खेत पूरी तरह से जलमग्न हो गये है तो सड़के व गलियां भी बारिश के चलते बदहाल हो गई है। लेकिन अब ग्रामीणों के सामने पेयजल की समस्या भी खड़ी हो गई है। दरअसल 5 गांवों व कई कालोनियों में पेयजल सप्लाई के लिए दिचाऊं गांव में बना यूजीआर बाढ़ की चपेट में आकर डूब गया जिसकारण लोगों को पेयजल सप्लाई नही मिलने से परेशानी खड़ी हो गई है। हालांकि पिछले एक सप्ताह से पेयजल सप्लाई को लेकर लोग अधिकारियों व नेताओं के चक्कर काट रहे है लेकिन कोई इस समस्या पर ध्यान नही दे रहा है। उधर जैसे ही नजफगढ़ निगम वार्ड जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के संज्ञान में यह समस्या आई तो उन्होने तुरंत दिचाऊं यूजीआर का दौरा किया और अधिकारियों को मौके पर बुलाकर जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल करने के निर्देश दिये। यहां बता दें कि पार्षद सत्यपाल मलिक जलबोर्ड के भी सदस्य हैं।

प्रशासन की लापरवाही के चलते बरसात अब लोगों के लिए आफत बन रही है। पांच गांवों व कई कालोनियों में पेयजल सप्लाई के लिए दिचाऊं गांव में बना यूजीआर अब लोगों के लिए पेयजल मुहैया कराने की बजाये खुद पानी की चपेट में आकर डूब गया है। दरअसल पिछले एक स्ताह से क्षेत्र में हो रही भारी बरसात के चलते दिचाऊं गांव का यूजीआर बाढ़ में डूब गया जिसकारण यूजीआर से पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई। कई दिनों के इंतजार के बाद जब लोगों को पानी की सप्लाई नही मिली तो लोगों ने इसकी शिकायत विधायक व जलबोर्ड अधिकारियों को की। लेकिन जब कोई कार्यवाही नही हुई तो यह समस्या जनसंवाद बैठक में रखी गई। जिसपर जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने संज्ञान लेते हुए यूजीआर का दौरा किया। हालांकि पार्षद सत्यपाल मलिक जलबोर्ड के सदस्य भी है तो उन्होने मौके पर जलबोर्ड के अधिकारियों को बुलाकर समस्या के तुरंत समाधान के निर्देश दिये। वहीं दिचाऊं कलां गांव की आरडब्ल्यूए सोसायटी के अध्यक्ष शिव कुमार शौकीन ने बताया कि इस समस्या की जड़ मुंगस ड्रेन है जिसके पिछले कई सालों से सफाई नही हुई है हालांकि हर साल इसकी सफाई होनी चाहिए। लेकिन यह नाला जलबोर्ड अधिकारियों के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। जिसकारण नाले की सफाई तो दूर नाले में उगे पेड़ों की भी कटाई नही हो पाई है। उन्होंने बताया कि यह ड्रेन बहादुरगढ़ से जुड़ी है जिसकारण इसमें पानी का दबाव ज्यादा होता है लेकिन सफाई न होने के कारण ड्रेन ओवर फ्लो हो गई जिसकारण क्षेत्र में करीब 250 एकड़ जमीन, स्कूल व यूजीआर बाढ़ की चपेट में आ गये।

जलवायु मुद्दे से जुड़ी भारत की 120 स्टार्टअप्स ने जुटाए 1.2 बिलियन डॉलर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- इंपैक्ट इन्वेस्टर्स काउंसिल (आईआईसी), क्लाइमेट कलेक्टिव और अरेट एडवाइजर्स के एक ताजा अध्ययन के मुताबिक भारत में पिछले 5 वर्षों के दौरान जलवायु से जुड़े 120 टेक स्टार्टअप्स ने 1.2 बिलियन डॉलर से ज्यादा धनराशि एकत्र की है।

भारत में जलवायु परिवर्तन संकट की गंभीरता को देखते हुए, कम कार्बन वाली टेक्नोलॉजी पर आधारित इन स्टार्टअप्स के लिए नेट जीरो ट्रांजीशन का लक्ष्य हासिल करना जरूरी है और यह रिपोर्ट इस बात को स्थापित करती है कि यह स्टार्टअप्स एक विकास यात्रा के मुहाने पर हैं।

इस दिशा में वित्तपोषण में भी सतत वृद्धि देखी गयी है। साल 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण हुई गिरावट से पहले, वर्ष 2016 (18 सौदे, 102 मिलियन) और 2019 (58 सौदे, 506 मिलियन) के बीच इस क्षेत्र में हुई इक्विटी सौदों के आकार और मूल्य दोनों में ही सतत वृद्धि दर्ज की गई। अग्रणी भूमिका निभाने वाले क्षेत्र में सस्टेनेबल मोबिलिटी ने सबसे अग्रणी भूमिका निभाई। उसके बाद ऊर्जा क्षेत्र का योगदान रहा। जलवायु के प्रति स्मार्ट कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन तथा सर्कुलर इकोनॉमी और पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधन वगैरह ऐसे अन्य उप-वर्ग है जो नए और नवोन्मेषी बिजनेस मॉडल्स के साथ-साथ निवेश में वृद्धि के मामले में धीरे धीरे रफ्तार पकड़ना शुरू कर चुके हैं। यह सभी अभी शैशवावस्था में है और इन्हें मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। कुल निवेश प्रवाह में सेक्टर की भागीदारी केवल 9 फीसदी है (इसमें वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि इत्यादि शामिल हैं)। ज्यादातर सौदे अपनी शुरूआती अवस्था में हैं और आकार में छोटे हैं। 68 फीसदी को शुरूआती स्तर की फंडिंग मिली है। वहीं, लेन-देन का 83 फीसदी हिस्सा आकार में 5 मिलियन डॉलर या उससे कम है। बड़ी संख्या में निवेशकों और उद्यमियों का मानना है कि मौजूदा प्रणाली में धैर्यपूर्ण पूंजी निवेश की कमी सबसे बड़ी कमजोरियों में से एक है।

प्रेमिका के पति का फरार हत्यारा चढ़ा द्वारका एटीएस पुलिस के हत्थे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- 2009 में प्रेमिका के पति ही हत्या के जुर्म में आजीवन उम्र कैद की सजा काट रहा आरोपी प्रेमी पैरोल के बाद फरार हो गया लेकिन अब द्वारका एटीएस ने फरार प्रेमी को फिर से पकड़कर जेल भेज दिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसीपी द्वारका संतोष कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी रामसागर उर्फ सागर एक लड़की के प्यार में पागल था। लेकिन अचानक लड़की शादी हो गई और वह इस गम को नही झेल पाया और उसने गुस्से में प्रेमिका के पति जियालाल की हत्या कर दी ताकि उससे शादी कर सके। इस वारदात की बड़ी वजह जियालाल द्वारा दोनो पर शक को बताया जा रहा है जिसके चलते वह अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ कर जेल भेज दिया और कोर्ट ने उसे हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुना दी। लेकिन 2020 में कोरोना काल में आरोपी को तीन सप्ताह की पैरोल मिल गई। बस यहीं से वह वापस जेल नही गया और फरार हो गया। पुलिस ने उसे नंगली डेयरी से पकड़ कर वापिस जेल भेज दिया है। हालांकि पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी बिहार भागने की फिराक में था।

मलकागंज सब्जी मंडी इलाके में चार मंजिला इमारत ढही, मलबे से निकाले गए दो बच्चों की मौत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- सोमवार को दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में एक चार मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और राहत व बचाव कार्य में स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्रशासन व पुलिस जुटी हुई है। लोगों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि इमारत के मलबे में अभी भी कई लोग दबे हुए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इमारत में नीचे काम चल रहा था, जिसके चलते बड़ी ड्रिल मशीन चलाई जा रही थी। इससे बुनियाद कमजोर हो गयी थी। इमारत गिरने के पीछे यह मुख्य कारण बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की सात गाड़ियां पहुंच गई हैं। मलबे से दो बच्चों समेत कई लोग दब गए थे। फिलहाल मलबे से बच्चों का शव निकाला गया है। वहीं एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, कुछ गाड़ियों के भी दबे होने की बात कही जा रही है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना मलकागंज के पास सब्जी मंडी घंटा घर स्थित रॉबिन सिनेमा के सामने हुई है। सोमवार दोपहर 11:50 बजे पुलिस को एक स्थानीय निवासी ने फोन कॉल कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद तत्काल पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचा।

घटना को लेकर सीएम केजरीवाल ने भी दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सब्जी मंडी इलाके में इमारत गिरने का हादसा बेहद दुखद है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, जिला प्रशासन के माध्यम से मैं खुद हालात पर नजर बनाए हूं।

बता दें कि जो इमारत गिरी है वह 70 साल पुरानी थी। इसे निगम ने पहले ही जर्जर घोषित किया हुआ है, इसलिए बिल्डिंग रिहायशी नहीं थी। हालांकि सबसे नीचले तले पर एक हलवाई की दुकान थी। बताया गया कि आज 4-5 मजदूर दुकान में ही ड्रिलिंग का काम कर रहे थे। आस-पास के लोगों के मुताबिक अचानक बिल्डिंग भरभरा कर गिर गई। पूरी आशंका है कि सभी मजदूर अंदर ही दबे हुए हैं। जब इमारत गिरी तो उसके बगल से एक परिवार गुजर रहा था, जिसमें दो बच्चे और पति-पत्नी थे। वो भी इसके नीचे आ गए। फिलहाल इनमें से तीन को बाहर निकाला गया है।

पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे तीन नाइजीरियाई नागरिक पकड़े

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका पुलिस जिला के तहत मोहन गार्डन पुलिस ने थाना क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की जांच पड़ताल के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत 3 नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा है। तीनों विदेशी नागरिक बिना पासपोर्ट व वीजा के अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के साथ-साथ मकान मालिक व किरायेदार पर भी जानकारी छुपाने का मामला दर्ज कर लिया है।

इस संबंध में डीसीपी द्वारका संतोष कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मोहन गार्डन पुलिस टीम के एएसआई शम्मी कपूर, सिपाही प्रह्लाद व सिपाही संदीप ने गश्त के दौरान तीन विदेशी नाइजीरियाई नागरिकों को संदिग्ध हालात में देखा जो पुलिस टीम को देखकर छिपने की कोशिश कर रहे थे। टीम ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि तीनों के पास न वैध पासपोर्ट है और न ही वीजा है। जिसपर पुलिस ने इके पुत्र उचे, पता अनाम्ब्रा, नाइजीरिया, (2) च्जोनोंसो पुत्र ओघिजे, पता इन्हू राज्य, ओघ्टिया, नाइजीरिया व (3) इफेसिनाल्ही पुत्र ओनुघा, पता अनाम्ब्रा, नाइजीरिया के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके विरुद्ध मुकदमा नंबर 507/21 धारा 14 विदेशी अधिनियम के तहत दर्ज कर उनको इस मामले में गिरफ्तार करके आदरणीय कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जाँच के दौरान पता चला कि ये सभी एक अन्य नाइजीरियन व्यक्ति, जिसका नाम गिफ्ट पुत्र ओकादिबो है, के द्वारा उपरोक्त पते पर चलाई जा रही रसोई में रह रहे थे। मकान मालिक व गिफ्ट पुत्र ओकादिबो (रसोई मालिक) के खिलाफ भी अलग से एक एफ आई आर नंबर 509/21 धारा 14 विदेशी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सत्ता में दो दशक से ज्यादा समय तक रहने के बाद भाजपा द्वारा किया गया यह प्रयोग सत्ता विरोधी लहर को रोकने की एक अभूतपूर्व एवं प्रेरक कोशिश है। इस बात को अच्छी तरह समझ लेना कि मंत्री-पद किसी भी सांसद या विधायक या नेता की बपौती नहीं है, उसको जीने का सबको समान अधिकार है। अक्सर हमने देखा है कि जब किसी एक मंत्री का भी पद छिनता है, तो पूरा मंत्रिमंडल अस्थिर हो जाता है, भूचाल आ जाता है, सरकार पर खतरे के बादल मंडराने लगते हैं, लेकिन गुजरात में एक नहीं, बल्कि सभी मंत्रियों को बदल दिया गया

नयी राजनीतिक सोच के जन्म का सुखद संकेत

गुजरात में मुख्यमंत्री बदले जाने के बाद जिस तरह सभी पुराने मंत्रियों को हटा कर नए चेहरों को मौका दिया गया, वह बहुत बड़ा राजनीतिक बदलाव ही नहीं बल्कि एक अभिनव राजनीतिक क्रांति का शंखनाद है। इसके पहले शायद ही कभी ऐसा हुआ हो कि मुख्यमंत्री को हटाए जाने के साथ ही पुराने सभी मंत्रियों की भी विदाई कर दी जाए। गुजरात में ऐसा हुआ तो इसका मतलब है कि भाजपा नेतृत्व राज्य की सरकार को नया रूप-स्वरूप प्रदान करना चाहता था और इसके जरिये लोगों को व्यापक बदलाव का संदेश देना चाहता था। राजनीति से परे भारतीय जनता को सदैव ही किसी न किसी स्रोत से संदेश मिलता रहा है। कभी हिमालय की चोटियों से, कभी गंगा के तटों से और कभी सागर की लहरों से। कभी ताज, कुतुब और अजन्ता से, तो कभी श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध और महावीर से। कभी गुरु नानक, कबीर, रहीम और गांधी से और कभी कुरान, गीता, रामायण, भगवत और गुरुग्रंथों से। यहां तक कि हमारे पर्व होली, दीपावली भी संदेश देते रहते हैं। लेकिन कुछ मौलिक गढ़ने एवं रचने का सन्देश देने का काम भारतीय जनता पार्टी के शासन में देखने को मिल रहा है, जिससे राजनीति की दशा एवं दिशाएं बदलती हुई नजर आ रही है। ऐसे ही नये प्रयोगों एवं संदेशों से भारतीय जन-मानस की राष्ट्रीयता सम्भलती है, सजती है, कसौटी पर आती है तथा बचती है। गुजरात सरकार में जो फेरबदल हुआ है, वह भले ही राजनैतिक अपेक्षाओं की मांग हो, लेकिन वह भारतीय राजनीति में एक नया प्रस्थान है, सत्तालोलुपता की पर्याय बन चुकी राजनीति को एक नई दिशा देने का सार्थक प्रयोग है। यूं तो बदलने के नाम पर समय, सरकार, उसकी नीतियां, योजनायें, उम्मीदें, मूल्य, राजनीतिक शैली एवं उद्देश्य तक बदलते रहे हैं। किन्तु सत्तालोलुपता के बीच राजनेताओं की मंत्री-पद की लालसा एवं आदत को बदल डालना न केवल साहस है बल्कि राजनीति को नयी दिशाओं की ओर अग्रसर करने का अनुष्ठान है। सत्ता में दो दशक से ज्यादा समय तक रहने के बाद भाजपा द्वारा किया गया यह प्रयोग सत्ता विरोधी लहर को रोकने की एक अभूतपूर्व एवं प्रेरक कोशिश है। इस बात को अच्छी तरह समझ लेना कि मंत्री-पद किसी भी सांसद या विधायक या नेता की बपौती नहीं है, उसको जीने का सबको समान अधिकार है। अक्सर हमने देखा है कि जब किसी एक मंत्री का भी पद छिनता है, तो पूरा मंत्रिमंडल अस्थिर हो जाता है, भूचाल आ जाता है, सरकार पर खतरे के बादल मंडराने लगते हैं, लेकिन गुजरात में एक नहीं, बल्कि सभी मंत्रियों को बदल दिया गया और तब भी सरकार की सेहत बरकरार प्रतीत हो रही है। अगर यह प्रयोग वाकई सफल रहा और पार्टी में कमजोरी न आई, तो यह बदलाव एक मिसाल बन जाएगा, एक नजीर होगी, जिसे एक नई राजनीतिक सोच एवं सन्दर्भ का जनक माना जायेगा। जो राजनीतिक प्रयोग हुआ है, वह आम राजनीतिक सोच से परे है। शायद ऐसा प्रयोग केवल गुजरात जैसे राज्य में ही संभव हो, लेकिन इससे पूरे देश की राजनीति में एक सन्देश गया है। बीते दो दशकों में राजनीति के क्षेत्र में क्रांति करने वाले दलों में भाजपा पुरोधा है। अटल बिहारी वाजपेयी एवं नरेन्द्र मोदी के समय में राजनीति में क्रांतिकारी बदलाव एवं प्रयोग की लहर उठी है, उसे तीव्रता से आगे बढ़ाने की अपेक्षा है। इस राजनीतिक प्रयोग एवं व्यापक बदलाव को गुजरात की जनता किस रूप में लेती है, यह भविष्य के गर्भ में हैं। आशंका है कि जो मंत्री हटाए गए हैं, वे नई सरकार के लिए समस्याएं तो नहीं खड़ी करेंगे? वे इससे आशंकित हो सकते हैं कि कहीं उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट से तो वंचित नहीं कर दिया जाएगा? जो मंत्री हटाए गए हैं, उनका नाराज होना स्वाभाविक है, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि लंबे समय तक सत्ता में रहे लोगों से एक तरह की ऊब पैदा हो जाती है, थके चेहरों से जनता के कल्याण की आशाएं भी संदिग्ध हो जाती है। उम्मीद की जाती है कि गुजरात सरकार में नए मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक एक नई तरह की कार्यसंस्कृति, नई सोच और नई ऊर्जा का संचार करेंगे। इसके बिना बदलाव का उद्देश्य पूरा होने वाला नहीं है। यह सही है कि भूपेंद्र पटेल सरकार में मंत्रियों के रूप में शामिल नए चेहरे बदलाव के साथ ताजगी का आभास कराने के साथ लक्ष्य पाने के लिये उन्हें इतनी तीव्र बेचैनी दिखानी होगी, जितनी नाव डूबते समय मल्लाह में उस पार पहुंचने की बेचैनी होती है। बदलाव से उपजी स्थितियों से बौखला कर न पुरुषार्थ के पांव रोकने है और न धैर्य की धड़कन को कमजोर पड़ने देना है। प्रतीक्षा करनी है प्रयत्नों को परिणामों तक पहुंचने की। जरूरत है विरासत से प्राप्त मूल्यों को सुरक्षा दें, नये निर्माण का दायित्व ओढ़े, तभी इस राजनीतिक बदलाव की संस्कृति को सार्थकता के साथ कामयाबी के पायदान चढ़ा पायेंगे। गुजरात की भाजपा सरकार में एक नये सूरज की किरणें उतरी है, भले ही अनुभव का अभाव तब एक चुनौती बन सकता है, जब विधानसभा चुनाव सामने है। स्पष्ट है कि नए चेहरों वाली सरकार के सामने एक साथ दो चुनौतियां होंगी। एक तो सरकार का कामकाज प्रभावी ढंग से चलाना और दूसरे, भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल तैयार करना। नए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के सामने एक चुनौती यह भी होगी कि शासन के कामकाज में नौकरशाही न हावी होने पाए। हालांकि, नए मंत्रियों के चयन में जातिगत समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है, लेकिन कुछ ऐसे लोग छूट गए हो सकते हैं, जो मंत्री बनने की इच्छा रखते हों। जो भी हो, भाजपा की प्रयोगशाला कहे जाने वाले गुजरात में एक नया प्रयोग हुआ है। वहां पहले भी विपरीत स्थितियां आती रहीं, चुनौतियां आती रहीं पर इसी प्रांत से शाश्वत संदेश भी सदैव मिलते रहे हैं। गत आठ दशकों से समूचे राष्ट्र में जोड़-तोड़ की राजनीति चलती रही। पार्टियां बनाते रहे फिर तोड़ते रहे। राजनीतिक अनुशासन का अर्थ हम निजी सुविधानुसार निकालते रहे। जिसका विषैला असर प्रजातंत्र के सर्वोच्च मंच से लेकर नीचले स्तर की छोटी से छोटी इकाइयों तक देखा जा सकता है। क्रांति का मतलब मारना नहीं, राष्ट्र की व्यवस्था को बदलना होता है, राष्ट्र को नयी ऊर्जा से आप्लावित करना है। किसी भी जाति या उसके लोगों को सत्ता में भागीदारी मिलनी चाहिए और जातिगत वोटों को किसी एक या दो नेताओं के पीछे नहीं खड़ा होना चाहिए। मतलब, मंत्री कोई रहे, जाति का प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है। यह बदलाव संकेत है कि लोगों को अपने नेता से नहीं, बल्कि अपनी भागीदारी से सरोकार रखना चाहिए।

अपने ही घर में प्रताड़ित है बुजुर्ग

हमारे देश में बुजुर्गों को अपने ही घर में प्रताड़ित होने के समाचार निश्चय ही दिल दहलाने वाले है। आश्चर्य की बात तो यह है इन्हें प्रताड़ित करने वाले कोई दूसरे नहीं अपने ही है। इनमें लाखों बुजुर्गों ने अदालतों में अपने ही लोगों के खिलाफ न्याय की गुहार की है। ये बुजुर्ग अपनी बची खुची जिंदगी बिना - विघ्न बाधा परिवारजनों के साथ काटना चाहते है।

नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार देश में बड़ी संख्या में ऐसे बुजुर्ग हैं जो उम्र के अंतिम पड़ाव में कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों के 25.02 लाख केस लंबित हैं। इनमें 18.73 लाख सिविल केस और 6.28 लाख आपराधिक मामले हैं। तीन लाख केस तो ऐसे हैं जिसमें बुजुर्ग गुजारा भत्ता पाने, अपने ही घर में रहने और बच्चों द्वारा मारपीट के खिलाफ संरक्षण के लिए कोर्ट जाने को मजबूर हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में 10 साल से बुजुर्गों के 200 से अधिक केस निःशुल्क लड़ चुके वकील एनके सिंह भदौरिया कहते हैं कि अदालतों से बुजुर्गों को सम्मान से जीने का हक मिलता है। ज्यादातर मामलों में कोर्ट की फटकार पर दो से तीन सुनवाई में सकारात्मक परिणाम मिल जाते हैं। पिछले कुछ सालों में ऐसे केसों में काफी इजाफा हुआ है।

सीनियर सिटीजन एक्ट 2007 बुजुर्गों को दो विशेष अधिकार देता है। पहला- अगर संतान गुजर-बसर के लिए खर्च नहीं देते हैं तो बुजुर्ग कानूनन उनसे प्रतिमाह भत्ता लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। दूसरा-बच्चे बुजुर्गों को घर से नहीं निकाल सकते हैं। जबकि बुजुर्गों को यह अधिकार है कि वे परेशान करने पर बालिग संतान को घर छोड़ने के लिए बाध्य कर सकते हैं। इसके लिए बुजुर्ग को एसडीएम से शिकायत करनी होगी या कोर्ट जाना होगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के हालिया जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में साल 2021 में बुजुर्गों की संख्या 13.8 करोड़ पर पहुंच गयी है। इनमें 6.7 करोड़ पुरुष और 7.1 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। बुजुर्गों की आबादी बढ़ने की वजह मृत्यु दर में कमी आना बताई गई है। इस अध्ययन में 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले लोगों को बुजुर्ग माना गया है।

सांख्यिकी अध्ययन में कहा गया है कि 2011 में भारत में बुजुर्गों की आबादी 10.38 करोड़ थी, जिसमें 5.28 करोड़ पुरुष और 5.11 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। वही साल 2031 में बुजुर्गों की संख्या 19.38 करोड़ पर पहुंचने का अनुमान है।

बुजुर्गों की बढ़ती आबादी के मधे नजर यह देखना भी जरुरी है की बुजुर्ग आज किस स्थिति में अपना जीवन यापन कर रहे है। बुजुर्ग देश और समाज के लिए एक समस्या है या गौरव है। बुजुर्गों की बढ़ती संख्या देखकर खुशी होती है की व्यक्ति की औसत आयु में वृद्धि हो रही है मगर बुजुर्गों की उपेक्षा को देखकर दुःख भी होता है। हर एक को याद रखना चाहिए की बुढ़ापा एक दिन सब को आएगा। जिस दिन यह सच्चाई हम स्वीकार कर लेंगे उस दिन समाज बुजुर्गों की इज्जत और सम्मान करना सीख लेंगा। विश्व में बुजुर्गों की संख्या लगभग 60 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में प्रत्येक पांच में से एक बुजुर्ग अकेले या अपनी पत्नी के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। यानी वह परिवार नामक संस्था से अलग रहने को विवश है। ऐसे बुजुर्गों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

यूपी में किसका झंडा उठाएंगे मुस्लिम वोटर

देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी सहित सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। हर ओर चुनाव और सियासी दलों के गुण-दोष की चर्चाएं आम हैं। वोट प्रतिशत के हिसाब से यूपी की राजनीति में ओबीसी और मुस्लिम वोटर ही किसी दल की जीत-हार तय करते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीटों में से करीब 130 से 135 सीटें ऐसी हैं जहां मुसलमानों का वोट निर्णायक साबित होता है। इनमें से ज्यादातर सीटें पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई वाले इलाके और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हैं। यहां मुसलमानों का भरोसा हासिल किए बिना किसी भी उम्मीदवार के लिए जीत हासिल करना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की तादाद 20 फीसदी है।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि यूपी का मुस्लिम वोटर किसके साथ जाएगा? अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी क्या मुस्लिम मतदाता की पहली पसंद होगी? क्या बीजेपी को हराने के लिए सपा के बाद बसपा को मुस्लिम वोटर तवज्जो देगा? असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार के सीमांचल में जैसी कामयाबी पाई थी, क्या यूपी के पूर्वांचल में भी वो कुछ छाप छोड़ पाएंगे? डॉक्टर अयूब की पीस पार्टी मुस्लिमों में कितनी पैठ बना पाएगी? सवाल यह भी है कि मुस्लिमों का बड़ा नेता बनकर कौन उभरेगा, अखिलेश, ओवैसी, मायावती या फिर प्रियंका गांधी? परंपरागत वोट बैंक के साथ भाजपा का फोकस ओबीसी वोटों पर है। तो वहीं सपा, बसपा, एआईएमआईएम, रालोद और कांग्रेस मुस्लिम वोटरों को अपने पक्ष में करने की कोशिशों में जुटे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन नेता असदुद्दीन ओवैसी युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वे अपनी पार्टी की जमीन तैयार कर रहे हैं। हैदराबाद और महाराष्ट्र के मराठवाड़ा अंचल में उनके प्रत्याशी जीत दर्ज करा चुके हैं। उन्होंने बंगाल विधानसभा के चुनाव में भी हाथ आजमाना चाहा किन्तु वहां उन्हें ज्यादा भाव नहीं मिला। लेकिन वे निराश नहीं हुए। ओवैसी लगातार यूपी के दौरे कर रहे हैं। उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। अभी तक ये माना जाता रहा है कि यूपी के मुस्लिम वोटरों का बहुमत समाजवादी पार्टी के पाले में जाता है। थोड़ा हिस्सा बसपा और बचा हुआ कांग्रेस का समर्थक भी है। भाजपा तो वैसे भी मुस्लिम मतों की उम्मीद नहीं करती। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यूपी में सपा के उत्थान में मुस्लिम समुदाय का योगदान बहुत साफ है। उसके संस्थापक मुलायम सिंह को मुस्लिम परस्ती के चलते मुल्ला तक कहा जाने लगा था। नब्बे के दशक में भाजपा ने मंदिर आन्दोलन के सहारे ऊंची छलांग लगाई लेकिन बाद में वह लगातार पीछे होती गई। उसका लाभ लेकर यूपी की राजनीति सपा और बसपा के बीच सिमट गई। भाजपा तो फिर भी अपना वजूद बनाये रही किन्तु कांग्रेस के लिए तो नाम जिंदा रखना भी कठिन हो गया। लेकिन 2014 के लोकसभा चुनाव ने राजनीतिक तस्वीर का रंग ही बदल डाला। नरेंद्र मोदी की अभूतपूर्व लहर के सामने न सपा का यादव-मुस्लिम पत्ता चला और न ही बसपा का दलित दांव काम आया। कांग्रेस भी किसी तरह अपने दो टापू रायबरेली और अमेठी बचाकर रख सकी। उस चुनाव ने यूपी की राजनीति पर हावी मुस्लिम मिथक को तोड़ दिया। दलित और यादवों का बड़ा हिस्सा भी मोदी लहर में समाहित होकर रह गया। उसी के परिणामस्वरूप 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक सफलता मिली और वह 325 सीटें जीतने में कामयाब हो गई। उस चुनाव में सपा और कांग्रेस मिलकर लडने के बावजूद फिसड्डी साबित हुईं। इससे भाजपा को एक बात समझ में आ गई कि बजाय मुस्लिम तुष्टीकरण के बाकी मतदाता समूहों पर ध्यान दिया जाए तो राष्ट्रीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण राज्य पर कब्जा बनाये रखा जा सकता है। और इसीलिये उसने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाकर अपनी दूरगामी रणनीति साफ कर दी। इसका लाभ उसे 2019 के लोकसभा चुनाव में भी मिला जिसमें सपा ने अपनी घोर विरोधी बसपा के साथ गठबंधन किया। संयोग से अदालती फैसला आने से राम मंदिर निर्माण का रास्ता भी साफ हो गया। उधर सपा के मुस्लिम चेहरे आजम खान पुत्र सहित जेल चले गये जिससे उनका बड़बोलापन और दादागिरी ठंडी पड़ गई। मुलायम सिंह की अस्वस्थता और सपा में विभाजन से मुस्लिम मतदाता खुद को नेतृत्वविहीन महसूस करने लगे थे। बहुजन समाज पार्टी में भले ही कोई बड़ा मुस्लिम चेहरा अब नहीं बचा है लेकिन पार्टी मुस्लिम वोटों की दूसरी दावेदार कही जा सकती है। त्रिकोणीय या बहुकोणीय मुकाबले की सूरत में बीजेपी को मात देने के लिए कई बार मुस्लिम वोट बैंक हाथी की ओर घूम चुका है। 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा की जीत की एक बड़ी वजह ब्राह्मण-दलित केमिस्ट्री के साथ-साथ मुस्लिम वोट भी था। सीएसडीएस के एक सर्वे के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और बसपा को 70 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले थे। गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव में बसपा ने सपा से दोगुनी सीटें (10) जीतीं। 10 में से पार्टी के 3 सांसद मुस्लिम हैं। ऐसे में बसपा की दावेदारी को कम करके आंका नहीं जा सकता। राष्ट्रीय लोक दल पिछले दो साल से जाट-मुस्लिम समीकरण को मजबूत करने की कवायद कर रहा है। हाल के दिनों में मुजफ्फरनगर में किसान महापंचायत के आयोजन से भी आरएलडी की उम्मीदें बढ़ी हैं। मुस्लिम-जाट और दलितों को साधने के लिए वेस्ट यूपी में जयंत भाईचारा जिंदाबाद के तहत तकरीबन 300 छोटे-बड़े सम्मेलन करा चुके हैं। आरएलडी का समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन भी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी का खाता नहीं खुल पाया। इस बार पार्टी 250 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस अपनी दुर्दशा से ही नहीं उबर पा रही और बसपा भी समूचे दलित समाज को प्रभावित करने में असफल रही। ऐसे में यूपी की राजनीति में एक बड़ा शून्य आ गया है। अखिलेश यादव साक्रिय तो हैं लेकिन वे अपने पिता जैसी राजनीतिक पैंतरेबाजी नहीं जानते। शिवपाल यादव के अलग होने से भी सपा कमजोर हुई है। इस सबसे मुसलमानों को ये लगने लगा है कि सपा, बसपा और कांग्रेस में से कोई भी उनका संरक्षक बनने लायक नहीं रहा और यही भांपकर ओवैसी ने यूपी में मुस्लिम ध्रुवीकरण का पांसा चला है। ओवैसी की रैलियों में मुस्लिम युवा बड़ी संख्या में आने से सपा-बसपा दोनों परेशान हैं। बसपा तो इतना बौरा गई है कि दलितों को छोड़ ब्राह्मणों को रिझाने में जुटी है। सपा को भी इस बात की चिंता है कि यादवों के अलावा पिछड़ी जातियां उससे दूर चली गईं हैं। ऐसे में यदि ओवैसी ने मुस्लिम मतों में थोड़ी सी भी सेंध लगा दी तब सपा का बचा-खुचा आधार भी खिसक सकता है। वैसे स्वाभाविक तौर पर सपा और बसपा से नाराज मुस्लिम तथा पिछड़े भाजपा विरोधी मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की तरफ होना चाहिए किन्तु उसकी खराब स्थिति के चलते कोई उससे जुडना नहीं चाह रहा। यही वजह है कि मुस्लिम मतदाताओं को उनकी बदहाली का ब्यौरा देते हुए ओवैसी बड़ी ही चतुराई से उनके बीच नेतृत्व के अभाव को दूर करने की पुरजोर कोशिश में जुट गये हैं।

ओवैसी मुसलमानों के मन में ये बात बैठाने का प्रयास कर रहे हैं कि बजाय किसी के पिछलग्गू बनने के उनको अपना स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व बनाना चाहिए।

ओवैसी मुसलमानों के मन में ये बात बैठाने का प्रयास कर रहे हैं कि बजाय किसी के पिछलग्गू बनने के उनको अपना स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व बनाना चाहिए। उनकी एक बात तो सभी स्वीकार करेंगे कि यूपी के मुस्लिम समुदाय का अपना कोई ऐसा नेता नहीं है जिसका पूरे राज्य में प्रभाव हो। सपा-बसपा ये प्रचारित कर रहे हैं कि यूपी में ओवैसी की दखलंदाजी का मकसद मुस्लिम मतों में बंटवारा करवाकर परोक्ष तौर पर भाजपा की राह आसान करना है। हालांकि वे इसका खंडन करते हुए ये सवाल पूछ रहे हैं कि सपा और बसपा के लंबे शासनकाल के बाद भी यूपी के मुसलमान हर क्षेत्र में पिछड़े क्यों हैं ?

कश्मीर, मानवाधिकार और पाकिस्तान

पाकिस्तान ने संयुक्तराष्ट्र मानव अधिकार परिषद और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) में कश्मीर का मुद्दा फिर से उठा दिया है। पाक प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि कश्मीर में मानव अधिकारों का उल्लंघन कहाँ-कहाँ और कैसे-कैसे हो रहा है ? यदि वह अपनी बात प्रमाण सहित कहता तो न सिर्फ भारत सरकार उस पर ध्यान देने को मजबूर होती बल्कि भारत में ऐसे कई संगठन और व्यक्ति हैं, जो मानव अधिकारों के हर उल्लंघन के खिलाफ निडरतापूर्वक मोर्चा लेने को तैयार हैं। इस समय कश्मीर के लगभग सभी नजरबंद नेताओं को मुक्त कर दिया गया है। यह ठीक है कि उन्हें कई महीनों तक नजरबंद रहना पड़ा है लेकिन कोई बताए कि उन्हें सुरक्षित रखना भी जरूरी था या नहीं ? यदि धारा 370 और 35ए के खात्मे के बाद कश्मीर में उथल-पुथल मचती तो पता नहीं कितने लोग मरते और कितने घर बर्बाद होते। इन बड़े कश्मीरी नेताओं की नजरबंदी के कारण उनकी जान तो बची ही, सैकड़ों लोग हताहत होने से भी बच गए। हमें यही सोचना चाहिए कि उनकी जान बड़ी है या उनकी जुबान बड़ी है? इसके अलावा महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि पाकिस्तान अभी भी इस मरे चूहे को क्यों घसीटे चला जा रहा है ? उसे पता है कि वह हजार साल भी चिल्लाता रहे तो भी कश्मीर उसका हिस्सा नहीं बन सकता। कश्मीर-कश्मीर चिल्लाते-चिल्लाते उसने अपना कितना नुकसान कर लिया है। भारत के साथ उसने तीन बड़े युद्ध लड़े। उनमें वह हारा। उसने लगातार आतंकी भेजे। सारी दुनिया की बदनामी झेली। अपने आम आदमी की जिंदगी में सुधार करके वह भारत से आगे निकल जाता तो जिन्ना भी बहिश्त में खुश हो जाते लेकिन उसे पहले अमेरिका की गुलामी करनी पड़ी और अब चीन की करनी पड़ रही है।

क्या जिन्ना ने पाकिस्तान इसीलिए बनवाया था ? जरूरी यह है कि वह कश्मीर को आजादी दिलाने के पहले खुद आजाद होकर दिखाए। यदि वह अपने नागरिकों के मानव अधिकारों की रक्षा कर रहा होता तो वह इस्लामी जगत ही नहीं, सारी दुनिया का सितारा बन जाता लेकिन उसके हजारा, पठानों, सिंधुओं, बलूचों, हिंदुओं, सिखों और शियाओं की हालत क्या है ? खुद प्रधानमंत्री इमरान खान और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी उस पर कई बार अफसोस जाहिर कर चुके हैं। पाकिस्तान की जनता और सरकार पहले खुद अपने मानवों के अधिकारों की रक्षा करके दिखाए, तब उन्हें भारत या किन्हीं देशों के बारे में बोलने का अधिकार अपने आप मिलेगा।

जहाँ तक इस्लामी सहयोग संगठन का सवाल है, उससे तो मैं इतना ही कहूँगा कि वह पाकिस्तान का सहयोग सबसे ज्यादा करे। उसे अमेरिका और चीन-जैसे देशों के आगे झोली पसारने के लिए मजबूर न होने दे। उसे युद्ध और आतंकवाद में फंसने से बचाए। इस्लाम के नाम पर बना वह दुनिया का एक मात्र देश है। उसे वह ऐसा देश क्यों न बनाए कि सारी दुनिया उस पर और इस्लाम पर नाज करे ?

टिकैत की तिकड़मों से डूबता किसान आंदोलन!

पिछले नौ महीने से कृषि कानूनों के खिलाफ किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार से कई दौर की बातचीत के बाद भी आंदोलन का कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। वहीं फिलवक्त किसानों के सबसे बड़े नेता बने राकेश टिकैत की राजनीतिक महत्वकांक्षाओं और हेकड़ी के चलते किसान आंदोलन डूबता और बेअसर होता दिख रहा है। वहीं पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर किसान संयुक्त मोर्चा दिल्ली की सिन्धु सीमा पर एक तरफ का राजमार्ग खाली करने सहमत हो गया है। हाल ही में हरियाणा के करनाल में भी किसानों ने यातायात को सुचारू रखने के लिए रास्ता खाली किया था। बीते दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह ने किसानों से अपील की कि वे पंजाब में अपना आन्दोलन समेटकर हरियाणा या दिल्ली ले जाएं क्योंकि उसकी वजह से राज्य का विकास प्रभावित हो रहा है। उनके इस बयान पर अकाली दल और आम आदमी पार्टी ने हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि अमरिंदर ने किसानों को मझधार में छोड़ दिया है। दूसरी तरफ हरियाणा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज ने आरोप लगाया कि कैप्टेन की अपील से साबित हो गया कि किसानों को आन्दोलन के लिए भड़काने का काम उन्हीं का था और जब वह उन्हीं के गले पडने लगा तब वे उससे छुटकारा पाना चाह रहे हैं। दूसरी तरफ आन्दोलन के शीर्ष नेताओं में राकेश टिकैत को लेकर भी मतभेद सतह पर आ रहे हैं। पंजाब और हरियाणा के किसान नेता इस बात से नाराज हैं कि टिकैत समूचे आन्दोलन के स्वयंभू नेता बन बैठे हैं और

उसे चुनावी राजनीति से जोड़ रहे हैं। कुछ दिन पहले प. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित किसान महापंचायत में टिकैत द्वारा दिए गए भाषण से भी किसानों के कुछ संगठन रुष्ट हैं। यही वजह है कि दिल्ली की सिन्धु सीमा पर महीनो से जमे किसान घर लौटने लगे हैं। हरियाणा के किसान नेता भी चाह रहे हैं कि आन्दोलन का केंद्र टिकैत के प्रभावक्षेत्र से बाहर रखा जाए। उनकी आपत्ति इस बात पर भी है कि टिकैत आन्दोलन को जाटों के राजनीतिक ध्रुवीकरण करने का जरिया बनाकर अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने का तानाबाना बुन रहे हैं। वैसे एक बात तो सच है कि टिकैत यदि न डटे होते तो दिल्ली की देहलीज पर पंजाब और हरियाणा के किसान इतने लम्बे समय तक नहीं रुक पाते। उ.प्र के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र सरकार ऐसा कुछ भी नहीं करना चाह रही थी जिससे किसान भड़क जाएं और आन्दोलन हिंसक हो जाये। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर हुए उपद्रव ने किसान आन्दोलन के चेहरे पर जो कालिमा पोती उसे वह अब तक नहीं मिट सकी।

सबसे बड़ी बात ये हुई कि बड़ी-बड़ी डींगें हांकने के बाद भी आन्दोलन के नेता एक भी मांग सरकार से पूरी नहीं करवा सके। उनके दावों के विपरीत पंजाब और हरियाणा में रबी फसल पर सरकारी खरीद के पिछले कीर्तिमान जहां टूटे वहीं किसानों को सीधे खाते में भुगतान की राशि मिलने से वे बिचैलियों से भी बच गए। चूंकि सरकार और किसान नेताओं के बीच संवाद पूरी तरह टूटा हुआ है इसलिए आन्दोलनरत किसानों में हताशा बढ़ रही है। उनकी मांगें कितनी सही हैं ये अब उतना बड़ा मुद्दा नहीं रहा जितना ये कि आन्दोलन की कोई दिशा समझ में नहीं आ रही। किसानों के बीच भी ये चर्चा चल पड़ी है कि कानूनों को रद्द करने जैसी जिद न पकड़ी जाती तब शायद सरकार उनकी एक-दो मांगें मानकर बीच का रास्ता निकाल सकती थी। लेकिन संयुक्त मोर्चा वार्ता की टेबिल पर बैठने से पहले ही ये शर्त रखता रहा कि पहले तीनों कानून वापिस लिए जाएं तब ही कोई बात होगी।

चूंकि शुरूआतमें ही ये साफ हो चला था कि कांग्रेस और वामपंथी संगठन इस आन्दोलन के पीछे हैं और भीड़ का लाभ लेकर कुछ खलिस्तान समर्थक भी घुस आये हैं, इसीलिये बाकी विपक्षी दल खुलकर साथ नहीं आये। करनाल के बाद सिन्धु सीमा पर एक तरफ का रास्ता खोलने पर सहमत होने से ये साफ हो गया है कि किसान नेता भांप चुके हैं कि जिद न छोडने पर जनता उनके विरूद्ध हो जायेगी। अमरिंदर सिंह के ताजा बयान से भी ये लगने लगा है कि वे भी इस आन्दोलन से पिंड छुड़ाना चाहते हैं जिसे उन्होंने ही प्रायोजित कर दिल्ली की सीमा तक भेजा था ताकि उनके राज्य में शांति बनी रहे। लेकिन महीनों वहां पड़े रहने के बाद किसानों के जत्थे घर लौट आये और पंजाब में सैकड़ों स्थानों पर धरना दिए बैठे हैं। विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और नवजोत सिद्धू कैप्टेन की नाक में दम किये हुए हैं। अकाली दल और आम आदमी पार्टी किसानों को ये समझाने में जुटी हैं कि कांग्रेस के बहकावे में आकर वे न इधर के रहे न उधर के। ये बात बिलकुल सही है कि किसान आन्दोलन को दिल्ली के मुहाने तक ले जाने और उसे खाद-पानी देने में पंजाब की भूमिका जबरदस्त भूमिका रही। इसीलिये जब सिख किसानों के जत्थे दिल्ली से वापिस लौट आये तब धरना स्थल की रौनक भी फीकी पडने लगी।

केजरीवाल फिर चुने गए आप के राष्ट्रीय संयोजक

-पंकज गुप्ता सचिव और एनडी गुप्ता होंगे कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ने दी नाम की मंजूरी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को लगातार तीसरी बार आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक चुने गए। रविवार को हुईआपह्न की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर केजरीवाल के नाम को मंजूरी दी गई। वहीं, पार्टी नेता पंकज गुप्ता फिर से राष्ट्रीय सचिव और एनडी गुप्ता को फिर से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद ने शनिवार को 34 सदस्यीय कार्यकारी निकाय का चुनाव किया था, जिसमें केजरीवाल भी शामिल थे।

जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2016 में केजरीवाल दूसरी बार पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक चुने गए थे। राष्ट्रीय संयोजक के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने 3 साल तक पार्टी की सेवा की, लेकिन 2019 में लोकसभा चुनाव और 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए अरविंद केजरीवाल का कार्यकाल 2020 तक बढ़ा दिया गया। 2020 में कोरोना महामारी के कारणआपह्न की राष्ट्रीय परिषद की बैठक नहीं हो सकी थी।

जनवरी 2021 में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के संविधान में संशोधन किया गया। इस संशोधन में राष्ट्रीय संयोजक का कार्यकाल 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दिया गया। उस समय जो संशोधन किया गया था, उसमें राष्ट्रीय संयोजक को दो कार्यकाल तक के लिए नियुक्त करने की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया था। गौरतलब है कि शनिवार को हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में चुने गए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 34 सदस्यों ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में केजरीवाल के चुनाव को मंजूरी दी। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पास पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक का चुनाव करने का अधिकार है। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने रविवार सुबह अरविंद केजरीवाल को फिर से राष्ट्रीय संयोजक चुन लिया। अब अरविंद केजरीवाल अगले 5 साल तक आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक होंगे। आप की राष्ट्रीय परिषद ने शनिवार को 34 सदस्यीय कार्यकारी निकाय का चुनाव किया, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित 34

नेताओं के नाम चुनाव के लिए परिषद के सदस्यों के सामने रखे गए थे। परिषद ने सभी को सर्वसम्मति से समर्थन दिया।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार अजय कोठियाल, पंजाब के लोकसभा सांसद भगवंत मान, गुजरात के नेता ईशुदान गढ़वी और गोपाल इटालिया भी कार्यकारी निकाय के लिए चुने गए। कार्यकारिणी के अन्य उल्लेखनीय निर्वाचित सदस्यों में राज्यसभा सांसद संजय सिंह और सुशील गुप्ता, दिल्ली के विधायक राघव चड्ढा, दिलीप पांडे, राखी बिरलान, आतिशी और दुर्गेश पाठक शामिल हैं। अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं से चुनाव लड़ने के लिए टिकट तथा पद मिलने की इच्छा नहीं रखने और इसके बजाय देश एवं समाज के लिए काम कर अपनी काबिलियत साबित करने को कहा। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अपने ऑनलाइन संबोधन के दौरान केजरीवाल ने कहा कि वह नहीं चाहते कि लोग उनकी पार्टी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस जैसी पार्टी के रूप में पहचानें। उन्होंनेआपह्न कार्यकताओं से पद और टिकट की अपनी आकांक्षाओं का त्याग करने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी पार्टी जिस तरह से दिल्ली में सरकार चला रही है, उसे देखकर देशभर के लोगों को लगने लगा है किआपह्न ही एकमात्र उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अन्ना जी कहा करते थे कि राजनीति केवल एक सिद्धांत पर आधारित है - सत्ताह्न सेपैसाह्न और फिरपैसेह्न सेसत्ताह्न। आम आदमी पार्टी यहां इस अवधारणा को बदलने के लिए है। हमारा उद्देश्य धन-बल के दम पर सत्ता में आना नहीं है। हम यहां इस देश के लोगों के लिए और उनका भरोसा बरकरार रखने के लिए हैं।

उन्होंने कहा किआपह्न का गठन केवल एक ही उद्देश्य से हुआ था-सेवा, कुबार्नी, बलिदानह्न। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की 10वीं बैठक वैश्विक महामारी के कारण ऑनलाइन हुई। केजरीवाल ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहेब आंबेडकर हमारी पार्टी के दो शीर्ष आदर्श हैं। हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता को उनकी तरह बलिदान देने के लिए तैयार रहना होगा।आपह्न ने अपनी नई राष्ट्रीय परिषद का नवीनीकरण किया है। केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमने सफलतापूर्वक आम आदमी पार्टी की नई राष्ट्रीय परिषद तैयार की है। मैं आशा और प्रार्थना करता हूं कि इस परिषद का कार्यकाल बेहद फलदायी और समृद्ध रहे।

टोक्यो पैरालंपिक खिलाड़ियों से मिले पीएम मोदी, कहा- मुझे आप सभी से मिलती है प्रेरणा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- टोक्यो पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड पांच गोल्ड सहित 19 मेडल जीते हैं। पैरालंपिक खेलों में यह भारत का अब तक का बेस्ट प्रदर्शन है। पैरालंपिक दल का वतन वापसी होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जापान में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके साथ बातचीत भी की। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी और साथ ही उनका मनोबल भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से कहा कि मुझे आप सभी से प्रेरणा मिलती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर पर जारी वीडियो में पीएम पैरा एथलीट खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं और साथ ही उनका हौसला भी बढ़ा रहे हैं। दिल्ली में अपने आवास पर खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मोदी ने कहा, ह्न आज आप सभी अपनी कड़ी मेहनत के कारण जाने जाते हैं। आप सभी लोगों को प्रेरित कर सकते हैं, बड़े बदलाव लाने में मदद कर सकते हैं। मैं हमेशा आप सभी के साथ हूं।ह्न गोल्ड जीतने वाले कृष्णा नागर ने कहा कि उन्होंने अपना पदक कोरोना योद्धाओं को समर्पित किया है, जिन्होंने देश को महामारी से बचाने के लिए सर्वस्व झोंक दिया।

मोदी ने इस दौरान टोक्यो पैरालंपिक सिल्वर मेडलिस्ट सुहास एलवाई से भी कुछ देर तक बात की। उनके अलावा ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार ने पीएम से कहा, जब टोक्यो में हुई बात में आपने पहले ही बता दिया कि वो देवभूमि उत्तराखंड से हैं, तो उनके रोंगटे खड़े हो गए. यह मेरे लिए गर्व का क्षण था।ह्न प्रधानमंत्री ने इसके अलावा गोल्ड मेडलिस्ट भविना पटेल को हमेशा सकारात्मक सोचने की सलाह दी।

प्रधानमंत्री ने इससे पहले, पिछले सप्ताह भी पैरालम्पिक दल को अपने आवास पर नाश्ते पर बुलाकर उन्हें सम्मानित किया था और खिलाड़ियों ने उन्हें अपने हस्ताक्षर वाला एक स्टोल भेंट किया था। भारत पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा। पिछले सप्ताह मुलाकात के दौरान सभी पदक विजेताओं ने अपने हस्ताक्षर वाला सफेद स्टोल प्रधानमंत्री को भेंट किया जो उन्होंने गले में पहन रखा था। भारत ने इस बार टोक्यो पैरालंपिक खेलों में अपना सबसे बड़ा 54 एथलीट का दल उतारा था, जिसने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड 19 मेडल जीते।

किसान आंदोलन को लेकर वरूण गांधी का योगी के नाम लेटर बम

यूपी चुनाव से पहले वरुण गांधी का किसान प्रेम आया सामने, किसान होंगे खुश, लेकिन सरकार की बढ़ेगी मुश्किल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/लखनऊ/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने उत्तर प्रदेश में जोर पकड़ते किसान आंदोलन व चुनाव के तहत यूपी में मुख्यमंत्री को लेटर लिख किसानों के लिए राहत देने की मांग की है। हालांकि राजनीति गलियारों में वरूण गांधी के इस लेटर को लेकर अब कई तरह की चर्चाऐं जोर पकड़ चुकी हैं। कुछ राजनीतिज्ञ इसे वरूण गांधी का योगी पर लेटर बम बता रहे है जिससे किसान तो खुश हो सकते है लेकिन सरकार की मुश्किले बढ़ सकती है। वहीं विपक्ष व किसान संगठन भी सरकार पर दबाव बना सकते हैं।

सांसद वरूण गांधी ने किसानों को राहत देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेटर लिखकर कई तरह की मांगें रखी हैं। रविवार को लिखे इस खत में वरुण गांधी ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि गन्ने की कीमतों में अच्छी वृद्धि की जाए, गेहूं और धान की फसल पर बोनस दिया जाए, पीएम किसान योजना में मिलने वाली राशि को दोगुना कर दिया जाए और डीजल पर सब्सिडी दी जाए। वरुण गांधी का यह खत किसानों को जरूर खुश कर सकता है, लेकिन योगी सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि वरुण के इस लेटर के सहारे विपक्ष के साथ किसान संगठन भी योगी सरकार पर

दबाव बढ़ा सकते हैं।

यूपी से तीन बार के सांसद वरुण गांधी किसानों से बातचीत की पैरवी भी करते आ रहे हैं। पीलीभीत से सांसद वरुण ने योगी को लिखे दो पन्ने के लेटर में किसानों की सभी समस्याओं, उनकी मांगों का जिक्र करते हुए उनके समाधान भी सुझाए हैं। वरुण गांधी ने सलाह दी है कि गन्ने का मूल्य 400 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया जाए, जोकि अभी 315 रुपए प्रति क्विंटल है। गन्ना मुख्यतौर पर पश्चिमी यूपी में उगाया जाता है, जो केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों का केंद्र भी है। वरुण गांधी ने कहा है कि किसानों को गेहूं और धान पर 200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से एमएसपी पर अतिरिक्त बोनस मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग रखी है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत मिलने वाली राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपए कर दिया जाए। केंद्र की तरह राज्य सरकार भी 6 हजार रुपए सालाना दे। किसानों की समस्याएं गिनाते हुए वरुण गांधी ने बिजली और डीजल की ऊंची कीमत का जिक्र किया। उन्होंने यूपी के सीएम से अपील की है कि किसानों को डीजल पर प्रति लीटर 20 रुपए की सब्सिडी दी जाए और बिजली की कीमत कर दी जाए।

यूपी चुनाव में शिवसेना का यूटर्न, 403 पर नही सिर्फ 100 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- महाराष्ट्र की राजनीति में 25 सालों तक भाजपा की दोस्त रही शिवसेना ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ने का ऐलान किया है। हालांकि, शिवसेना कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी इसे लेकर उहापोह की स्थिति बन गई है। क्योंकि शिव सेना ने एक दिन पहले उत्तर प्रदेश की कार्यकारिणी की बैठक में यूपी में 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था लेकिन एक दिन बाद शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि हम 100 सीटों पर ही चुनाव लड़ेंगे।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि हम उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से करीब 100 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं गोवा में हम 20 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और गठबंधन भी कर सकते हैं। गुजरात में विजय रूपाणी के इस्तीफे पर जब उनसे पूछा गया तो राउत ने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है।

शिवसेना सांसद संजय राउत की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जबकि एक दिन पहले ही शिवसेना की यूपी विंग ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। शिवसेना प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि पार्टी सभी 403 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। अब ऐसे में सवाल उठता है कि शिवसेना आखिरकार फाइनली कितनी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। यूपी में जंगलराज बताते हुए पार्टी ने कहा था कि शिवसेना सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारकर बीजेपी को सभी सीटों पर सबक सिखाएगी। पार्टी ने सभी विधानसभाओं में संगठन को मजबूत करने के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त करने की बात कही है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जल्द ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चुनाव और संगठन की रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इतना ही नहीं, पार्टी ने यह भी कहा है कि यूपी में शिवसेना का किसी पार्टी के साथ गठबंधन भी हो सकते हैं। बता दें कि अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव होने हैं।

-आरजेएस-टीजेएपीएस की आजादी की अमृत गाथा- 7 में बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर चर्चा और श्रद्धांजलि

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- सकारात्मक भारत आंदोलन की सूत्रधार टीम आरजेएस-टीजेएपीएस ने रविवार 12 सितंबर को आजादी की अमृत गाथा-7 में आचार्य विनोबा भावे और कवयित्री महादेवी वर्मा को श्रद्धांजलि देकर वरिष्ठ नागरिकों का स्वस्थ और सकारात्मक जीवन पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

राम जानकी संस्थान ,नई दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक उदय मन्ना और तपसिल जाति आदिवासी प्रकटन्न सैनिक कृषि बिकाश शिल्पा केंद्र पश्चिम बंगाल के सचिव सोमेन कोले ?की अगुवाई में द्वारा हैल्दी यू फाउंडेशन के सहयोग से वेबिनार आयोजित हुआ। पूर्व एमसीडी निदेशक व आरजेएस ऑब्जर्वर दीप माथुर ने अतिथियों का स्वागत किया और आरजेएस सूचना केंद्र जमशेदपुर की प्रभारी ,प्राचार्या डा.पुष्कर बाला ने अपने माता-पिता स्व०देव वंश सहाय-सिंगारी देवी की स्मृति में महादेवी वर्मा के नाम पर घोषित आरजेएस राष्ट्रीय सम्मान पर प्रकाश डाला। उदय मन्ना ने आचार्य विनोबा भावे के आजादी के संघर्ष,जेल और भूदान आंदोलन के सर्वोदय सिद्धांत को सामने रखा। वेबिनार में मुख्य अतिथि डॉ जी एस ग्रेवाल, सीनियर कंसल्टेंट एल्डर केयर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल और अध्यक्ष दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने बुजुर्गों के बीच सक्रिय उम्र बढ़ने के प्रचार के लिए समाज को सशक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया।

ऐसा करने के लिए डब्ल्यूएचओ-द एज-फ्रेंडली कम्युनिटीज एंड सिटीज इनिशिएटिव द्वारा रणनीति का सुझाव दिया गया है, उन्होंने बताया कि वेलनेस हेल्थ एंड यू ने एसडीएमसी के वार्ड 89 में एज-फ्रेंडली इंडिया लॉन्च किया है। यह देश में पहली समुदाय आधारित पहल है। इसमें उम्र बढ़ने के सभी हितधारक शामिल हैं। विशिष्ट अतिथि कंज्यूमर ऑनलाइन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. बिजॉन मिश्रा ने कहा कि ह्नवरिष्ठ नागरिकों के रूप में हमें पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल कवरेज (निवारक और उपचारात्मक) वित्तीय स्वतंत्रता और सम्मान के साथ पहचान की आवश्यकता है। यह वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के अनुसार एक कानून बनना चाहिए। हमारे पास बिना किसी भेदभाव के इन सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए भारत में सभी संसाधन उपलब्ध हैं।

क्वाड बैठक में शामिल हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के विदेश एवं रक्षा मंत्री

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते शनिवार क्वाड से जुड़ी चीन की आलोचना को खारिज करते हुए कहा है कि ये जरूरी है कि वास्तविकता को गलत ढंग से पेश न किया जाए। जयशंकर ने ये बात भारत और ऑस्ट्रेलिया के विदेश एवं रक्षा मंत्रियों के बीच हुई बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। इस प्रेस वार्ता में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मैरिस पैन, रक्षा मंत्री पीटर डटेन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलियाई विदेश एवं रक्षा मंत्री ने अपनी इस बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। बता दें कि इससे पहले चीन ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, भारत और जापान के संगठन क्वाड को

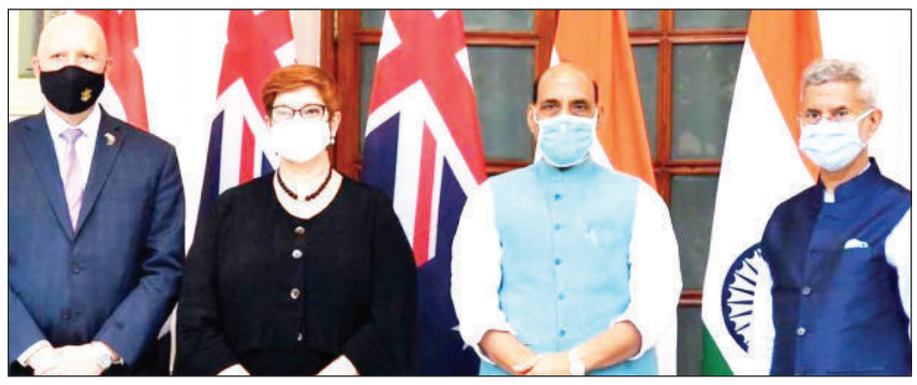

एशियाई देशों के नेटो संगठन की संज्ञा देते हुए इसकी आलोचना की थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बीती 13 मई को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि ह्नहम सभी जानते हैं कि क्वाड किस तरह का तंत्र है। एक अलग गुट बनाने, चीन को एक चुनौती के रूप में पेश करने, क्षेत्र के देशों और चीन के बीच कलह पैदा करने के कुछ देशों के प्रयासों का चीन विरोध करता है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने ये भी कहा था कि ह्नजहां तक क्वाड का संबंध है, मुझे लगता है कि भारत इस तंत्र की मंशा को हमसे बेहतर जानता है। क्या इसका इरादा चीन के खिलाफ एक छोटे-से गुट को खड़ा करना नहीं है इसके अलावा चीन अलग-अलग मौकों पर इस संगठन को लेकर स्पष्ट शब्दों में आलोचना करता रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस प्रेस वार्ता में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने चीन द्वारा दी गयी क्वाड की परिभाषा को खारिज किया। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन को जवाब देते हुए कहा कि ये बेहद अहम है कि वास्तविकता को गलत ढंग से पेश न किया जाए, और ये समूह इन देशों और वैश्विक कल्याण में काम करने का मंच है। उन्होंने कहा, ह्नमुझे लगता है कि नॉटो एक शीत युद्ध से जुड़ा टर्म है जो कि इतिहास की ओर देखता है। वहीं, क्वाड भविष्य में झांकता है, ये भूमंडलीकरण को दशार्ता है और देशों के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत को सामने रखता है।ह्न क्वाड की नॉटो से तुलना पर जयशंकर ने कहा, ह्नमैं ऐसे मुद्दों और नेटो या उस जैसी किसी अन्य संस्था के बीच किसी तरह का संबंध नहीं पाता हूं। ऐसे में मुझे लगता है कि ये बेहद अहम है कि वास्तविकता को गलत ढंग से पेश न किया जाए। बैठक के बाद जयशंकर ने ये भी कहा कि इस बैठक में अफगानिस्तान पर विशेष रूप से चर्चा की गयी और दोनों पक्ष इस बात पर राजी हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अपने रुख में एकजुट रहने की जरूरत है।

भाजपा ने फिर चौंकाया, पहली बार के विधायक भूपेन्द्र पटेल को सौंपी गुजरात की कमान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गांधीनगर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- विजय रुपाणी के इस्तीफे के 24 घंटे में ही गुजरात के नए मुख्यमंत्री पर फैसला हो गया है। बीजेपी ने एक बार फिर चौंकाते हुए भूपेंद्र रजनीकांत पटेल को राज्य का अगला मुख्यमंत्री चुना है। भूपेन्द्र पटेल पहली बार विधायक बने और मुख्यमंत्री की रेस में नाम न होते हुए भी विधायक दल की बैठक में पार्टी पर्यवेक्षक नरेंद्र सिंह तोमर ने उनके नाम का ऐलान किया। हालांकि सीएम बनने की रेस में कई वरिष्ठ व धुरंधर नेताओं के नाम सामने आ रहे थे लेकिन भाजपा ने एक बार फिर चौंकाते हुए एक नये चेहरे को गुजरात का मुख्यमंत्री घोषित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल की ओर से राज्यपाल को शाम छह बजे भूपेंद्र पटेल के विधायक दल का नेता चुने जाने से संबंधित पत्र सौंपा जाएगा। नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले विजय रुपाणी ने ही विधायक दल की बैठक में भूपेंद्र भाई पटेल के नाम का प्रस्ताव रखा। डिप्टी सीएम नितिन पटेल ने इसका समर्थन किया। इसके बाद विधायक दल ने पटेल के नाम को

मंजूरी दे दी। भूपेंद्र भाई जल्द ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, इसके लिए आज शाम को ही वह राज्यपाल से मुलाकात करेंगे हालांकि उन्होंने शपथ ग्रहण का दिन नहीं बताया है। केवल 12वीं पास भूपेंद्र पटेल कडवा पाटीदार समाज के नेता हैं। वे राज्य की पूर्व

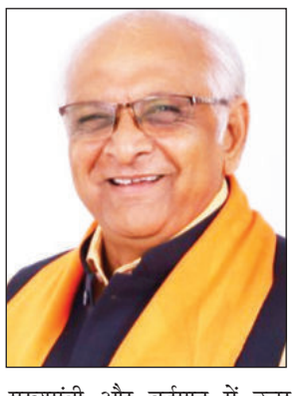

मुख्यमंत्री और वर्तमान में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन के करीबी माने जाते हैं। पटेल ने 2017 के विधानसभा चुनाव में अहमदाबाद जिले की घाटलोडिया सीट से रिकॉर्ड 1.17 लाख वोट से जीत दर्ज की थी। गुजरात की मुख्यमंत्री रहीं आनंदीबेन पटेल ने 2017 का विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। इसके बाद उनके कहने पर ही घाटलोडिया सीट से भूपेंद्र पटेल को टिकट दिया गया था। चुनाव में उन्होंने 69 लाख 55 हजार 707 रुपए की संपत्ति का हलफनामा दिया था। वे अहमदाबाद अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन भी रहे हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले विजय रुपाणी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी भाजपा विधायक दल की बैठक में मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक विजय रुपाणी गुजरात के लिए कभी भी स्थाई सीएम थे ही नहीं। उनका जाना तो तय था, बस तारीख तय नहीं थी। तारीख पर मुहर संघ प्रमुख के हाल ही में हुए गुप्त दौरे में मिले फीडबैक के बाद लगा दी गई। हालांकि उन्हें 2022 की जनवरी या फरवरी में इस्तीफा देना था, लेकिन भागवत के गुप्त दौरे ने रुपाणी के सीएम पद की उम्र थोड़ी कम कर दी। गुजरात का मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद भूपेंद्र पटेल ने पार्टी नेतृत्व और राज्य के सभी नेताओं व कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाए जाने के एलान के बाद विजय रूपाणी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और मीडिया के समक्ष संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्नति कर रहा है। ऐसे में अब मुझे आशा है कि भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात भी आगे बढ़ेगा और उन्नति करेगा। मेरी ओर से बहुत.बहुत बधाई। वहीं इसके बाद मीडिया को प्रतिक्रिया देते हुए रूपाणी ने कहा कि भूपेंद्र भाई सक्षम हैं और हमें पूर्ण विश्वास है कि आने वाले चुनावों में उनके नेतृत्व में पार्टी जीत हासिल करेगी।

किसानों को मोदी सरकार ने दिया एमएसपी का तोहफा

दूरसंचार व टेक्सटाइल को भी मिल सकती है राहत, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अनुराग ठाकुर ने कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट में लिए गए फैसलों की दी जानकारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

मोदी सरकार ने किसानों को रबी फसल को लेकर एमएसपी का बड़ा तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार ने मार्केटिंग सीजन 2022-23 के लिए रबी फसलों का एमएसपी बढ़ाने का फैसला लिया है। केंद्र ने गेहूं, बार्ले, चना, मसूर, सरसों और सन-फलॉवर का एमएसपी बढ़ा दिया गया है। सबसे ज्यादा मसूर और सरसों के एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। इसमें 400 रुपये का इजाफा किया गया है। वहीं सूत्रों के अनुसार इस में दूरसंचार और टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए राहत पैकेज पर ऐलान हो सकता है। साथ ही किसानों को भी रबी की फसलों की एमएसपी बढ़ाने के फैसले का ऐलान किया जा सकता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत सरकार किसानों द्वारा बेचे जाने वाले अनाज की पूरी मात्रा खरीदने के लिए तैयार रहती है। जब बाजार में कृषि उत्पादों का मूल्य गिर रहा होता है, तब सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पाद खरीदकर उनके हितों की रक्षा करती है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा फसल बोने से पहले ही कर दी जाती है। गेहूं का एमएसपी 1975 रुपये से बढ़कर 2015 रुपये हो गया है, बार्ले का 1600 रुपये से बढ़कर 1635 रुपये, चना की 5100 रुपये से 5230 रुपये, सरसों की 4650 रुपये से 5050 रुपये, सैफलॉवर का 5327 रुपये से 5441 रुपये और मसूर की 5100 रुपये है।

केंद्र ने गेहूं, बार्ले, चना, मसूर, सरसों और सैफलॉवर का एमएसपी बढ़ा दिया गया है। सबसे ज्यादा मसूर और सरसों के एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। इसमें 400 रुपये का इजाफा किया गया है। इसके बाद चने के एमएसपी में सबसे अधिक यानी 130 रुपये की बढ़ोतरी हुई, सैफलॉवर का एमएसपी 114 रुपये बढ़ा है, वहीं गेहूं और बार्ले का एमएसपी क्रमशः 40 और 35 रुपये बढ़ा है। केंद्र सरकार टेलीकॉम उद्योग के लिए एक लंबी अवधि के राहत पैकेज पर काम कर रही है। बता दें कि देश में कुछ टेलीकॉम कंपनियां इस समय वित्तीय संकट का सामना कर रही हैं। जानकारी के अनुसार इसमें एजीआर बकाया को फिर से परिभाषित किया जा सकता है और गैर संचार वस्तुओं को बाहर करने की योजना शामिल हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र के लिए राहत पैकेज का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय के पास भेजा भी जा चुका है। बता दें कि देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया का भारी एजीआर बकाया है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम की घोषणा हो सकती है। मालूम हो कि कपड़ा मंत्रालय ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन या पीएलआई योजना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार ने सुस्त पड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने या पुनर्जीवित करने के लिए जुलाई में 10,680 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। सरकार इन पैसों से परिधान को बढ़ावा देने, रोजगार और निर्यात क्षमता को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का मुख्य फोकस मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) के तहत 40 प्रोडक्ट श्रेणियों और तकनीकी वस्त्रों के तहत 10 उत्पाद श्रेणियों पर होगा। पीएलआई योजना के लागू होने से ग्रीनफील्ड (नई कंपनियां स्थापित की जा रही हैं) और ब्राउनफील्ड (कंपनियां जो पहले से ही परिचालन में हैं) में निवेश को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।

यूपी: बसपा नही देगी किसी बाहुबली व माफिया को टिकट

बदल रही चाल-चरित्र- यूपी चुनाव में बसापा का ब्राह्मणों के साथ को लेकर रहेगा जोर, बाहुबलियों से बनायेगी दूरी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/उत्तर प्रदेश/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

एक अरसे से उत्तर प्रदेश की सत्ता से दूर रही बसपा सुप्रीमों मायावती अब यूपी के चुनावों को देखते हुए बसपा में आमूलचूल परिवर्तन कर रही है। मायावती यूपी में बसपा को भाजपा का विकल्प बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाये है। जिसके तहत एक तरफ मायावती ब्राह्मणों के साथ को लेकर चलने पर जोर दे रही है वहीं दूसरी तरफ बाहुबलियों व माफियों से दूरी बना रही है। इसी कड़ी में पूर्वांचल के माफिया डॉन के तौर पर बदनाम बसपा के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बार टिकट देने से इनकार कर दिया है। मायवती के इस फैसले से राजनीतिक पंडित कुछ हैरान हैं। पिछले कुछ समय से लगातार मायावती ऐसे एलान कर रही हैं जिससे उनके बदले-बदले से होने का एहसास हो रहा है। बसपा ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव से जुड़ा बड़ा फैसला करते हुए कहा कि पार्टी का प्रयास होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा किसी भी बाहुबाली या माफिया से जुड़े आदमी को टिकट नहीं दे। सूत्रों की माने तो मजबूरी में ही सही, पर मायावती की पार्टी ने अब मूर्तियों और स्मारकों के बाद अब माफियाओं से दूरी बनाने का फैसला कर लिया है। पार्क और मूर्तियां बनवाकर जनता के पैसों को पानी की तरह बहाने का आरोप झेलने वाली बसपा अपने चाल-चरित्र और चेहरे में बदलाव कर खुद को मजबूत विकल्प के तौर पर पेश करने की तैयारी में जुट गई है। सात सितंबर को लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में मायावती ने कहा कि 2022 में सरकार बनने पर वह पार्क, मूर्ति व संग्रहालय नहीं बनवाएंगी।

वहीं 'तिलक तराजू और तलवार..... ' का नारा देने वाली बसपा का इस चुनाव में ब्राह्मणों पर ज्यादा प्यार उमड़ रहा है। वे ब्राह्मणों को अपने साथ जोड़ने की कवायद भी इसलिए कर रही हैं क्योंकि माना जा रहा है कि ब्राह्मण भाजपा से नाराज हैं। इसलिए बसपा ब्राह्मणों को उम्मीदवार बनाकर और चुनाव में उन्हें खड़ा करके 2022 के चुनाव में भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रही हैं। आखिर मायावती और बसपा के इतना बदल जाने की वजह क्या है? जानकार बताते हैं कि मायावती 2022 चुनाव के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं, क्योंकि यह चुनाव बसपा के अस्तित्व को बचाए रखने की भी एक लड़ाई है। मायवती जानती हैं कि यह उनके लिए ह्लकरो या मरोह्ल की स्थिति है। मुख्तार को बसपा से बाहर करने की रणनीति भी इसलिए बनाई है ताकि भाजपा से मुकाबला करने में कोई कोर-कसर न रह जाए। योगी सरकार इन दिनों माफियाओं-बाहुबलियों और दूसरे अपराधियों के खिलाफ चलाए सख्ती बरत रही है। बसपा को डर है कि भाजपा पार्टी चुनाव में अपराध मुक्त शासन को बड़ा मुद्दा बना सकती है। ऐसे में मुख्तार अंसारी जैसे दागियों को बढ़ावा देने से भाजपा उस पर सियासी हमला कर सकती है।

केंद्र सरकार ने महिलाओं को एनडीए में जाने की इजाजत देने का किया फैसला

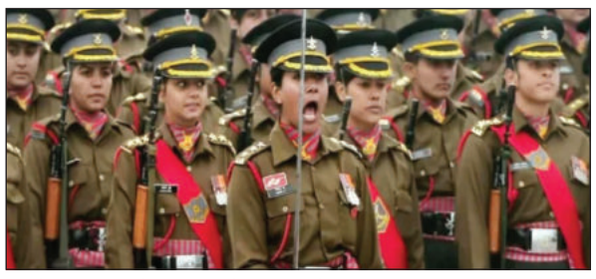

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी(एनडीए) के माध्यम से महिलाओं को सशस्त्र बलों में शामिल करने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल(एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ को यह जानकारी दी। पीठ एनडीए परीक्षा में महिलाओं को भाग लेने की अनुमति देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। एएसजी भाटी ने पीठ से कहा, ह्लएक अच्छी खबर है। सेना और सरकार के उच्चतम स्तर पर निर्णय लिया गया है कि एनडीए के माध्यम से महिलाएं सशस्त्र बलों में जा सकेंगी। भाटी ने कहा कि मंगलवार शाम को यह निर्णय लिया गया है। जिसके बाद पीठ ने एएसजी से एक हलफनामे के जरिए इस बयान को रिकॉर्ड में रखने को कहा। पीठ ने कहा, सशस्त्र बल इस देश की सम्मानित बल हैं। लेकिन लैंगिक समानता पर उन्हें और अधिक ध्यान देना होगा। पीठ अब दो हफ्ते बाद इस मामले पर सुनवाई करेगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित कर महिलाओं को अस्थायी आधार पर एनडीए परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी थी। कुश कालरा द्वारा दायर इस याचिका में एनडीए में योग्य एवं इच्छुक महिला उम्मीदवारों को शामिल नहीं करने का मसला उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि महिलाओं को केवल लिंग के आधार पर एनडीए में शामिल नहीं किया जाता है जो समानता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी कि योग्य महिला उम्मीदवारों को एनडीए परीक्षा में बैठने और एनडीए में प्रशिक्षण प्राप्त करने की अनुमति दी जाए।

वैष्णो देवी के दरबार पंहुचे राहुल, कांग्रेसियों ने धर्मयात्रा को बना दिया कांग्रेस रैली यात्रा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/जम्मू/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राहुल गांधी जम्मू के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह गुरुवार को जम्मू पहुंचकर सबसे पहले माता वैष्णो के दर्शन के लिए रवाना हुए। इस समय वह यात्रा मार्ग पर हैं, जहां माता वैष्णो देवी के जयकारों की गूंज है। राहुल की पद यात्रा के दौरान कांग्रेस के कार्यकताओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा मार्ग के दोनों ओर विभिन्न स्थानों पर ढोल-नगाड़े बज रहे हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि मैं यहां माता की पूजा करने आया हूं। यहां पर किसी तरह की कोई भी राजनीतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। वहीं कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अगर 13 किलोमीटर पैदल चलकर वैष्णो देवी माता के द्वार पर जाना चाहते हैं तो भाजपा को क्या ऐतराज है?

द्वारका पुलिस ने दो अपराधियों को अवैध हथियारों के साथ किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

द्वारका पुलिस ने दो कुख्यात अपराधियों को अवैध हथियारों के साथ अंबरहाई गांव के पास जाल बिछाकर पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपियों से दो देसी पिस्तौल, 3 जिंदा कारतूस व एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शुभ्म के खिलाफ 6 आपराधिक मामले दर्ज है और वह हत्या की कोशिश में दर्ज एक मामले में गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। वहीं आरोपी सतीश पर 3 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि पूर्व में पकड़े गये अपराधी सुनील उर्फ सोनू बोटल पुत्र सत नारायण निवासी एचएनओ सी-21/16 स्वर्ण पार्क, वीपीओ मुंडका दिल्ली से पूछताछ में आरोपी शुभम व सतीश के बारे में पता चला।

केरल में गैर मुस्लिमों को खत्म करने का षड़यंत्र, बिशप ने लगाया लव जिहाद का आरोप

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/केरल/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा/- केरल में तेजी से खत्म होती गैर मुस्लिम आबादि पर एक कैथोलिक बिशप ने गुरुवार को कहा कि राज्य में ईसाई लड़कियां बड़ी संख्या में ह्लव जिहाद और नार्कोटिक जिहाद के जाल में फंस रही हैं और जहां हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, वहां चरमपंथी अन्य धर्मों की युवतियों को बर्बाद करने के लिए ये हथकंडे अपना रहे हैं।

बिशप ने कहा कि जिहादी प्यार और दूसरे तरीकों से दूसरे धर्म की महिलाओं का दुरुपयोग आतंकी गतिविधियों या आर्थिक लाभ के लिए करते हैं। उनका लक्ष्य अपने धर्म को बढ़ाना और गैर-मुस्लिमों को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि चरमपंथियों के लिए यह युद्ध की रणनीति है।

अफगान मुद्दे पर एससीओ समिट में अलग-थलग पड़ सकता है भारत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ब्रिक्स गुट की मेजबानी कर रहे हैं। जिसमें भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन व साउथ अफ्रीका भी सदस्य देश है। यह समिट वर्चुअल हो रहा है और इसमें इन देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। वही 17 सिंतबर को एससीओ समिट यानी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक भी होनी है जिसमें भारत के अलावा चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान. भी सदस्य देश है। इस बैठक में अफगानिस्तान व तालिबान का मुद्दा भी उठना है जिसमें मोदी की शी जिनपिंग से लेकर पुतिन तक.बात होगी। हालांकि अभी तक अफगानिस्तान भारत के लिए नई चुनौती बनकर उभरा है और रूस-चीन तालिबान को लेकर एक साथ खड़े दिखाई दे रहे है। तो ऐसे में हो सकता है भारत एससीओ की इस बैठक में अफगानिस्तान व तालिबान को लेकर अलग-थलग पड़ जाये हालांकि अभी यह कहना थोड़ा मुश्किल है।

व्यापारी से 10 लाख की फिरोती मांगने वालों को पुलिस ने दबोचा

एक चिकन विक्रेता से 10 लाख की जबरन वसूली की फिराक में थे आरोपी, दे रहे थे जान से मारने की धमकी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ द्वारका स्पेशल स्टाफ ने एक त्वरित कार्यवाही में नजफगढ़ के एक मीट व्यापारी से 10 लाख की फिरोती मांगने वाले दो आरोपियों को चंद घंटों में दबोचने में सफलता प्राप्त की है। आरोपियों मे एक व्यापारी के यहो सालों से नौकरी कर रहा था जबकि दूसरा उसका साथी। दोनों जल्द पैसा कमाने के चक्कर में अपराधी बन गये और व्यापारी व उसके भतीजे को जान से मारने की धमकी देकर पैसा वसूलने की फिराक में थे। पुलिस ने इस मामले मे आरोपियों से दो मोबाईल फोन व सिम कार्ड बरामद कर लिये है जिनसे आरोपी फोन कॉल कर धमकाते थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि 4 सितंबर को पुलिस को एक शिकायत मिली थी जिसमें शिकायतकर्ता सुभाष चंद्र पुत्र नाथुराम ने शिकायत दी थी कि कुछ लोग उससे धमकी भरा फोन कर रहे है और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपी उनसे 10 लाख रुपए की मांग कर रहे है वरना उसे व उसके भतीजे को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस पर एसीपी विजय सिंह ने स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज निरिक्षक नवीन कुमार के नेतृत्व में एसआई जयवीर, एएसआई उमेश, एचसी संदीप, एचसी जितेंद्र, सीटी कुलवंत व सीटी राजीव की एक टीम बनाई और जान-माल का नुकसान होने से पहले आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिये। एसीपी विजय सिंह स्वयं इस मामले की कमान संभाली। टीम ने सर्विलांस व तकनीकी जानकारी तथा खबरियों की जानकारी के तहत कार्यवाही करते हुए गुरूग्राम से दो लोगों गोपाल व जितेन्द्र को संदेह के आधार पर दबोचा। इस कार्यवाही में एसएचओ नजफगढ़ ने भी टीम के साथ पूरा सहयोग किया और जांच व पूछताछ के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी गोपाल ने बताया कि वह सुभाष के यहां नौकरी करता है लेकिन उस पर 5 लाख का कर्ज था। कर्जदार पैसे मांग रहे थे। जिसे देखते हुए उसने अपने मालिक से पैसे निकालने की योजना बनाई और इसमें अपने साथी जितेन्द्र को भी मिला लिया। जो डीजे जॉकी का काम करता था। दोनो ने पीड़ित को धमकी भरा फोन किया और पैसे की मांग की न देने पर उसे व उसके भतीजे को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों को मंसुबो में सफल होने से पहले ही पकड़ लिया।

भोजन में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते है ये खाद्य पदार्थ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा/

स्वस्थ रहने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर और मजबूत बनाये रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए भोजन में पोषक तत्वों को बनाये रखना भी जरूरी है। विशेषज्ञों की माने तो फलों व सब्जियों का सेवल भोजन में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। इसीलिए तो डॉक्टर ताजे फल और सब्जियों का सेवन करने की सलाह देते हैं, क्योंकि इनमें भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जो विभिन्न रोगों से शरीर को बचाते हैं। दरअसल, हमारे भोजन में शामिल कुछ पोषक तत्वों से रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत किया जा सकता है। आज हम आपकों बता रहे है कि ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ है जिनके सेवन से आप आने शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा कर सकते हैं ताकि आपकी इम्यूनिटी बेहतर और मजबूत बन सकें? इस संबंध में मैट्रो अस्पताल के निदेशक डा. अजय पुंडीर ने बताया कि हम कैसे फलों व सब्जियों के सेवन से शरीर के पोषक तत्वों की कमी को पूरा कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाये रख सकतें है। **विटामिन-सी**विशेषज्ञ कहते हैं कि विटामिन-सी में एंटी-ऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं और शरीर को होने वाले नुकसान और संक्रमण से भी बचाते हैं। फलों में नींबू, संतरा, अंगूर, पपीता, स्ट्रॉबेरी, आंवला और सब्जियों में ब्रोकली, हरी मिर्च, लाल और पीली शिमला मिर्च, टमाटर आदि विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इसलिए इन्हें अपने आहार में जरूर शामिल करें।

आयरन-शरीर में आयरन की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी कमी आ जाती है और थकान, कमजोरी जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। अपने आहार में इस पोषक तत्व की मात्रा भरपूर रखें। इसके लिए कम वसा वाला मांस या चिकन, पालक, ब्रोकली, सलाद पत्ता, साबुत अनाज, सेम, मटर, अंकुरित फलियां, गुड़ और खजूर आदि को अपने आहार में शामिल करें, क्योंकि इनमें आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

द्वारका एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्यवाही, 2 करोड़ की ड्रग्स के साथ पकड़ा एक अफ्रीकी

मोहन गार्डन से आरोपी से 200 ग्राम एम्फैटेमिन कंट्राबेंड ड्रग्स की बरामद, कोर्ट ने आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

द्वारका जिला के तहत मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में रह रहे विदेशी नागरिकों पर पुलिस ड्रग्स तस्करी को लेकर नजर रखे हुए है। इसी कड़ी में द्वारका एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए एक अफ्रीकी नागरिक को 200 ग्राम एम्फैटेमिन कंट्राबेंड ड्रग्स के साथ पकड़ा है जिसकी बाजार कीमत 2 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही हे ताकि ड्रग्स तस्करी से जुड़े रैकेट का पता लगाया जा सके। इस संबंध में द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि जिला में ड्रग्स की सप्लाई व तस्करी को लेकर पुलिस पूरी तरह से सावधान है और हर उस कड़ी पर नजर रखे हुए जहां से ड्रग्स तस्करी की थोड़ी सी संभावना है। जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल ने मोहन गार्डन में एक बड़ी कार्यवाही करते हुए एक अफ्रीकी नागरिक जेम्स एंथनी जो कि नाइजीरिया का रहने वाला है को 200 ग्राम एम्फैटेमिन कंट्राबेंड ड्रग्स के साथ पकड़ा है। जिसकी बाजार कीमत 2 करोड़ रुपए बताई जा रही है। हवलदार हेतराम को सूचना मिली थी कि एक विदेशी नागरिक क्षेत्र में ड्रग्स बेच रहा है। हवलदार ने यह बात अपने आला अधिकारियों को बताई जिस पर एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह यादव ने एसआई सुभाष चंद्र के नेतृत्व में एएसआई करतार, एचसी जितेंद्र, सीटी रवि, सीटी. हेतराम और सी.टी. कुलदीप की एक टीम का गठन किया और आरोपी की जांच करने के आदेश दिये।

पुलिस का शिकंजा किसान आंदोलन के नाम पर आपराधिक वारदात की फिराक में अलग-अलग स्थानों पर घूम रहे थे तीनों बदमाश

अवैध हथियारों के साथ तीन अपराधियों को सीआईए टू बहादुरगढ़ किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ बहादुरगढ़ क्षेत्र में किसान आंदोलन के समर्थन में आए तीन युवकों को अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियारों के साथ काबू किया गया है। सीआईए टू बहादुरगढ़ की अलग-अलग टीमों द्वारा मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को अवैध हथियार के साथ काबू करने में कामयाबी हासिल की गई। विशेष रुप से नाजायज असला पकड़ने तथा वांछित दोषियों की धरपकड़ करने के दिशा निर्देश अनुसार कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से सीआईए टू बहादुरगढ़ की अलग-अलग टीमों द्वारा तीन आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से तीन देसी पिस्तौल बरामद किए गए। जानकारी देते हुए सीआईए टू बहादुरगढ़ के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि किसान आंदोलन क्षेत्र में किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देंने की फिराक में घूम रहे दो युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए दोनों आरोपियों से प्राथमिक पूछताछ में उनके तीसरे साथी के संबंध में खुलासा हुआ। जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए उनके तीसरे साथी को भी काबू कर लिया गया। पकड़े गए तीसरे युवक के कब्जे से भी एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ। सीआईए टू प्रभारी बहादुरगढ़ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक झज्जर श्री राजेश दुग्गल आईपीएस द्वारा जिला में चल रहे किसान आंदोलन क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखने के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए थे। एसपी के दिशा निदेर्शानुसार सीआईए टू बहादुरगढ़ की विभिन्न टीमों ने सतर्कता से कार्रवाई करते हुए अवैध असलाह के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई थी। सीआईए टू बहादुरगढ़ में तैनात मुख्य सिपाही विनोद कुमार की टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को काबू किया गया। पकड़े गए युवक के कब्जे से एक देशी पिस्तौल बरामद हुआ। अवैध हथियार के साथ पकड़े गए आरोपी की पहचान अमनदीप निवासी नजदीक रानिया चुंगी सिरसा के तौर पर हुई।

पकड़े गए आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए थाना शहर बहादुरगढ़ में आपराधिक मामला दर्ज किया गया। वही एक अन्य मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सीआईए टू बहादुरगढ़ में तैनात मुख्य सिपाही नीरज कुमार की पुलिस टीम द्वारा एक युवक को संदेह के आधार पर पीडीएम फ्लाईओवर बहादुरगढ़ के नजदीक से काबू किया गया।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करें सरकार: इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- गोरक्षा को किसी भी धर्म से जोड़ने की जरूरत नहीं, गायों को मौलिक अधिकार देने के लिए बिल लाए सरकार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ लखनऊ/प्रयागराज/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
गाय को लेकर देश में मच रहे बवाल व गोरक्षक दलों की मनमानी को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाय को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि गोरक्षा को किसी भी धर्म से जोड़ने की जरूरत नहीं है। गाय को अब राष्ट्रीय पशु घोषित कर देना चाहिए। केंद्र सरकार को इस पर विचार करने की जरूरत है। हालांकि यह काम नेताओं व सरकारों को काफी समय पहले कर देना चाहिए था लेकिन गाय पर हो रही राजनीति व वोट बैंक के कारण नेता इस मुद्दे पर ध्यान नही दे रहे है। लेकिन हाईकोर्ट ने नेताओं व सरकार का काम आसान कर दिया है और गाय को भी उसके मौलिक अधिकार दिलाने की पहल कर दी है। जस्टिस शेखर कुमार यादव ने सिंगल बेंच की अध्यक्षता करते हुए यह भी कहा कि गायों को मौलिक अधिकार देने के लिए केंद्र सरकार को संसद में एक विधेयक पारित करना चाहिए। हाईकोर्ट ने अपने सुझाव में कहा कि केंद्र सरकार संसद में बिल लाकर गाय को राष्ट्रीय पशु का

दर्जा दे। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि जब गायों का कल्याण होगा, तभी देश का कल्याण होगा। गाय भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। संसद जो भी कानून बनाए, सरकार उस पर सख्ती से अमल कराए।

बुधवार को जावेद नाम के शख्स की याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस शेखर कुमार यादव ने ये टिप्पणी की है। जावेद पर गोहत्या रोकथाम अधिनियम की धारा 3, 5 और 8 के तहत आरोप हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि गोरक्षा सिर्फ किसी एक धर्म की जिम्मेदारी नहीं है। गाय इस देश की संस्कृति है और इसकी सुरक्षा हर किसी की जिम्मेदारी है। फिर चाहे आप किसी भी धर्म से ताल्लुक क्यों ना रखते हों। जस्टिस शेखर कुमार यादव ने ये फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार को अब संसद में एक बिल लाना चाहिए। गाय को भी मूल अधिकार मिलने चाहिए। समय आ गया है कि अब गाय को एक राष्ट्रीय पशु घोषित कर दिया जाए। जो भी गाय को परेशान करते हैं, उन्हें नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

जज ने जोर देकर कहा है कि जब तक देश में गायों को सुरक्षित नहीं किया जाएगा, देश की तरक्की अधूरी रहेगी। जस्टिस शेखर कुमार यादव ने तर्क दिया कि भारत ही एक ऐसा देश है, जहां पर विभिन्न धर्मों के लोग साथ रहते हैं। हर कोई अलग पूजा करता है, लेकिन फिर भी सभी की देश के प्रति एक सोच दिखती है। ऐसे में कोर्ट ने याचिकाकर्ता की याचिका खारिज करते हुए कहा है कि कुछ लोग ऐसे अपराध कर देश को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। उनके विचार देश हित में नहीं होते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाय की हत्या के आरोपी जावेद को जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस शेखर यादव की खंडपीठ ने कहा कि आवेदक ने गाय चुराने के बाद उसे मार डाला था, उसका सिर काट दिया था और उसका मांस भी रखा था। आवेदक का यह पहला अपराध नहीं है, इस अपराध से पहले भी उसने गोहत्या की थी, जिससे समाज का सौहार्द बिगड़ गया था।

हाईकोर्ट की 7 बड़ी बातें

- मौलिक अधिकार केवल गोमांस खाने वालों का ही नहीं है, बल्कि जो गाय की पूजा करते हैं और आर्थिक रूप से गायों पर निर्भर हैं, उनके पास भी है।
- जीवन का अधिकार मारने के अधिकार से ऊपर है और गोमांस खाने के अधिकार को कभी भी मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता है।
- गाय बूढ़ी और बीमार होने पर भी उपयोगी है। उसका गोबर और मूत्र कृषि, दवा बनाने के लिए बहुत उपयोगी है।
- ऐसा नहीं है कि केवल हिंदू ही गायों के महत्व को समझ चुके हैं, मुसलमानों ने भी गाय को भारत की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना है।
- पांच मुस्लिम शासकों ने गायों के वध पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाबर, हुमायूं और अकबर ने भी अपने धार्मिक त्योहारों में गायों की बलि पर रोक लगा दी थी।
- ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां गोशाला में गायों की भूख और बीमारी से मौत हो जाती है। उन्हें गंदगी के बीच रखा जाता है। वो पॉलीथीन खाकर मर जाती हैं।
- पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग रहते हैं, जो अलग-अलग तरह से पूजा करते हैं, लेकिन उनकी सोच एक ही है।

किसानों ने जाना कृषि वस्तुओं में मानकीकरण का महत्व

कृषि विज्ञान केंद्र ने किया कृषक जागरूकता का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/खेती-बाड़ी/ नजफगढ़/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
कृषि वस्तुओं का मानकीकरण, अंकन एवं गुणवत्ता प्रमाणन विषय पर बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र उजवा में राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान नई दिल्ली एवं भारतीय मानक ब्यूरो नई दिल्ली के द्वारा कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में नजफगढ़ एसडीएम एवं आईएएस अमित काले ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय मानक ब्यूरो नई दिल्ली के विभिन्न पदाधिकारी राजपाल, नीरज, निशांत पाराशर एवं सुश्री सुहानी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में नजफगढ़ देहात के करीब 80 किसानों व एफपीओ समुहों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर कृषि वस्तुओं व उपकरणों में मानकीकरण के महत्व का भारतीय मानक ब्यूरों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरूआत केविके परिसर के सभागार में दीप प्रज्वलन से हुई। जिसमें मुख्यअतिथि श्री अमित काले व डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता के साथ बीआईएस के अधिकारियों व किसानों ने दीप प्रज्जवलन किया। इस अवसर पर डॉ प्रमोद कुमार गुप्ता अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र उजवा एवं निर्देशक राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान नई दिल्ली ने सभी गणमान्य अतिथियों वैज्ञानिकगणों एवं किसान बंधुओं का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हार्दिक स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तृत रूप से प्रतिभागियों को जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम के इस क्रम में मुख्य अतिथि आईएएस अमित काले ने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रक्षेत्रों का भ्रमण करते हुए केंद्र द्वारा किए जा रहे किसान हितैषी एवं कल्याणकारी परियोजनाओं की प्रशंसा की एवं भविष्य में प्रशासन द्वारा किसानों के विकास कार्यों में योगदान देने का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र को सरकारी विद्यालय में मेरा स्कूल-मेरा खेत जैसी एक नई पहल पर कार्य करके विद्यार्थियों को फसल बागवानी एवं पोषण व गुणवत्ता युक्त भोजन के बारे में जागरूक करना चाहिए। तकनीकी सत्र के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो के वैज्ञानिक राजपाल सिंह ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो एक राष्ट्रीय मानक निकाय है जो कृषि आदान एवं उपकरण से मानकीकरण अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों में शामिल पूर्ण विकास के लिए तथा उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों पर कार्य करता है। भारतीय मानक ब्यूरो का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सुरक्षित विश्वसनीय गुणवत्ता वाले सामान को प्रदान करवाना, उपभोक्ताओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी खतरों को कम करना, निर्यात और आयात विकल्प को बढ़ावा देना व मानकीकरण प्रमाणन और परीक्षण के माध्यम से नकली वस्तुओं के प्रसार पर नियंत्रण करना है। साथ ही ब्यूरों के अन्य पदाधिकारियों ने किसानों को बीआईएस मानकीकरण एवं गुणवत्ता प्रमाणन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को किस प्रकार से नकली कृषि आदानो एवं उपकरण से बचना चाहिए। अधिकारियों ने किसानों को किस प्रकार मानकीकरण व गुणवत्ता युक्त उत्पादों की पहचान कैसे करें इसकी विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने ब्यूरो द्वारा बनाए गए केयर ऐप के बारे में तकनीकी जानकारी भी दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि विज्ञान केंद्र की सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम में दिल्ली देहात के विभिन्न गांवों के 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का सरकार से सवाल

क्या धर्मनिरपेक्ष राज्य मदरसों को फंड दे सकता है?

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ प्रयागराज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धार्मिक शिक्षा पर फंडिंग को लेकर बुधवार को कई अहम सवाल किए. हाईकोर्ट ने सवाल किया कि क्या एक धर्म निरपेक्ष राज्य मदरसों को फंडिंग कर सकता है? हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा कि क्या संविधान के अनुच्छेद 28 के तहत मदरसे धार्मिक शिक्षा संदेश और पूजा पद्धति की शिक्षा दे सकते हैं? यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने प्रबंध समिति मदरसा अंजुमन इस्लामिया फैजुल उलूम की याचिका पर दिया है। हाईकोर्ट ने ये भी पूछा कि क्या मदरसों में महिलाओं को प्रवेश मिलता है? अगर नहीं मिलता तो क्या ये भेदभावपूर्ण नहीं है?
हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से कई सवाल

पूछे हैं. हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जानना चाहा कि क्या संविधान के तहत मदरसे धार्मिक शिक्षा और पूजा पद्धति की शिक्षा दे सकते हैं?
साथ ही ये सवाल भी किया कि क्या मदरसे अनुच्छेद 25 से 30 तक मिले मौलिक अधिकारों के तहत सभी धर्मों के विश्वास को संरक्षण दे रहे हैं? हाईकोर्ट ने ये भी पूछा कि क्या मदरसों में महिलाओं को प्रवेश मिलता है? अगर नहीं मिलता तो क्या ये भेदभावपूर्ण नहीं है? हाईकोर्ट ने पूछा कि क्या मदरसे सभी धर्मों के विश्वास को संरक्षण दे रहे हैं? क्या अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के शिक्षण संस्थानों को भी सरकार सहायता देती है? कोर्ट ने ये भी पूछा है कि स्कूलों में खेल मैदान रखने के अनुच्छेद 21 और 21ए की अनिवार्यता का पालन किया जा रहा है? अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के धार्मिक शिक्षा संस्थानों को सरकार फंड दे रही है?

हाईकोर्ट ने राज्य से पूछे ये सवाल

- क्या मदरसे अनुच्छेद 28 के तहत धार्मिक शिक्षा दे सकते हैं?
- क्या सरकार दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के धार्मिक शिक्षा संस्थानों को फंड दे रही है?
- . क्या मदरसों में महिलाओं के प्रवेश पर रोक है?
- . क्या मदरसे मौलिक अधिकारों के तहत सभी धर्मों के विश्वासों को संरक्षण दे रहे हैं?
- क्या यहां अनुच्छेद 21 और 21ए के तहत खेल के मैदान हैं?

शिक्षक राष्ट्र का सच्चा निर्माणकर्ता- आचार्य हरिओम शास्त्री

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा
शुक्रवार को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 278 वां वेबिनार था। इस मौके पर मुख्य अतिथि आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र का सच्चा निर्माणकर्ता है। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि शिक्षक, अध्यापक और आचार्य ये तीनों ही मनुष्य निर्माण का कार्य करते हैं। एक शिक्षक व आचार्य अपने जीवन काल में असंख्य शिष्यों के निर्माण का पुण्य कार्य करता है।

सांख्य दर्शनकार महर्षि कपिल कहते हैं कि उपदेश्योपदेष्टृत्वात तत्सिद्धिः। इतरथान्ध परम्परा।।जब तक संसार व समाज में योग्य शिक्षक, अध्यापक और आचार्य होते हैं तब तक उपदेश व शिक्षा की सफलता होती है। परन्तु इनके न रहने पर केवल अंधपरंपराएं ही चलती हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण बैंककर्मियों ने मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/ शव कुमार यादव/भावना शर्मा/
देश के 43 ग्रामीण बैंकों को आपस में मिलाकर भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक बनाने और ग्रामीण बैंकों में केंद्र सरकार की पूंजी यथावत रखने की मांग को लेकर ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एंप्लाइज एसोसिएशन के आहवान पर विभिन्न राज्यों से आए हुए हजारों ग्रामीण बैंक कर्मियों ने जंतर-मतंर पर धरना-प्रदर्शन किया। मीडिया प्रभारी षिव करण द्विवेदी ने बताया कि ग्रामीण बैंक कर्मियों का आरोप है कि भारत सरकार ग्रामीण बैंककर्मियों और ग्रामीण बैंकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। सरकार द्वारा प्रायोजक बैंककर्मियों के समान सभी नियम और सुविधाएं लागू नहीं की जा रही है। ग्रामीण बैंकों के 25,000 से अधिक दैनिक सदेंशवाहको और अशंकालिक सफाईकर्मियों को प्रायोजक बैंक के समान न तो वेतन दिया जा रहा है और ना ही उनका नियमितिकरण किया गया है।

पूर्व अर्धसैनिकों की मांगों को लेकर राष्ट्रपति से मिले एसो. के सदस्य

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन के 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने महासचिव रणबीर सिंह के नेतृत्व में पूर्व अर्धसैनिकों की पुरानी पैंशन बहाली व अन्य कल्याण संबंधित मुद्दों को लेकर महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। महासचिव रणबीर सिंह के अनुसार देश के गृहमंत्री, रक्षा मंत्री, वित्तमंत्री, गृह राज्यमंत्री, अन्य केंद्रीय मंत्रियों से पुर्व अर्धसैनिकों के प्रतिनिधियों की मुलाकात के बावजूद कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलने के बाद महामहिम राष्ट्रपति जी से गुहार लगाई गई। निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गई जिसमें अर्धसैनिक बलों की पुनः पैंशन बहाली, राज्यों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों का गठन, सीपीसी कैंटीन पर 50 फीसदी जीएसटी छूट, सरदार पटेल के नाम पर राज्यों की राजधानियों में अर्धसैनिक स्कूलों की स्थापना की मांग की गई है।

झज्जर एसपी ने बहादुरगढ़ में ली पुलिस अधिकारियों की बैठक

बैठक में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
बृहस्पतिवार को विशेष रूप से बहादुरगढ़ पहुंचे पुलिस अधीक्षक झज्जर राजेश दुग्गल ने पुराना अदालत परिसर बहादुरगढ़ में जिला के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसपी श्री दुग्गल की मुख्य मौजूदगी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत भूषण आईपीएस, डीएसपी बहादुरगढ़ पवन कुमार, डीएसपी झज्जर राहुल देव, अपराध जांच शाखा प्रथम व द्वितीय बहादुरगढ़ प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार व मनोज कुमार, अपराध जांच शाखा झज्जर के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सहित बहादुरगढ़ क्षेत्र के थाना प्रबंधक व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान

झज्जर जिला में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा वर्तमान हालात के बारे में एसपी ने जायजा लिया। बैठक में सभी अधिकारियों को कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के संबंध में उच्चाधिकारियों के आदेशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश किए गए। बैठक में एसपी श्री राजेश दुग्गल ने कहा कि जिला में विशेषकर बहादुरगढ़ एरिया में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी आपस में लगातार संपर्क व तालमेल बनाए रखें। सभी अधिकारी आपस में सूचनाओं का लगातार आदान प्रदान करते रहें। किसी भी तरह के अपराध की सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करें। आपराधिक मामलों के वांछित दोषियों की धरपकड़ के लिए गंभीरता से हर संभव कार्रवाई अमल में लाई जाए। सोशल मीडिया व क्षेत्र में हर तरह की परिस्थिति पर कड़ी निगाह रखें। किसी तरह की अफवाहें ना फैलने दें।

किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वाले शरारती तत्वों की गतिविधियों पर निगाह रखते हुए समुचित कार्रवाई करें। शांति एवं कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए परिस्थितियों के मुताबिक सुरक्षा के हर संभव कदम उठाए जाएं। उन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपलब्ध पुलिस बल व केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कम्पनियों के जवानों के स्वास्थ्य को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जवानों के रहन-सहन व जलपान की उचित व्यवस्था करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

योगी सरकार की मथुरा-वृंदावन को लेकर पहल, शराब-मांस की ब्रिक्री पर लगाई रोक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मथुरा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा
यूपी में योगी सरकार ने मथुरा-वृंदावन तीर्थस्थल को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी ने मथुरा-वृंदावन के 10 वर्ग किमी इलाके को तीर्थ स्थल घोषित कर दिया है। जिसके तहत क्षेत्र में शराब-मांस की ब्रिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। योगी सरकार की इस घोषणा पर लोगों ने खुशी जताते हुए घोषणा का स्वागत किया है। तीर्थ स्थल घोषित किए गए इलाके में 22 नगर निगम वार्ड क्षेत्र आते हैं। यूपी में तीर्थस्थलों के विकास का काम चल रहा है। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा में भक्तों के लिए सुविधाएं बेहतर की जा रही हैं। बता दें कि सीएम योगी ने

जन्माष्टमी के मौके पर बड़ा ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि मथुरा के सातों तीर्थ स्थल क्षेत्रों में शराब और मांस की बिक्री पर रोक लगाई जाए। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिए थे। धर्मार्थ कार्य विभाग के मुताबिक मथुरा के 7 इलाकों को हाल ही में तीर्थ क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। बता दें कि योगी सरकार ने 2017 में वृन्दावन, नंदगांव, गोवर्धन, गोकुल, बलदेव और राधाकुंड को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने के आदेश दे चुकी है।. अब इन इलाकों में शराब और मांस नहीं बेचा जा सकेगा। यूपी में तीर्थस्थलों का विकास किया जा रहा है। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा समेत तमाम जगहों पर बेहतर सुविधाएं देने को लेकर कई योजनाओं पर कामकाज जारी है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। वहीं पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पर भी काम तेजी से चल रहा है। यह काम पूरा होने से भक्त बिना किसी परेशानी से आसानी से भगवान के दर्शन कर सकेंगे। सरकार की योजना है कि मंदिर के आस पास के इलाकों में मांस और शराब की बिक्री पर रोक लगा दी जाए।

भवानीपुर में शुरू हुआ बाहरी कैंडिडेट पर संग्राम, भाजपा प्रत्याशी ने ममता पर उठाये सवाल

मैं यहीं की बेटी, ममता बाहरी, दोनो हारे हुए प्रत्याशी लड़ रहे चुनाव: बीजेपी कैंडिडेट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पश्चिमी बंगाल/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/
पश्चिम बंगाल की भवानीपुर सीट पर उप-चुनाव को लेकर चुनावी संग्राम शुरू हो चुका है। इस सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी प्रियंका टिबरेवाल ने अपनी प्रतिद्वंदी और राज्य की सीएम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को बाहरी बता दिया है। प्रियंका टिबरेवाल ने कहा, 'मैं भवानीपुर में पैदा हुई थी, ममता बनर्जी भवानीपुर में पैदा नहीं हुई थीं'। भवानीपुर विधानसभा सीट पर 30 सितंबर को होने वाले उपचुनाव में प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को टक्कर देने जा रहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल ने

शुक्रवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा विधानसभा चुनावों के बाद की गई प्रताड़ना और हिंसा को उजागर करना चुनाव में एक प्रमुख मुद्दा होगा। हालांकि ममता व टिबरेवाल दोनो प्रत्याशी पश्चिमी बंगाल विधानसभा के आम चुनावों में हार चुके है और भवानीपुर से अपनी किस्मत आजमा रहे है। पेशे से वकील टिबरेवाल कलकत्ता उच्च न्यायालय में टीएमसी सरकार के खिलाफ चुनाव बाद हिंसा को लेकर दायर मामलों की याचिकाकताओं में से एक हैं। पार्टी ने मिलन घोष और सुजीत दास के नाम की घोषणा क्रमशः शमसेरगंज और जांगीपुर सीट से पार्टी उम्मीदवारों के तौर पर की है। मतगणना तीन अक्टूबर को होगी और उसी दिन नतीजों का ऐलान भी होगा।

अमेरिका की चेतावनी बगराम एयरफोर्स बेस हथियाना चाहता है चीन, भारत के खिलाफ करेगा पाकिस्तान का इस्तेमाल

राष्ट्रपति बाइडन ने अपने समर्थकों और लोगों का भरोसा खोया: निक्की

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देश-विदेश/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व दूत निक्की हैले ने कहा कि अफगानिस्तान से सेना वापसी के फैसले के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने समर्थकों और लोगों का भरोसा खो दिया है। ऐसे में अमेरिका के सामने अब कई तरह की चुनौतियां आएंगी। वहीं अमेरिका ने तालिबान और चीन की बढ़ती नजदीकियों पर चिंता जाहिए करते हुए चेतावनी दी है। उसका मानना है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद चीन अफगान धरती का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए

करना चाहेगा। पूर्व वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन अब बगराम एयरफोर्स बेस को हथियाने की हरसंभव कोशिश करेगा। इसकी मदद से वो पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मजबूत करना चाहेगा।
संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के पूर्व दूत निक्की हैले ने कहा कि अफगानिस्तान से सेना वापसी के फैसले के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने समर्थकों और लोगों का भरोसा खो दिया है। ऐसे में अमेरिका के सामने अब कई तरह की चुनौतियां आएंगी। अमेरिका को अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। यही नहीं, अमेरिका को साइबर सुरक्षा पर भी खास ध्यान देना होगा। रूस जैसे देश हम पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूकेगे, क्योंकि उनके पिछले साइब हमले का हमने मुंह तोड़ जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि हमें चीन पर पहले से ज्यादा सतर्कता से नजर रखनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि अब चीन अफगानिस्तान के जरिए अपने मंसूबे पूरा करना चाहेगा। अब तक वह पाकिस्तान के जरिए भारत पर दबाव नहीं बना रहा था, लेकिन अब वह बगराम एयरफोर्स बेस के जरिए पाकिस्तान का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करने की कोशिश करेगा। ऐसे में अमेरिका के सामने सिर्फ अंदरूनी ही नहीं, वैश्विक मुददों से निपटने की ताकत भी होनी चाहिए। जुलाई में अमेरिकी सेना ने करीब 20 साल बाद बगराम एयरफील्ड को छोड़ा। यह अफगानिस्तान का सबसे अहम बेस है।

वह है हमारे सहयोगियों को मजबूत करना, उन रिश्तों को मजबूत करना, हमारी सेना का आधुनिकीकरण करना और यह सुनिश्चित करना कि हम साइबर-अपराधों और आतंकवाद के लिए पूरी तरह से तैयार रहें। ऋहोंने कहा कि यह समय है कि राष्ट्रपति बाइडन का प्रशासन भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अपने प्रमुख सहयोगियों तक पहुंचे और उन्हें आश्वस्त करें कि अमेरिका उनकी मदद करेगा।

आजादी के साथ पीरियड पॉजिटिव-दिल्ली देहात अभियान का शुभारंभ

दूरसंचार व टेक्सटाइल को भी मिल सकती है राहत, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अनुराग ठाकुर ने कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट में लिए गए फैसलों की दी जानकारी

- आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर दिल्ली देहात में 75 कार्यशाला होंगी आयोजित
- अभियान की शुरूआत में फाउंडेशन ने करीब 35 लड़कियों को बांटे स्त्री स्वाभिमान पैड व दुपट्टे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नॉन वायलेंस पीस फाउंडेशन ने महिलाओं में हैल्थ हाइजीन के प्रति जागरूकता लाने और मानसिक स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए आजादी के साथ पीरियड पॉजिटिव-दिल्ली देहात अभियान का शुभारंभ किया है।

इस अवसर पर फाउंडेशन ने करीब 35 लड़कियों को स्त्री स्वाभिमान पैड व दुपट्टे बांटे तथा हैलथ हाइजीन को लेकर महिलाओं को जागरूक किया। इस अवसर पर नॉन वायलेंस पीस फाउंडेशन के अध्यक्ष शिव कुमार यादव, कोषाध्यक्ष भावना शर्मा, सचिव बिरेन्द्र कुमार सोनी, अबना फाउंडेशन की अध्यक्षा प्रतिमा नस्कर, समाजसेविका संगीता शर्मा व शशांक द्विवेदी ने कार्यशाला का आयोजन किया।

हैल्थ हाईजीन पर प्रतिमा नस्कर व भावना शर्मा ने महिलाओं व युवतियों को पीरियड्स के दौरान होने वाली जटीलताओं व समस्याओं के बारे में महिलाओं से बात की और उन्हे महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई। भावना शर्मा ने कामकाजी महिलाओं को सरकारी मदद व योजनाओं के बारें में विस्तृत जानकारी दी।

इस मौके पर सचिव बिरेन्द्र कुमार सोनी ने फाउंडेशन के बारे में महिलाओं को बताया और कैसे फाउंडेशन महिलाओं के लिए काम करता है इसकी भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनका फाउंडेशन हर महीने महिलाओं को पैड मुफ्त देगा और जो महिला पैड बनाने के लिए प्रशिक्षण लेना चाहती है उनको फाउंडेशन प्रशिक्षित करेगा ताकि वो अच्छा व सस्ता पैड गरीबों तक पंहुचा सके।

अध्यक्ष शिव कुमार यादव ने बताया कि फाउंडेशन आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दिल्ली देहात के विभिन्न स्कूलों व स्लम क्षेत्रों में 75 कायार्शालाओं का आयोजन करेंगे। जिसमें महिलाओं को हैल्थ हाईजीन के बारे में जागरूक किया जायेगा तथा उन्हे पैड व दुपट्टे मुफ्त देंगे।

वायु प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था हो बेहतर: अरूणिमा सिन्हा

मिस इंडिया रनरअप 2020 मान्या सिंह व पर्वतारोही पद्मश्री अरूणिमा सिन्हा ने वायु प्रदुषण को लेकर जताई चिंता

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ वातावरण/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-

वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकारी मुस्तैरदी के साथ-साथ जनजागरूकता बेहद जरूरी, ताकि हम पृथ्वी पर जीवन को बचा सकें। वायु प्रदुषण की निगरानी व्यवस्था पर ने केवल पद्मश्री पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा व मिस इंडिया 2020 मान्या सिंह ने सवाल उठाये बल्कि वायु प्रदुषण को लेकर अपने विचार भी सांझा किये। उत्तर प्रदेश की 99 प्रतिशत से ज्यादा आबादी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है और उससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश में इस खतरे की वास्तविकता के सही आकलन के लिये पर्याप्त निगरानी केन्द्रों का अभाव है। इस गम्भीर मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फेमिना मिस इंडिया (रनर अप) मान्या सिंह कहती हैं, ह्लजिसे मेजर या नापा जा सकता है, उसी को मैनिज किया जा सकता है। इसलिए ये बेहद जरूरी है कि हमारे प्रदेश में वायु प्रदूषण की मोनिटरिंग बढ़े। कुछ ऐसा ही कहना था पद्मश्री पर्वतारोही डॉ अरुणिमा सिन्हा का, जिन्होंने उत्तर प्रदेश की वायु गुणवत्ता पर क्लाइमेट ट्रेंड्स नामक संस्था द्वारा आयोजित एक वेबिनर में कहा, ह्लसाफ हवा की एहमियत मुझसे बेहतर कौन समझ सकता है? जब एवेरेस्ट पर चढ़ रही थी तब ऑक्सीजन की कमी बड़े अच्छे से खसूस की थी मैंने और आज अपने प्रदेश में वायु प्रदूषण के इन स्तरों से बेहद आहत हूँ मैं। मुझे तो पहाड़ की ऊँचाइयाँ ही पसन्द आती हैं क्योंकि कम से कम वहां साफ हवा और नीला आसमान तो दिखता है। इस वेबिनार में क्लाइमेट ट्रेंड्स ने एक रिपोर्ट भी जारी की जिसमें यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की 99 प्रतिशत से ज्यादा आबादी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है और उससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश में इस खतरे की वास्तविकता के सही आकलन के लिये निगरानी केन्द्रों की संख्या बीते सालों में बढ़ी तो है, लेकिन अब भी पर्याप्त निगरानी केन्द्रों का अभाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब सरकार से ज्यादा इसे आम लोगों का मुद्दा बनाने की जरूरत है ताकि वे वायु प्रदूषण रूपी अदृश्य कातिल से निपट सकें। क्लाइमेट ट्रेंड्स द्वारा उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण की समस्या को लेकर मंगलवार को आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक सिंधु-गंगा के मैदान हवा के लिहाज से देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित क्षेत्र हैं। इस विशाल भूभाग के हृदय स्थल यानी उत्तर प्रदेश की 99.4ज आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां वायु प्रदूषण का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा है। अध्ययन में सुझाव दिये गये हैं कि उत्तर प्रदेश में हवा की गुणवत्ता पर निगरानी के नेटवर्क को किफायती, सेंसर आधारित तथा रेगुलेटरी ग्रेड मॉनिटर्स की मदद से जल्द से जल्द विस्तार देना होगा, क्योंकि वायु प्रदूषण क्षेत्रीय होने के साथ-साथ अत्यंत स्थानीय समस्या भी है, ऐसे में इस पर सघन निगरानी बहुत जरूरी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए प्रमाण आधारित पद्धतियों को अपनाने के वास्ते संदर्भ निगरानी केंद्रों के साथ कम कीमत वाले मॉनिटर जैसी किफायती प्रौद्योगिकियों को जोड़कर स्थापित किया जाना चाहिए।

एआईएमआईएम चीफ का बड़ा दांव, अयोध्या से चुनाव अभियान की शुरूआत का ऐलान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/अयोध्या/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 2022 के यूपी विधान सभा चुनाव अभियान की शुरूआत को लेकर बड़ा दाव खेलने की तैयारी में है। उन्होने कहा कि 7 सितंबर से राम की नगरी अयोध्या से उनकी पार्टी प्रदेश में चुनाव प्रचार शुरू करेगी जिसमें वंचितों व शोषितों की आवाज उठाई जायेगी। ओवैसी इस दिन अयोध्या के रुदौली में एक सभा को संबोधित करेंगे, जिसमें मुसलमानों, दलितों, पिछड़ों और अन्य वर्गों के लोगों को बुलाया गया है।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि न केवल मुस्लिम बल्कि अन्य समुदायों का भी केंद्र और उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने शोषण किया है। एआईएमआईएम ने पूरे उत्तर प्रदेश में वंचित-शोषित समाज के सम्मेलनों की एक सीरीज आयोजित करके इन लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने का फैसला किया है।

बता दें कि 8 सितंबर को ओवैसी इसी तरह की सभाओं को सुल्तानपुर और बाराबंकी में संबोधित करेंगे. शौकत अली ने कहा कि ये समुदाय एक विकल्प की तलाश में हैं और एआईएमआईएम वंचित समुदायों की आशा और आवाज के रूप में उभरा है। एआईएमआईएम लोगों से 2022 के विधान सभा चुनाव में काम करने वाली सरकार बनाने के लिए इसका समर्थन करने का आह्वान करेगी। जान लें कि एआईएमआईएम ने उत्तर प्रदेश की 100 विधान सभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है।

एआईएमआईएम भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाने के लिए छोटे राजनीतिक दलों के गठबंधन में भी शामिल हो गया है, जिसमें ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, बाबू सिंह कुशवाहा के नेतृत्व वाली जन अधिकार पार्टी, बाबू रामपाल के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय उदय पार्टी, प्रेमचंद प्रजापति की राष्ट्रीय उपेक्षित समाज पार्टी और अनिल सिंह चौहान के नेतृत्व वाली जनता क्रांति पार्टी शामिल है।

अमेरिका से एएलयूएवी की डील हुई पक्की, रक्षा क्षेत्र में भारत का बढ़ेगा दबदबा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देश-दुनिया/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य सहयोग को और बढ़ाने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाया है। दोनों देशओं ने एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल के विकास में सहयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि एएलयूएवी के लिए प्रोजेक्ट एग्रीमेंट पर 30 जुलाई को डिफेंस टेक्नोलॉजी एंड ट्रेड इनिशिएटिव के समग्र ढांचे के तहत हस्ताक्षर किए गए।

संधि पर रक्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग के बीच हस्ताक्षर किए गए। इस रक्षा डील से भारत का न केवल रक्षा तंत्र मजबूत होगा बल्कि रक्षा क्षेत्र में उसका दबदबा भी बढेगा। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत और अमेरिका के बीच रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार की जमानत याचिका खारिज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

1984 में हुए सिख विरोधी दंगे में दोषी करार और सजायाफ्ता पूर्व कांग्रेसी सांसद सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा है कि आप स्पेशल नहीं हैं। दरअसल, उम्रकैद काट रहे सज्जन कुमार ने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। इस जमानत याचिका के जवाब में सीबीआई की ओर से मेडिकल रिपोर्ट लगाई गई है। सीबीआई का कहना है कि सज्जन कुमार का स्वास्थ्य लगातार ठीक हो रहा है और वे कस्टडी में रहकर भी अपना इलाज करवा सकते हैं। इसके बाद कोर्ट ने उनको जमानत देने से इंकार कर दिया है। सज्जन सिंह के वकील का कहना था कि वे अच्छे अस्पताल में अपना इलाज कराना चाहते हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे अकेले ऐसे बीमार नहीं हैं जिन्हें स्पेशल ट्रीटमेंट दिया जाए। कस्टडी में रहकर वे अपना इलाज करा सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा 17 दिसंबर 2018 को मामले में उन्हें और अन्य को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद से सज्जन कुमार आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने एक व दो नवंबर 1984 को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में पालम कॉलोनी के राज नगर पार्ट-1 इलाके में पांच सिखों की हत्या और राज नगर पार्ट-2 में एक गुरुद्वारा जलाने के मामले में निचली अदालत द्वारा 2013 में कुमार को बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था।

मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के हाथ होगी तालिबान सरकार की कमान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/काबुल/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के करीब 20 दिन बाद तालिबान अब सरकार बनाने की तैयारी में है। इस सरकार की लीडरशिप तालिबान के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के हाथों में होगी। इसके अलावा तालिबान के मुखिया अखुंदजादा को संरक्षक या सुप्रीम लीडर जैसा कोई पद मिल सकता है। मुल्ला बरादर तालिबान के कतर स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बाद स्तेनकजई तालिबान सरकार में वरिष्ठ पद संभालेंगे।

मुख्य सतर्कता अधिकारियों के पास की लंबित है भ्रष्टाचार संबंधी 200 से अधिक शिकायतें

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

देश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग का गठन किया गया था। लेकिन 31 दिसंबर 2020 तक मुख्य सतर्कता अधिकारियों के पास सरकार के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार से संबंधित कुल 219 मामले लंबित थे जिनमें 105 शिकायते तो पिछले 3 साल से लेबित चली आ रही थी। जब मुख्य सतर्कता अधिकारियों को ये हाल है तो आप समझ सकते है कि देश में ऐसे कितने मामले लंबित होंगे। आम आदमी अब यह सोचने पर मजबूर हो गया है कि नेता सिर्फ चुनावों में ही भ्रष्टाचार पर बात करते है। आखिर चुनावों के बाद उस पर अमल क्यों नही होता। इस तरह से आखिर कैसे देश में भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। यह अब एक यक्ष प्रश्न बन गया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि 31 दिसंबर 2020 तक मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के पास सरकार के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार संबंधी कुल 219 शिकायतें जांच के लिए लंबित थीं।

द्वारका एटीएस ने मेवाती गैंग के दो वाहन चोर पकड़े

30 वाहन किये बरामद, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान में वारदातों को अंजाम देता है मेवाती गैंग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

द्वारका एटीएस के जवानो ने अपनी जान जोखिम में डालकर हरियाणा के मेवात में छापेमारी कर कुख्यात मेवाती गैंग के दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। मेवात में अपराधियों को पकड़ना कोई आसान काम नही है लेकिन द्वारका एटीएस टीम के इस कार्यवाही की पुलिस के साथ-साथ आम आदमी भी प्रशंसा कर रहा है। पुलिस ने आरोपियों से 40 लाख रुपए की लागत की चोरी के 30 दुपहिया वाहन जब्त किये हैं। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी से करीब 22 मामलों को सुलझाने का खुलासा किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस संबंध में द्वारका डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने प्रेसवार्ता में बताया कि हवलदार विजय सिंह को सूचना मिली थी कि दो मेवाती गैंग के अपराधी पीरागढ़ी आ रहे हैं। एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह ने एटीएस के इंचार्ज कमलेश कुमार के नेतृत्व में एसआई विकास यादव, एसआई सरोज, एएसआई रणधीर, एचसी विजय, एचसी जितेंदर, एचसी सोनू, एचसी जगत, एचसी दिनेश, एचसी अमित, एचसी रामराय, सीटी संदीप, इंदर सिंह, परविंदर, अरविंद, राजबीर, मनीष, राजेश की टीम का गठन किया। टीम ने सूचना के तहत कार्यवाही करते हुए पीरागढ़ी से दो लोगों को संदेह के आधार पर पकड़ा। जब जांच व पूछताछ की गई तो आरोपियों के पास से दो बाईक बरामद की गई जो गुरूग्राम व डाबड़ी से चोरी की गई थी। टीम ने दोनो आरोपी अरशद उर्फ कल्लू पुत्र मो. ईशाब निवासी ग्राम सहसन, पीएस जुहेरा, जिला भरतपुर, राजस्थान, व मुश्तफा उर्फ किप्पा पुत्र रत्ती खान निवासी ग्राम सहसन, पीएस जुहेरा, जिला भरतपुर, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद एटीएस टीम ने भरतपुर के सहसन गांव में छापेमारी की और 25 चोरी की बाईक बरामद की। वहीं दिल्ली से भी आरोपियों से 5 बाईक बरामद की गई। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में 22 मामले सुलझने का खुलासा हुआ है। दोनो आरोपी कई गंभीर मामलों में शामिल रहे हैं। आरोपी अरशद उर्फ कल्लू पहले हरियाणा और राजस्थान में गोहत्या के 4 मामलों और मोटरसाइकिल चोरी के 5 मामलों में शामिल है। वहीं आरोपी अरशद उर्फ कल्लू को भी थाना फिरोजपुर जिरका और नूंह हरियाणा के दो मामलों में पीओ मिला है।

सीएए पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से की हस्तक्षेप की मांग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/यूएनओ/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने नागरिकता संशोधन कानून में सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग करते हुए एक इंटरवेशन याचिका दाखिल की है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयुक्त मिशेल बेचेलेत जेरिया ने अदालत से बतौर एमिंकस क्यूरे सुनवाई में शामिल होने की मंजूरी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की इस इंटरवेंशन याचिका पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा, ह्लसंयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयुक्त ने जेनेवा में हमारे स्थाई मिशन को सोमवार शाम को ये बताया कि उनके दफ़्तर ने सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता संशोधन को लेकर एक इंटरवेंशन याचिका दाखिल की है। नागरिकता संशोधन कानून भारत का एक अंदरूनी मुद्दा है और कानून बनाने को लेकर भारतीय संसद के संप्रभु अधिकार से जुड़ा हुआ है. हमें पूरा भरोसा है कि भारत की संप्रभुता से जुड़े किसी भी मसले पर किसी विदेशी पक्ष को दखल देने का कोई हक नहीं है। हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि नागरिकता संशोधन कानून संवैधानिक रूप से वैध है और हमारे संविधानिक मूल्यों की सभी शर्तों को पूरा करता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां कानून का शासन है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए हमारे मन में बहुत आदर है और हमें उस पर पूरा भरोसा है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारी सच्ची और लंबे समय से चले आर रहे हैं। कानूनी स्टैंड को आदरणीय सुप्रीम कोर्ट समझेगा। मौजूदा मामले में सुप्रीम कोर्ट नागरिकता संशोधन कानून की धारा 2 से 6 की संवैधानिकता पर विचार कर रहा है। ये मामला अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और प्रवासियों और शरणार्थियों पर इसके लागू होने के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाता है।

कश्मीर पर पलटा तालिबान, कहा-कश्मीर पर देगा दखल, भारत की चिंता बढ़ी

तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कश्मीर क्या, भारत समेत किसी भी देश में मुस्लिमों के लिए आवाज उटाने का हमे हक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/काबुल/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

तालिबान ने अफनागिस्तान में अपनी सरकार के ऐलान से पहले रंग दिखाना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखने की बात करने वाले तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने गुरुवार शाम एक इंटरव्यू में कहा है कि तालिबान को कश्मीर समेत पूरी दुनिया के मुसलमानों की आवाज उठाने का हक है। शाहीन ने कहा कि मुस्लिम हमारे अपने लोग हैं, हमारे नागरिक हैं और कानून के तहत उन्हें बराबरी का अधिकार है। तालिबानी प्रवक्ता के इस बयान ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि भारत तालिबान के पहले के बयानों के आधार पर तालिबान से बात करने का मन बना चुका था लेकिन अब भारत फिर से इस पर विचार कर रहा है।

बीबीसी के साथ जूम पर एक वीडियो इंटरव्यू में सुहैल शाहीन ने अमेरिका के साथ हुए दोहा समझौते की बात करते हुए कहा कि किसी भी देश के खिलाफ सशस्त्र अभियान चलाना उनकी नीति का हिस्सा नहीं है।

दोहा से बात करते हुए शाहीन ने कहा, एक मुसलमान के तौर पर, भारत के कश्मीर में या किसी और देश में मुस्लिमों के लिए आवाज उठाने का अधिकार हमारे पास है। हम आवाज उठाएँगे और कहेंगे कि मुसलमान आपके लोग है, अपने देश के नागरिक हैं। आपके कानून के मुताबिक वो समान हैं।

सनसनीखेज खुलासा आरोपी ने बताया, उसने कैसे पहले बहन-नानी को मारा; फिर माता-पिता की भी हत्या की, आरोपी बार-बार बदल रहा था बयान

अपने परिवार के चार लोगों के हत्यारें ने उगला राज, जेंडर चेंज करवाने में आड़े आ रहा था परिवार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/रोहतक/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

हरियाणा के रोहतक में एक दिल दहला देने वाले मामले से अब पर्दा उठ गया है। पुलिस ने जांच के बाद परिवार के इकलौते बेटे को ही अपनी बहन, नानी व माता-पिता की बर्बर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी जांच के दौरान हुई पूछताछ में बार-बार बयान बदल रहा था जिसको लेकर पुलिस अधिकारियों को कुछ शक हुआ और जब सीसीटीवी कैमरे व लोकेशन जांची गई तो आरोपी फंस गया और उसने हत्या का राज खोलकर सबकों को चौंका दिया। आरोपी के अनुसार वह अपना जेंडर बदलकर आने दोस्त से शादी करना चाहता था। लेकिन परिवार इस मामले में आड़े आ रहा था और उसे पैसे भी नही दे रहा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। उसने बीते 27 अगस्त को रोहतक में अपने पिता, माता, छोटी बहन और नानी को मार डाला। आरोपी के पिता एक प्रॉपर्टी डीलर थे। पुलिस ने आरोपी की पहचान अभिषेक के तौर पर की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। इस टीम में दो डीएसपी भी हैं। बता दें कि पुलिस ने घर के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद शक के आधार पर आरोपी अभिषेक को पकड़ा क्योंकि वो बार-बार अपना बयान बदल रहा था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अभिषेक के घर में तनाव बहुत ज्यादा था। रोहतक के एसपी राहुल शर्मा ने कहा कि अभी तक हुई जांच के आधार पर कहा जा सकता है कि अभिषेक ही इस मामले में मुख्य आरोपी है। अभी ये कहना सही नहीं होगा कि इस केस में मुख्य आरोपी के अलावा कोई और भी शामिल है। इसे लेकर मामले की जांच अभी जारी है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने 32 बोर की रिवाल्वर से पहले बहन को मारा। फिर कमरे में बुलाकर नानी को गोली मारी दी। इसके बाद मां को ऊपर वाले कमरे में बुलाया और उनके ऊपर गोली चला दी। सबसे बाद में उसने पिता के माथे में गोली मारकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभिषेक के पिता का नाम प्रदीप मलिक था। उसकी माता का नाम संतोष था। उसकी नानी का नाम रोशनी देवी और उसकी बहन का नाम नेहा था। सभी की गोली मारकर हत्या की गई। यहां यह भी बता दे कि इसी भाई ने चंद दिन पहले रक्षाबंधन पर अपनी बहन से रांखी बंधवाकर उसकी रक्षा की कसम खाई थी। जांच में यह भी बात सामने आई है कि आरोपी अपना जेंडर चेंज कर अपने एक दोस्त से शादी कर बाहर जाना चाहता था।

आईपीएल 2021:अबू धाबी पहुंचे मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर पोलार्ड, जल्द होंगे टीम में शामिल

दुबई। मुंबई इंडियंस के स्टार ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें संस्करण के फिर से शुरू होने से पहले टीम बबल में शामिल होने के लिए यूएई पहुंच गए हैं। पोलार्ड ने हाल ही में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2021 में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) की कप्तानी की थी। चूंकि पोलार्ड ने सीपीएल खेला है, इसलिए वह मुंबई इंडियंस के बुलबुले में शामिल होने से पहले दो दिन क्वारंटाइन से गुजरेंगे। मुंबई इंडियंस ने ट्वीट किया, 'बड़ा आदमी यहां है और इसके साथ ही हमारा एक परिवार एक ही छत के नीचे है, शुभरात्रि, पलटन। आईपीएल का 14वां सीजन जिसे मई में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया था, 19 सितंबर को दुबई में चेन्नई सुपर किंग्स और गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच ब्लॉकबस्टर मुकाबले के साथ फिर से शुरू होगा। सीएसके-एमआई के बीच मैच के बाद अबू धाबी में केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच मुकाबला होगा। शारजाह 24 सितंबर को अपने पहले गेम की मेजबानी करेगा जब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स भिड़ेंगे। कुल मिलाकर दुबई में 13 मैच, शारजाह में 10 और अबू धाबी में 8 मैच होंगे।

ओलिम्पिक पदक सिर्फ शुरूआत, हम नंबर वन बनना चाहते हैं : हॉकी फॉरवर्ड शमशेर

नई दिल्ली। फॉरवर्ड शमशेर सिंह ने कहा कि ओलंपिक कांस्य पदक भारतीय हॉकी टीम के लिए शुरूआत मात्र है और उसे दुनिया की नंबर एक टीम बनना है। पुरूष हॉकी टीम ने तोक्यो में शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक जीता जो 41 साल बाद ओलंपिक में उसका पहला पदक था।

शमशेर ने कहा कि अभी एक टीम के रूप में हमें बहुत कुछ हासिल करना है। हमने ओलंपिक पदक जीतकर लक्ष्य की ओर कदम रख दिए हैं लेकिन हम पिछले कुछ साल से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। खासकर बड़े टूर्नामेंटों जैसे एफआईएच हॉकी प्रो लीग में । हमें यकीन है कि मैच दर मैच अच्छा प्रदर्शन करने पर एक दिन दुनिया की नंबर एक टीम बनेंगे। शमशेर ने कहा कि टोक्यो ओलिम्पिक हमेशा उनके लिए खास रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं खुशकिस्मत हूं कि कैरियर के इतने शुरूआती चरण में ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम की हिस्सा बना। मुझे यह भी पता है कि हमारे लिये एक टीम के तौर पर यह शुरूआत है। उन्होंने कहा- हमें यकीन है कि भविष्य में इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और हम आने वाले वर्षों में करेंगे। यह पूछने पर कि टोक्यो में इतिहास रचने में भारतीय टीम की किस बात ने मदद की, शमशेर ने कहा- मैदान पर हार नहीं मानने का जज्बा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिपः एआईबीए पदक विजेताओं को देगी भारी भरकम इनामी राशि, मुक्केबाज होंगे मालामाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए पहली बार इनामी राशि की घोषणा की। सर्बिया में अगले महीने वाली चैंपियनशिप में 26 लाख डॉलर के इनाम दिए जाएंगे जिसमें स्वर्ण पदक विजेता को एक लाख डॉलर मिलेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 24 अक्तूबर से बेलग्राद में शुरू होगी। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता करेंगे।

एआईबीए ने अपने बयान में कहा, 'कुल इनामी राशि 26 लाख डॉलर होगी। पहले स्थान पर रहने वाले को एक लाख डॉलर की राशि मिलेगी। रजत पदक विजेता को 50 हजार डॉलर जबकि प्रत्येक वजन वर्ग के दो कांस्य पद विजेताओं को 25 हजार डॉलर मिलेंगे।'

एआईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने, 'यह पहली बार होगा जब एआईबीए विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को वित्तीय रूप से पुरस्कृत करेगा और ऐसा ही होना चाहिए। एआईबीए के शीर्ष टूर्नामेंटों में जगह बनाने के लिए वर्षों की तैयारी और प्रयासों को देखते हुए वे इस धनराशि के हकदार हैं।'उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि इससे हमारे मुक्केबाजों को काफी फायदा होगा। वे ना सिर्फ रिंग में सफल होंगे बल्कि आत्मनिर्भर और समृद्ध भी होंगे।'

एआईबीए महासचिव इस्तवान कोवाक्स ने अध्यक्ष की बातों से सहमति जताते हुए कहा कि यह पहल उन मुक्केबाजों के लिए महत्वूर्ण है जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एआईबीए के अपने खिलाड़ियों को आजीविका कमाने का उचित मौका और अतिरिक्त प्रेरणा दे रहा है। मुझे पता है कि मुक्केबाजों के लिए यह कितना मायने रखता है।' बता दें कि यह टूर्नामेंट संशोधित वजन वर्गों में खेला जाएगा। एआईबीए ने जुलाई में वजन वर्गों की संख्या 10 से बढ़ाकर 13 कर दी थी। फाइनल पांच और छह नवंबर को खेले जाएंगे।

नॉर्वे क्लासिकल शतरंज - कार्लसन ने रिचर्ड रापोर्ट को हराया

स्टावेंगर , नॉर्वे । नॉर्वे क्लासिकल शतरंज 2021 के आठवे राउंड मे मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें सबसे आगे चल रहे हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट को पराजित करते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है और अब देखना होगा की क्या बचे हुए 2 राउंड मे वह खिताब हासिल कर पाते है ।

जबरजस्त लय मे चल रहे हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से मेगनस कार्लसन नें 6 घंटे से अधिक समय तक चले मैराथन मुक़ाबले मे राय लोपेज ओपनिंग के बर्लिन डिफेंस मे बहुत ज़ोर लगाया लेकिन खेल की 57 वीं चाल तक कोई बढ़त हासिल नहीं कर पाये लेकिन इसके बाद रिचर्ड की घोड़े की लगातार दो गलत चाल नें कार्लसन को बढ़त बनाने का मौका दे दिया और उन्होने 77 चालों में बाजी अपने नाम कर ली ।

अन्य परिणामों में नॉर्वे के युवा खिलाड़ी आर्यन तारी ने रूस के इयान नेपोनियचची को हराकर सभी को चौंका दिया व्ही रूस के सेरगी कार्याकिन को फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें मात दी । 6 खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर 10 राउंड के

इस टूर्नामेंट में अब अंतिम 2 राउंड बाकी है । प्रतियोगिता में जीतने पर 3 अंक तो ड्रॉ होने की स्थिति में टाईब्रेक के बाद परिणाम निकाला जा रहा है और फिर टाईब्रेक विजेता को 1.5 अंक तो हारने वाले को 1 अंक दिया जाता है ।

राउंड 8 के बाद रिचर्ड 15.5 अंक , कार्लसन 15 अंक ,अलीरेजा 12 अंक ,नेपोनियची 9.5 अंक , सेरगी 8.5 अंक और आर्यन 6 अंको पर खेल रहे है ।

उपलब्धिः पंकज आडवाणी ने लगातार दूसरी बार जीता एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मिडफील्डर नीलाकांता शर्मा को उम्मीद हैभारत के शीर्ष स्नूकर और बिलियर्ड्स खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने लगातार दूसरी बार एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में ईरान के आमिर सरखोश को 72-42, 72-0, 70-49, 41-66, 70-17, 30-68, 34-74, 50-12, 64-44 से हराया। बता दें कि आडवाणी ने 'बेस्ट ऑफ इलेवन% फाइनल में 6-3 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही स्नूकर और बिलियर्ड्स दोनों में अब उनके एशियाई खिताबों की संख्या 11 हो गई है।

कोरोना महामारी के कारण करीब दो साल में यह आडवाणी का पहला टूर्नामेंट था। 36 साल के आडवाणी ने 2019 में एशियाई चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। पिछले साल कोरोना के कारण यह टूर्नामेंट आयोजित नहीं हुआ था। इसके अलावा उनके नाम 2006 और 2010 में एशियाई खेलों के दो स्वर्ण पदक भी हैं।

इससे पहले आडवाणी ने 'बेस्ट ऑफ नाइन' हांगकांग के चेउंग का वाई को 5-3 (117(53)-9, 65-17, 0-136(136), 42-88, 79-1, 0-113(113), 64(61)-37, 68-14) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। अब 23 बार के विश्व चैंपियन आडवाणी शुरू हो रहे आईबीएसएफ 6-रेड स्नूकर विश्व कप में भाग लेंगे।

सीपीएल में इविन लुईस ने तोड़ा क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड, मुंबई इंडियंस के फैंस हुए खुश

मुंबई। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान इविन लुईस शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने बतौर बल्लेबाज सबसे ज्यादा छक्के लगाए। सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भले ही वह छह रन बनाए लेकिन उनकी सेंट किट्स एंड नेविस पैटिरॉयट टीम ने डोमिनिक ड्रेक्स के 48, जोशुआ डीसिल्वा के 37 रनों की बदौलत आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। लेविस का पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्रदर्शन सराहनीय रहा।

सीपीएल में सबसे ज्यादा छक्के

38 इविन लुईस (2021)
37 क्रिस गेल (2016)
33 क्रिस गेल (2015)
32 ब्रैंडन किंग (2019)
31 इविन लुईस (2017)

लुईस की अगर बात करें तो सीपीएल के इस सीजन में उनका प्रदर्शन कमाल का रहा। उन्होंने 11 मैचों में दो बार नाबाद रहते हुए 426 रन बनाए। इस दौरान उनकी औसत 47 रही जबकि

स्ट्राइक रेट 163 के आसपास। उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए। वह सीजन में सबसे ज्यादा 38 छक्के लगाने वाले प्लेयर तो रहे ही साथ ही साथ 25 चौके लगाने में भी सफल रहे।

बता दें कि इविन लुईस आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं। उन्होंने आईपीएल में अब तक 16 मैच खेले हैंजिसमें उनके नाम पर 430 रन हैं। सबसे बड़ी बात वह 36 चौके और 25 छक्के भी लगा चुके हैं। यूएई की पिचों पर वह अपनी टीम के लिए कारगार हथियार हो सकते हैं।

कोहली की वनडे कप्तानी पर खतराः 2023 वर्ल्ड कप तक कप्तान बने रहने की गारंटी खत्म

पिछले दो सालों में खोया युवा खिलाड़ियों को सपोर्ट

नई दिल्ली। विराट कोहली ने अगले महीने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया की टी-20 फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ना का फैसला किया है। भारतीय कप्तान ने वर्कलोड का हवाला देते हुए टी-20 की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया, लेकिन इससे यह संकेत मिलते हैं कि वनडे में भी उन्हें इस तरह की चीजों का सामना करना पड़ सकता है।

क्या हाथों से जाएगी वनडे की कप्तानी?

विराट कोहली ने कहा है कि वह अन्य दो फॉर्मेट में कप्तान बने रहेंगे लेकिन कोई भी स्पष्ट तौर पर यह नहीं कह सकता कि वह 2023 में होने वाले एकदिवसीय वर्ल्ड कप में भारत की 50 ओवर की टीम के कप्तान होंगे या नहीं। वर्कलोड मैनेजमेंट को टी-20 कप्तानी छोड़ने का कारण माना जा सकता है, लेकिन 2023 तक भारत के शेड्यूल को देखा जाए तो वर्ल्ड कप के अलावा टीम को लगभग 20 द्विपक्षीय टी-20

मुकाबले खेलने हैं।

BCCI के एक सूत्र ने कहा- विराट को पता है कि अगर टीम UAE में टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो उन्हें वनडे, टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता था। जहां तक सीमित ओवरों की कप्तानी का सवाल है तो उसने हटकर अच्छा किया है। उन्होंने कहा- उसने अपने ऊपर से थोड़ा दबाव कम किया है, क्योंकि ऐसा लग रहा है कि वह अपनी शर्तों पर यह काम कर रहा था। अगर टी-20 में प्रदर्शन में गिरावट आती है तो शायद 50 ओवर में फॉर्मेट में ऐसा नहीं हो। BCCI के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को जारी बोर्ड के बयान के रोचक पहलू के बारे में कहा- अगर आप सौरव और जय शाह के बयान देखो, दोनों ने शुभकामनाएं दी हैं, लेकिन एक भी शब्द नहीं कहा कि वह 2023 विश्व कप तक कप्तान रहेगा या नहीं। इसलिए वह कप्तान रहेगा इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता।

BCCI अगर भविष्य में कोहली से वनडे की कप्तानी भी ले लेता है तो यह हैरानी भरा नहीं होगा। टी-20 वर्ल्ड कप में ट्रॉफी जीतने में नाकाम रहने के बाद कोहली को 50 ओवर में फॉर्मेट में भी एक बल्लेबाज के रूप में उतरना पड़ सकता है।

विराट सभी प्रारूपों में सबसे सफल कप्तानों में एक : सौरव गांगुली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के लिए बेशकीमती हैं। वह सभी प्रारूपों में सफलतम कप्तानों में से एक हैं। गांगुली ने विराट की टी 20 विश्व कप की बाद इस फॉर्मेट की कप्तानी छोडने के फैसले पर कहा- यह भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हम टी-20 कप्तान के तौर पर विराट के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उनकी

सराहना करते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2021 के बाकी सत्र के लिए पंत को कप्तान बरकरार रखा

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 19 सितंबर से बहाल हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी बचे मैचों में टीम के कप्तान बनाया है। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के कई मामले आने के कारण आईपीएल सत्र को निलंबित किए जाने से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने पंत की अगुआई में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उन्हें कप्तान बरकरार रखे जाने की पूरी उम्मीद थी।

दिल्ली की टीम ने हालांकि पिछले साल पहली बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में

आईपीएल फाइनल में जगह बनाई थी। अय्यर के चोटिल होने के कारण पंत को दिल्ली की कप्तानी सौंपी गई थी और उनकी अगुआई में दिल्ली की टीम ने लीग के निलंबित होने से पहले छह मैच जीते और 12 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है।

फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया- जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम आज घोषणा करती है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2021 के बाकी सत्र में टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रहेंगे। इससे पहले पीटीआई ने तीन सितंबर को खबर दी थी कि पंत को कप्तान के रूप में बरकरार रखा जाएगा।

क्या बाबर आजम भी छोड़ेंगे कप्तानी, पाक कप्तान ने किया साफ

कराची। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टीम के नेतृत्व में बदलाव की बातों को खारिज करते हुए कहा कि उनका ध्यान न्यूजीलैंड के खिलाफ एक दिवसीय और टी-20 श्रृंखला जीतने पर है। बाबर ने गुरुवार को वर्चुअल मीडिया कांफ्रेंस में कहा कि उन्हें चुनी हुई टीम में पूरा विश्वास है। चुनी गई टीम से कथित तौर पर खुश नहीं होने की खबरों पर बाबर ने कहा कि हर बार की तरह उन्होंने चयन बैठक में सलाह दी थी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की टीम नहीं है।

बाबर ने कहा- मुझे लगता है कि बोर्ड अधिकारी और मुख्य चयनकर्ता भी टीम के चयन को लेकर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं इसलिए मैं भी पूरी तरह से टीम का समर्थन कर रहा हूं और न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। बाबर ने साथ ही स्पष्ट किया कि उन्हें कप्तानी के बदलाव के बारे में कुछ नहीं बताया गया और ना ही उन्होंने ऐसा कुछ सुना है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट जगत में यह सामान्य चीज है कि कप्तान को

वांछित लक्ष्य हासिल करने होते हैं और उम्मीदों पर खरा उतरना होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष रमीज राजा ने स्पष्ट कर दिया था कि उनकी बाबर से कप्तान के रूप में वही उम्मीदें हैं जो इमरान खान से थी। रमीज ने कहा था कि वह निजी तौर पर बाबर को इतनी अच्छी तरह नहीं जानते इसलिए सभी प्रारूपों में उनकी कप्तानी को लेकर आकलन करना जल्दबाजी होगी। कप्तानी में बदलाव की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर बाबर ने कहा कि अब तक मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। बाबर ने कहा कि कप्तान केन विलियमसन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवॉय के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट, टिम साउथी, काइल जेमीसन और लॉकी फर्ग्युसन की गैरमौजूदगी के बावजूद उन्हें सीमित ओवरों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। पाकिस्तान के कप्तान ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम अगर अपने मुख्य खिलाड़ियों के साथ आती तो श्रृंखला में और मजा आता। बाबर ने कहा कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाएं काफी महत्वपूर्ण होंगी क्योंकि पाकिस्तान और टी-20 विश्व कप की मेजबानी करने वाले यूएई के हालात काफी समान हैं।

हीथर नाइट की कप्तानी पारी, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड से पहला वनडे जीता

ब्रिस्टल। कप्तान हीथर नाइट की बड़ी अर्धशतकीय पारी और कैथरीन ब्रंट के आलराउंड खेल से इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 30 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। नाइट ने 107 गेंदों पर 89 रन बनाये जिसमें आठ चौके शामिल हैं।

सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने 44 रन का योगदान दिया जिससे पहले इंग्लैंड एक समय अच्छी स्थिति में दिख रहा था। लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ाने से उसका स्कोर एक विकेट पर 109 रन से जल्द ही पांच विकेट पर 140 रन हो गया। ब्रंट (51 गेंदों पर 43 रन) ने यहां से नाइट का अच्छा साथ दिया। इन दोनों ने छठे विकेट के लिये 88 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किए जाने के बाद 49.3 ओवर में 241 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से जेस केर ने तीन जबकि सोफी डिवाइन और ली ताहुहु ने दो-दो विकेट लिये। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में 46.3 ओवर में 211 रन पर आउट हो गयी। एमी सैटरवाइट ने उसकी तरफ से नाबाद 79 रन बनाये जबकि कप्तान सोफी डिवाइन ने 34 रन का योगदान दिया। ब्रंट ने

कसी हुई गेंदबाजी और आठ ओवर में 22 रन देकर एक विकेट लिया। नैट साइवर, कैट क्रास और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट लिए।

एथलेटिक्स चैंपियनशिपः महिला धावक हरमिलन बैंस ने तोड़ा 19 साल पुराना रिकॉर्ड, 1500 मीटर में जीता खिताब

वारंगल। पंजाब की महिला धावक हरमिलन बैंस ने वारंगल के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में चल रही 60वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगित में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 4:05.39 सेकंड में अपनी दौड़ पूरी की। इस रिकॉर्ड के साथ 21 साल की हरमिलन ने सुनीता रानी (4:06.03 सेकंड) के 19 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो उन्होंने 2002 एशियाई खेलों में बनाया था। हालांकि, हरमिलन विश्व चैंपियनशिप के लिए 1500 मीटर क्वालिफिकेशन मार्क से बहुत कम से चूक गईं, जो 4:04.20 है।

केएम चंदा 4:18.24 सेकंड के साथ दूसरे स्थान परः वहीं, दिल्ली की केएम चंदा 4:18.24 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। बता दें कि हरमिलन ने पिछले साल भुवनेश्वर में खेल इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में 4:14.68 सेकंड का समय लेने के बाद इस साल 16 मार्च को फेडरेशन कप में 4:08.70 सेकंड और फिर 21 जून को इंडियन ग्रां प्री में 4: 08.27 सेकंड का समय लिया था। वह अब राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर खिताब जीतने में सफल रहीं।

पुरुष 1500 मीटर में हुआ उलटफेर

वहीं, पुरुष 1500 मीटर में उलटफेर देखने को मिला। हरियाणा के परवेज खान ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दो बार के पदक विजेता रेलवे के अजय कुमार सरोज को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय स्तर पर 20 अगस्त 2019 से अजय की यह पहली हार है। उधर, 100 मीटर में दिल्ली की तरनजीत कौर ने बाजी मारी। तरनजीत ने 11.50 सेकंड के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 100 मीटर दौड़ का खिताब जीता।

नरेश कुमार ने 100 मीटर में जीता खिताबः पुरुषों में नरेश कुमार ने 10.30 सेकंड के समय के साथ पुरुष 100 मीटर खिताब जीता। यह इस साल 100 मीटर में किसी भारतीय धावक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने 26 जून को पटियाला में 10.27 सेकंड का समय लिया था। गुंटूर के 23 साल के नरेश भारतीय इतिहास के पांच सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 2001 में अनिल कुमार के 10.37 सेकंड के मीट रिकॉर्ड को भी तोड़ा। उधर, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हेप्टाथलीट रेलवे की स्वप्ना बरमन ने महिला ऊंची कूंद का खिताब जीता जबकि हरियाणा के साहिल सिलवाल ने 77.79 मीटर के प्रयास के साथ पुरुष भाला फेंक का खिताब अपने नाम किया।

पहले दिन इन खिलाड़ियों का रहा जलवाः चैंपियनशिप के पहले दिन क्रमशः पुरुष और महिला 5000 मीटर दौड़ के खिताब जीते। रेलवे के 24 साल के अभिषेक ने 14 मिनट 16.35 सेकंड के समय के साथ 5000 मीटर में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीतने में सफल रहे। वहीं, धर्मेंद्र 14 मिनट 17.20 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे और उन्होंने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, अजय कुमार ने 14 मिनट 20.98 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। उधर, महिला 5000 मीटर दौड़ में पारुल ने 15 मिनट 59.69 सेकंड के समय के साथ खिताब जीता। महाराष्ट्र की 22 साल की कोमल ने 16 मिनट 1.43 सेकंड के समय के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, महाराष्ट्र की ही संजीवनी बाबर जाधव ने 16 मिनट 19.18 सेकंड के समय से कांस्य पदक जीता। महिला पोल वॉल्ट में तमिलनाडु की पवित्रा वेंकटेश ने 3.90 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता।

उर्वशी रौतेला

किसी से भी भिड़ने के लिए तैयार, खुलेआम दे दी चुनौती!

खूबसूरती के मामले में सबको पीछे छोड़ने वाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. उर्वशी अपनी हसीन तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं. अब उन्होंने एक ऐसी तस्वीर साझा की है, जिसे देखने के बाद आप एक बार जरूर घबराएंगे. उर्वशी की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर छाई हुई है. तस्वीर शेयर करने के साथ ही उर्वशी ने फैंस को एक चैलेंज के साथ ही चेतावनी भी दे दी है.

उर्वशी बन गई हैं योद्धा

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) इस तस्वीर में हाथ में रॉड पकड़े नजर आ रही हैं. उर्वशी रौतेला पूरी तरह एक योद्धा की तरह तैयार हैं. उर्वशी ने अपने ट्रेनिंग सेशन के दौरान ये तस्वीर क्लिक कराई है. उर्वशी की फिट बॉडी तस्वीर में साफ नजर आ रही है. लोगों को उर्वशी का ये अंदाज शानदार लग रहा है. इन दिनों उर्वशी वर्कआउट पर खूब ध्यान दे रही हैं. उर्वशी की मेहनत भी उनकी फिट बॉडी को देखने के बाद साफ नजर आती है.

उर्वशी ने दी चुनौती

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) ने अपने फॉलोअर्स को इस फोटो को पोस्ट करने के साथ ही चुनौती दे दी है. उर्वशी ने कैप्शन में लिखा, क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? अब समय है. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? लाइन में खड़े हो. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? हाथों हाथ. क्या तुम मुझसे लड़ना चाहते हो? अब आपका मौका है. चलो इसे करते हैं.

इस सीरीज में आएंगी नजर

उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, खोजिए अगर आप मुझे खोज सकते हैं तो, बेस्ट कैप्शन विंस सबेबीउर्वी सहेडगर्ल. इस तस्वीर पर खूब लाइक्स और कमेंट आ रहे हैं. उर्वशी रौतेला के फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं. बता दें, हाल ही में उर्वशी (Urvashi Rautela) अरब के सुपरस्टार मोहमद रमजान के साथ वर्साचे बेबी (Versace Baby) में नजर आईं थीं. आने वाले समय में वह जिओ स्टूडियोज की आने वाली वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ नजर आने वाली हैं.

यशदास या निखिल जैन नहीं कुछ और है नुसरत जहां के बच्चे के पिता का नाम, सामने आया बर्थ सर्टिफिकेट

जानी-मानी बांग्ला एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही बेटे को जन्म दिया है। नुसरत, पति निखिल जैन से अलग हो चुकी हैं और बॉयफ्रेंड यशदास गुप्ता उनके साथ कई मौकों पर नजर आ चुके हैं। इन सबके बीच इस बात को लेकर सस्पेंस बना हुआ था कि नुसरत अपने बच्चे के पिता का नाम किसे देंगी। वहीं, अब ये सस्पेंस खत्म हो चुका है। नुसरत जहां के बेटे का बर्थ सर्टिफिकेट सामने आया है, जिसमें पिता का नाम भी लिखा हुआ है। लेकिन पिता का नाम देखकर कई लोग कंफ्यूज हो रहे हैं, क्योंकि ये ना तो यश है और ना ही निखिल।

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डॉक्यूमेंट के मुताबिक नुसरत जहां ने अपने बच्चे का नाम ईशान जे दासगुप्ता रखा है। वहीं, बच्चे के पिता का नाम लिखा है- देबाशीश दासगुप्ता... अगर आप भी ये नाम देखकर कंफ्यूज हो गए तो बता दें कि ये असल में यशदास गुप्ता का ही रियल नाम है। वहीं, इसके साथ ही ये साफ हो गया है कि नुसरत जहां के बेटे के पिता यशदास गुप्ता ही हैं। यश, नुसरत की प्रेग्नेंसी से लेकर डिलिवरी के दौरान भी उनके साथ खड़े नजर आए थे। वहीं, जब नुसरत बच्चे को लेकर अस्पताल से घर लौट रही थीं तो उस दौरान भी गाड़ी यश ही चलाते दिखाई दिए थे।

बता दें कि नुसरत ने 26 अगस्त को एक बेटे को जन्म दिया था। उन्होंने जब अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था तब वो अपने पति निखिल जैन से अलग हो चुकी थीं और यश दासगुप्ता को डेट कर रही थीं। नुसरत और निखिल की शादी 2019 को तुर्की में हुई थी। लेकिन कुछ समय बाद ही उनके रिश्ते में दरार आ गई और दोनों ने ही अलग होने का फैसला कर लिया।

श्रद्धा कपूर का Fitness Secret जान लिया तो आप भी रखें खुद को Fit, 'यादा मुश्किल नहीं है एक्ट्रेस का Workout Routine

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती के अलावा फिटनेस के लिए भी लोगों के बीच चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर श्रद्धा (Shraddha Kapoor) अक्सर फिटनेस वीडियोज़ शेयर करती हैं. हालांकि श्रद्धा (Shraddha Kapoor) अपनी फिटनेस को बनाए रखने के लिए काफी मेहनत करती हैं. वो कई तरह की एक्सरसाइज़ करने के साथ-साथ अपने खाने का खास ख्याल रखती हैं.

श्रद्धा हर दिन वर्कआउट करती हैं. जिम में श्रद्धा फैट बर्निंग कार्डियो के साथ-साथ योगा और मेडिटेशन भी करती हैं. इसके अलावा जब कभी वो जिम नहीं जा पातीं तब वो डांस जरूर करती हैं. श्रद्धा को जुंबा, बेली डांस और हिप-हॉप करना पसंद हैं.

फिट रहने के लिए वर्कआउट के साथ-साथ सही डाइट बेहद ज़रूरी होती है और ये बात श्रद्धा कपूर अच्छी तरह से जानती हैं. श्रद्धा कपूर को घर का खाना पसंद है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस शूटिंग के वक्त भी अपना खाना घर से पैक करवा कर ले जाती हैं. श्रद्धा अपनी डाइट में एग, फिश, ताज़ा फल और सब्ज़ियों को ज़रूर शामिल करती हैं.

ब्रेकफास्ट नाश्ते में श्रद्धा को उपमा, पोहा, अंडे का सफेद भाग या फिर ऑमलेट खाना पसंद है.

लंच दोपहर में श्रद्धा अपने खाने में दाल, रोटी और हरी सब्ज़ियों को शामिल करती हैं.डिनर रात में श्रद्धा दाल, ग्रिल्ड फिश या फिर फिश करी के साथ रोटी या ब्राउन राइस खाती हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा 8 बजे से पहले अपना डिनर कर लेती हैं और11 बजे तक सो जाती हैं. साथ ही खुद को हाइड्रेट रखने के लिए दिन भर में खूब सारा पानी पीती हैं.

शिल्पा शेट्टी

मां वैष्णों देवी के मंदिर पर माथा टेकने पहुंचीं कटरा, रास्ते भर जपती रहीं माता का नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट फाइल की थी। पोर्न केस में ये नई जानकारी सामने आने के बाद शिल्पा शेट्टी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्पॉट हुई हैं। यहां पर वो माता वैष्णो देवी के मंदिर में माथा टेकने पहुंची थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने चेहरे को मास्क से ढ़क रखा है और साथ में उनकी टीम के कुछ लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी बुधवार को मुंबई एयपोर्ट पर ट्रेडिशनल लुक में नजर आई थीं। इसके बाद वो जम्मू-कश्मीर के कटरा में नजर आईं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने शिल्पा की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी टीम के साथ माता के दर्शक को जाती दिख रही हैं। उन्होंने चेहरे को मास्क से ढ़का हुआ है। एक तस्वीर में घोड़े की सवारी करती भी नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है एक्ट्रेस 13 किलोमीटर चल कर माता के मंदिर तक पहुंचीं, उन्होंने कटरा बेसकैंप से घोड़े पर बाकी की यात्रा की।

एक्ट्रेस की सुरक्षा करते पुलिसकर्मी भी तस्वीरों में नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक्ट्रेस ने मीडिया से भी बात की और कहा- %मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। माता के बुलावे पर मैं इतनी दूर से उनके दर पर माथा टेकने यहां तक आ पाई हूं%। एक्ट्रेस अपनी पूरी यात्रा के दौरान %जय माता दी% जपती रहीं।

स्वामी.प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा व प्रबंधक वीरेंद्र कुमार सोनी ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कालोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी-1167 टोडरमल कालोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली-110043 से प्रकाशित
RNI NO .DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636/9205336006, Email: nazafgarhmetronews@gmail.com/समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे